E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

11 YEARS ANNIVERSARY

वर्ष -11 अंक -120 | प्रयागराज, शनिवार 19 जुलाई, 2025 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

अमेरिका ने पाकिस्तान समर्थित टीआरएफ को आतंकी संगठन घोषित किया,कहा- इसने पहलगाम हमले की जिम्मेदारी ली थी

यह फैसला न्याय के लिए ट्रम्प का आह्वान

नयी दिल्ली। अमेरिका ने पाकिस्तान समर्थित द रेजिस्टेंस फ्रंट को विदेशी आतंकवादी संगठन जयशंकर ने एक्स पर लिखा, भारत-अमेरिका आतंकवाद विरोधी सहयोग की मजबूत पुष्टि हुई है। दुनिया भर के बैंकों और वित्तीय संस्थानों तक पहुंच सीमित हो जाती है। उसके लिए पैसा

(एफटीओ) और विशेष रूप से नामित वैश्विक आतंकवादी (एसडीजीटी) की लिस्ट में डाल दिया है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने शुक्रवार को बयान जारी कर इसकी जानकारी दी। मार्को रुबियो ने बयान में लिखा, 'लश्कर-ए-तैयबा का एक मुखौटा और प्रॉक्सी, एफटीओ ने 22 अप्रैल, 2025 को भारत के पहलगाम में हुए हमले की जिम्मेदारी ली थी, जिसमें 26 नागरिक मारे गए थे। यह 2008 में मुंबई हमलों के बाद लश्कर का भारत में नागरिकों पर किया गया सबसे घातक हमला था।' 'एफटीओ ने भारतीय सुरक्षा बलों पर कई हमलों की जिम्मेदारी भी ली है, जिनमें 2024 का हमला भी शामिल है। अमेरिकी सरकार का यह फैसला राष्ट्रपति ट्रम्प के पहलगाम हमले के लिए न्याय का आह्वान है। यह कार्रवाई हमारे राष्ट्रीय सुरक्षा हितों की रक्षा और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई के प्रति ट्रम्प प्रशासन की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।' एफटीओ एक आतंकी संगठन है जो मुख्य रूप से जम्मू-कश्मीर में सक्रिय है। यह अक्सर ऐसे लोगों को भर्ती करता है जो आम नागरिकों जैसे दिखते हैं, लेकिन गुप्त रूप से आतंकी गतिविधियों में शामिल होते हैं। इन्हें हाइब्रिड आतंकवादी कहा जाता है। भारत सरकार ने 5 जनवरी, 2023 को एफटीओ को आतंकी संगठन घोषित किया था।विदेश मंत्री एस विदेश मंत्री मार्को रुबियो को धन्यवाद कि उन्होंने एफटीओ (लश्कर-ए-तैयबा का एक प्रॉक्सी संगठन) को विदेशी आतंकी संगठन (एफटीओ) और विशेष रूप से नामित वैश्विक आतंकी (एसडीजीटी) घोषित किया। एफटीओ ने 22 अप्रैल को पहलगाम हमले की जिम्मेदारी ली थी। आतंकवाद के लिए जीरो टॉलरेंस। एफटीओ लिस्ट में डालने के 2 बड़े मायने संगठन अमेरिका के लिए खतराः एफटीओ लिस्ट अमेरिका का एक कानूनी टूल है, जिसे अमेरिकी विदेश विभाग तैयार करता है। इस लिस्ट में उन आतंकी संगठनों को डाला जाता है जो अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा, विदेश नीति या नागरिकों के लिए खतरा माने जाते हैं। मदद करने पर कानूनी कार्रवाईः लिस्ट में शामिल व्यक्ति या संस्था को अगर कोई पैसे, हथियार या अन्य मदद देता है, तो यह गैरकानूनी माना जाता है। उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाती है।एसडीजीटी लिस्ट में डालने के 2 बड़े मायने आर्थिक प्रतिबंधः एसडीजीटी लिस्ट में नाम आने के बाद उस संगठन या व्यक्ति की अमेरिका में मौजूद सभी संपत्तियां जब्त कर ली जाती हैं। अमेरिकी नागरिकों और संस्थानों को उससे किसी भी तरह के लेनदेन की अनुमति नहीं होती। ग्लोबल वित्तीय नेटवर्क पर रोकः लिस्ट में शामिल होने पर संगठन की जुटाना, लेनदेन करना या आतंकवादी गतिविधियों के लिए फंडिंग करना मुश्किल हो जाता है। इससे दूसरे देश भी सतर्क हो जाते हैं और वे भी उस संगठन पर कार्रवाई करने लगते हैं।22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमला हुआ था। इसमें आतंकियों ने 26 पर्यटकों की जान ले ली थी। हमले के कुछ ही देर बाद एफटीओ ने घटना की जिम्मेदारी ली थी और बयान जारी कर कहा था कि भारत सरकार कश्मीर में मुस्लिमों को बहुसंख्यक से अल्पसंख्यक बना रही है। हालांकि 26 अप्रैल को टीआरएफ इससे मुकर गया था। संगठन के प्रवक्ता अहमद खालिद ने कहा था कि पहलगाम हमले के लिए टीआरएफ को जिम्मेदार ठहराना गलत है। खालिद ने कहा कि उनकी वेबसाइट को हैक कर लिया गया था। जम्मू-कश्मीर के आतंकी संगठनों में 'द रजिस्टेंस फ्रंट' (एफटीओ) नया नाम है। 2019 में जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल-370 हटाए जाने के बाद यह अस्तित्व में आया। भारत सरकार भी मानती है कि ये लश्कर-ए-तैयबा का प्रॉक्सी आतंकी संगठन है। ये आतंकी संगठन जवानों और आम नागरिकों की हत्या के अलावा सीमा पार से ड्रग्स और हथियार की तस्करी में शामिल रहा है। सुरक्षा मामलों के जानकार बताते हैं कि सीमा पार से आईएसआई हैंडलर्स ने ही लश्कर-ए-तैयबा की मदद से एफटीओ को खड़ा किया।

बीजेपी विधायक बोलीं-छांगुर बाबा के प्रजनांग काट देना चाहिएःये शरीयत मानते तो सजा भी वैसी मिले; ऐसे नर-पिशाच बेटियों को बर्बाद कर रहे

इंदौर। इंदौर के महू से भाजपा विधायक उषा ठाकुर ने उत्तर प्रदेश में धर्मांतरण रैकेट के आरोप में नहीं शरीयत को मानते हैं। ये लोग भारत के संविधान को नहीं मानते। ये कहते हैं कि वे अपनी 'शरीयत'

गिरफ्तार छांगुर बाबा पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि ऐसे आरोपी के हाथ-पैर काट देने चाहिए। इनके प्रजनांग भी काटने चाहिए। इतनी सख्त सजा दी जानी

चाहिए कि कोई फिर ऐसा दुस्साहस न करे। विधायक ने कहा कि जब तक इतनी सख्ती नहीं की जाएगी, तब तक ऐसे अपराध बंद नहीं होंगे। ऐसे नर पिशाच बेटियों की जिंदगी को बर्बाद कर रहे हैं, ये भारतीय संविधान को ताक में रखते हैं। विधायक उषा ठाकुर गुरुवार को एक बैठक में शामिल होने कलेक्टर कार्यालय आई थी। मीडिया के सवाल पर उन्होंने छांगुर बाबा को लेकर ये बातें कही। उषा ठाकुर ने लोगों से सतर्क रहने और ऐसे धोखेबाज लोगों के बहकावे में न आने की अपील की, जो आस्था के नाम पर जिंदगियां बर्बाद कर रहे हैं। शरीयत मानते हैं तो सजा भी वैसी ही मिलनी चाहिए विधायक उषा ठाकुर ने कहा- यूपी में एक छांगुर बाबा को पकड़ा गया है। हर वार्ड और विधानसभा क्षेत्र में ऐसे लोग मिलेंगे। नागरिकों को सतर्क रहना चाहिए और ऐसे व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने भोपाल में हुई लव जिहाद की घटना का जिक्र करते हुए कहा कि ये भारतीय संविधान मानते हैं। तो फिर सजा भी वैसी ही मिलनी चाहिए, इतनी कठोर कि वह एक उदाहरण बन जाए। लालच देकर धर्मांतरण के लिए उकसाने का आरोप उत्तर प्रदेश की एटीएस ने 5 जुलाई को छांगुर बाबा, उनकी सहयोगी नीतू उर्फ नसीरीन और दो अन्य लोगों को उत्तर प्रदेश अवैध धर्मांतरण प्रतिषेध अधिनियम, 2021 के तहत गिरफ्तार किया था। एफआईआर में बताया गया है कि यह गिरोह संगठित रूप से कार्य करता था और हिंदू व गैर-मुस्लिम समुदाय के लोगों को लालच, झूठे विवाह वादे और डराकर धर्मांतरण के लिए उकसाता था।अधिकारियों के मुताबिक छांगुर बाबा ने 'आस्था और आध्यात्मिक उपचार' के नाम पर काफी संपत्ति अर्जित की है और वह संविधान की मर्यादा से बाहर जाकर काम कर रहा था। जांच में उसके बैंक लेनदेन, संपत्तियां और संभावित विदेशी फंडिंग की भी पड़ताल की जा रही है।एफआईआर में उल्लेख है कि विधवा महिलाओं, मजदूरों और गरीब लोगों को टारगेट कर जबरन या लालच देकर धर्मांतरण कराया गया। एटीएस सूत्रों के अनुसार आरोपी योजनाबद्ध तरीके से कानूनी प्रक्रियाओं को दरकिनार कर अवैध रूप से धर्मांतरण करवा रहे थे।

भारत में बन रहा पहला ड्यूल स्टेल्थ ड्रोन,इस पर 'रामा' कवच, दुश्मन के राडार और इंफ्रारेड सिग्नल दोनों बेअसर होंगे

हैदराबाद। ऑपरेशन सिंदूर में रामा (राडार अब्सॉर्प्शन एंड रामा की बदौलत इन दोनों से बचता

भारत ने अपने हवाई रक्षा कवच का लोहा पूरी दुनिया में मनवाया। अब जल्द दुनिया हमारी एक और हवाई ताकत देखेगी। भारत दुनिया का पहला ड्यूल स्टेल्थ ड्रोन बना रहा है। यह दुश्मन के हाईरेज राडार और इंफ्रारेड सिग्नल्स से बचने के साथ ही सेकंड्स से भी कम समय में अटैक कर सकेगा।'रामा' खास स्वदेशी कोटिंग मटेरियल है, जो राडार और इंफ्रारेड की पहचान को 97फीसदी तक कम कर देता है। अभी सिर्फ अमेरिका, चीन और रूस के पास ही राडार से छुपने वाले स्टेल्थ ड्रोन हैं। ड्रोन को हैदराबाद की स्टार्टअप कंपनी वीरा डायनामिक्स और बिनफोर्ड रिसर्च लैब रक्षा मंत्रालय की मदद से तैयार कर रही है। कंपनी के सीईओ साई तेजा ने बताया कि मल्टीस्पेक्ट्रल अडैप्टिव) खास मटेरियल है, जो दुश्मन के राडार और इंफ्रारेड सिग्नल से पूरी तरह छुप सकता है। 2025 के आखिर तक रामा के साथ ड्रोन को नौसेना को सौंप सकते हैं।यह नैनोटेक आधारित स्टेल्थ कोटिंग हैं, जो राडार और इंफ्रारेड स्पेक्ट्रम में दृश्यता कम करती है। इसे पेंट या रैप के रूप में ड्रोन पर लगाते हैं। यह कार्बन पदार्थों का मिश्रण है, जो राडार तरंगों को अवशोषित करता है और ऊर्जा को ऊष्मा के रूप में नष्ट करता है। इससे तापीय संकेतक 1.5ष्ट सेल्सियस प्रति सेकंड कम हो जाते हैं। इसे वीरा डायनामिक्स ने बनाया है।जंग में दुश्मन सबसे पहले राडार से ड्रोन पकड़ते हैं, फिर इंफ्रारेड से निशाना लगाकर उसे गिराते हैं। हमारा ड्रोन है।जब 100 हमलावर ड्रोन भेजे जाते हैं, तो 25-30 ही लक्ष्य तक पहुंचते हैं। हमारे नए ड्रोन 80-85 लक्ष्य भेदेंगे। ड्रोन का वजन 100 किलो है। यह 50 किलो तक पेलोड ले जा सकते हैं।भारत ने गुरुवार को ओडिशा के चांदीपुर स्थित एकीकृत परीक्षण रेंज से कम दूरी की दो बैलिस्टिक मिसाइलों पृथ्वी-2 और अग्नि-1 का सफल परीक्षण किया। पृथ्वी-2 पूर्णतः स्वदेशी और 350 किलोमीटर तक सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइल है, जो 1 हजार टन पेलोड ले जा सकती है। इसी तरह 700 से 900 किमी दूर तक सटीक मार करने वाली अग्नि-1 मिसाइल 1 टन विस्फोटक ले जाने में सक्षम है। यह 2007 से भारतीय सेना के पास है।

मेटा से गलती हुई, लिखा- कर्नाटक सीएम नहीं रहे,सिद्धारमैया ने नाराजगी जताई, एक्स को लेटर भेजा- कन्नड़ से इंग्लिश ट्रांसलेशन बंद करें

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने सोशल मीडिया सिद्धारमैया एक्ट्रेस की तस्वीर पर फूल चढ़ा रहे थे। पोस्ट में लिखा-

कंपनी मेटा के ट्रांसलेशन फीचर पर आपत्ति जताई है। दरअसल 15 जुलाई को सिद्धारमैया ने एक्स पर एक्ट्रेस बी सरोजादेवी के निधन पर शोक संदेश पोस्ट किया था। यह पोस्ट कन्नड़ में किया गया था, पोस्ट पर ही इंग्लिश में ट्रांसलेशन का फीचर था। इसे क्लिक करने पर लिखा आया कि कर्नाटक सीएम का निधन हो गया है। सिद्धारमैया की तरफ से मेटा को लेटर भेजा गया। जिसमें कहा गया कि वे एक्स अपने कन्नड़ ऑटो-ट्रांसलेशन फीचर को तब तक के लिए बंद कर दें। जब तक वह तथ्यों को तोड़ना-मरोड़ना बंद करना नहीं सीख लेता।15 जुलाई को कर्नाटक सीएम ऑफिस की तरफ से एक्स पर एक पोस्ट किया गया था। जिसमें बेंगलुरु में मैंने बहुभाषी स्टार और एक्ट्रेस बी सरोजादेवी के पार्थिव शरीर के दर्शन करके उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की, जिनका कल निधन हो गया था। बी सरोजादेवी एक असाधारण अभिनेत्री थीं। उन्होंने कन्नड़, तमिल, तेलुगु और हिंदी फिल्मों में काम किया। हालांकि इस पोस्ट को ट्रांसलेशन करने में मेटा से गड़बड़ी हो गई।मेटा की इस गलती को लेकर कर्नाटक सीएम की तरफ से कंपनी को एक लेटर भेजा गया। सीएम के मीडिया सलाहकार के वी प्रभाकर ने लिखा, 'हमने इस बात पर चिंता जताई है कि कन्नड़ से अंग्रेजी में ऑटो ट्रांसलेशन अक्सर गलत होता है और कुछ मामलों में तो बेहद भ्रामक भी होता है।' प्रभाकर ने लिखा कि ऐसी गलतियां भ्रम पैदा कर सकती हैं, खासकर जब उनमें आधिकारिक बयान या सीएम या सरकार के महत्वपूर्ण संदेश शामिल हों। लोगों को यह अहसास नहीं होता कि वे जो पढ़ रहे हैं वह असली मैसेज के बजाय ऑटो ट्रांसलेशन से लिखा गया मैसेज है।एक्स अपने प्लेटफार्म पर कन्नड़ कंटेंट को ऑटो ट्रांसलेट करके तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश कर रहा है। इससे यूजर्स गुमराह हो रहे हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को जिम्मेदारी से काम करना चाहिए। मेटा से कन्नड़ ऑटो-ट्रांसलेशन पर तब तक रोक लगाने का भी आग्रह किया जब तक कि वह इसमें और सुधार नहीं कर लेता। हालांकि सीएम की आपत्ति दर्ज कराने के बाद मेटा ने ट्रांसलेशन में सुधार कर लिया।

प्रयागराज में सुल्तानपुर के सिंचाईकर्मी की ड्यूटी जाते समय मौत,बारिश के दौरान पेड़ की मोती डाल गिरी

प्रयागराज। गुरुवार सुबह बारिश और तेज हवा के बीच दर्दनाक हादसे में सिंचाई विभाग के एक कर्मचारी की एमएससी की पढ़ाई कर रही है। शनिवार को घर में रुद्राभिषेक का आयोजन था, जिसमें शामिल होने के

जान चली गई। गोविंदपुर स्थित कार्यालय में तैनात 53 वर्षीय अजय कुमार स्कूटी से ड्यूटी पर जा रहे थे, तभी कर्नलगंज के सदियाबाद चौराहे के पास अचानक एक पेड़ की सूखी डाल उनके ऊपर गिर पड़ी। गंभीर चोट लगने के कारण उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मूल रूप से सुल्तानपुर जिले के थनपतगंज ब्लॉक के कोरो गांव निवासी अजय कुमार, सिंचाई विभाग में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी थे। वह गोविंदपुर में विभागीय आवास में परिवार सहित रहते थे। एक माह पहले पत्नी और बेटा सुल्तानपुर लौट गए थे। एक बेटी की शादी हो चुकी थी, जबकि दूसरी बेटी सौम्या यहां रहकर लिए अजय और सौम्या को सुल्तानपुर जाना था।हादसे के वक्त अजय ड्यूटी पर जा रहे थे और मौसम खराब था। जैसे ही वह सदियाबाद चौराहे के पास पहुंचे, एक सूखी डाल तेज हवा में टूटकर उन पर गिर पड़ी। आसपास मौजूद लोगों ने उन्हें बेली अस्पताल पहुंचाया, लेकिन तब तक देर हो चुकी थी।घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। बेटी सौम्या अस्पताल पहुंचकर बेसुध हो गई। कर्नलगंज पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि पेड़ की डाल गिरने से हादसा हुआ है, आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

दूसरी बार बड़े हनुमानजी को स्नान करने पहुंची मां गंगा,रात 2 बजे के अंदर फिर से मंदिर में पहुंच गया पानी

प्रयागराज। संगम नगरी प्रयागराज में एक दिन बाद फिर कर दिया गया है। महंत बलवीर गिरि ने बताया कि जब तक मां

गंगा और यमुना के जलस्तर में वृद्धि शुरू हो गई है। कल ही सुबह बंधवा स्थित बड़े हनुमानजी मंदिर से पानी निकला था। इसके बाद मंदिर को श्रद्धालुओं के लिए दर्शन करने के लिए खोल दिया गया था। लेकिन देर रात 2.15 बजे फिर जलस्तर बढ़ा तो गंगा का पवित्र जल बड़े हनुमानजी मंदिर के अंदर प्रवेश कर गया। मंदिर के महंत बलवीर गिरि रात में मंदिर में मौजूद रहे। मंदिर का प्रवेश द्वार खोला गया और मंत्रोच्चार के साथ मां गंगा और यमुना का स्वागत किया गया। मंदिर में पूरा पानी भर जाने की वजह से मंदिर को पुनः बंद गंगा का जल मंदिर से बाहर नहीं निकल जाता है तब तक मंदिर का कपाट बंद रहेगा।चार दिन पहले ही जलस्तर बढ़ने से मां गंगा और यमुना बड़े हनुमानजी मंदिर में प्रवेश की थीं। बड़े हनुमानजी का स्नान हुआ था। उनके स्वागत में मंत्रोच्चार हुआ। आरती उतारी गई। लेकिन फिर जलस्तर कम होने से मंदिर के अंदर से पानी निकलने लगा था। लगा कि अब फिर मंदिर में पानी नहीं पहुंचेगा। लेकिन देर रात अचानक जलस्तर बढ़ा और मां गंगा और यमुना पुनः बड़े हनुमानजी को स्नान कराने के लिए पहुंच गईं।

रील बनाते समय छतनाग सोहम आश्रम घाट में डूबा युवक,दोस्तों के साथ नहाने आया था 21 साल का छात्र, तलाश जारी

प्रयागराज। झूंसी स्थित छतनाग सोहम आश्रम घाट पर एक दुखद

घटना सामने आई। यहां सोशल मीडिया के लिए रील बनाने के दौरान 21 वर्षीय छात्र गंगा में डूब गया। अल्कैफ नाम का यह युवक झूंसी के कोहना गांव का रहने वाला था। वह अपने दो दोस्तों के साथ गंगा में नहाने आया था। नदी के गहरे पानी में जाने से वह डूब गया। घाट पर मौजूद लोगों ने उसे बचाने का प्रयास किया। लेकिन गंगा की तेज धारा के कारण कोई आगे नहीं बढ़ पाया। अल्कैफ चार भाई-बहनों में तीसरे नंबर पर था और 12वीं का छात्र था। घटना की सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे। झूंसी पुलिस चौकी इंचार्ज दीपक जायसवाल ने गोताखोरों की टीम के साथ खोज अभियान शुरू किया। देर रात तक युवक का कोई पता नहीं चल सका।पुलिस ने बताया कि वर्तमान में गंगा का जलस्तर खतरे के निशान के करीब है। उन्होंने लोगों से सोशल मीडिया कंटेंट के लिए खतरनाक स्टंट न करने और सावधानी बरतने की अपील की है।

तेज हवा के साथ बारिश से सड़कों पर गिरे पेड़, कही रस्ते जाम कही गिरते पेड़ बने काल,बिजली ठप

प्रयागराज। प्रयागराज में पर पेड़ सड़कों पर गिर गए हैं, शहर के कई इलाकों में जलभराव

गुरुवार की सुबह से तेज हवा के साथ जोरदार बारिश हुई है। बारिश और तेज हवा के कारण शहर में काफी नुकसान हुआ है। कई जगहों जिससे यातायात प्रभावित हुआ है। शहर के कई इलाकों में बिजली व्यवस्था ठप हो गई है,बुधवार से हो रही लगातार बारिश के कारण की स्थिति बनी हुई है।नगर निगम पेड़ों को हटाने में लगा है और साथ ही जलभराव की स्थिति को नियंत्रित करने के प्रयास कर रहा है।

पीड़ित प्रतियोगी छात्रों का दर्द,बोले- कमरे तक पहुंच गया है पानी, प्रशासन से नहीं मिल रही कोई राहत

प्रयागराज। अभी बाढ़ प्रभावित पीड़ितों को कोई विशेष राहत नहीं मिली। गंगा से सटे इलाके सलोरी और छोटा बघाड़ा इलाके में 2 लाख से ज्यादा प्रतियोगी छात्र रहते हैं। इन प्रतियोगी छात्रों के लिए सबसे ज्यादा मुसीबत आ गई है। एक छोटे से कमरे में रहने वाले बड़ी संख्या में प्रतियोगी छात्र कमरा खाली कर सुरक्षित स्थानों पर जाने लगे हैं। प्रतियोगी छात्रों का कहना है कि प्रशासन की ओर से उन्हें कोई राहत नहीं मिल रही है।

यूपी में एमबीबीएस-बीडीएस में दाखिले का जानिए शेड्यूल,13 हजार से अधिक सीटों पर होगी काउंसलिंग, 30 सेंटर बनाए

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश में एमबीबीएस और बीडीएस कोर्सों में दाखिले के लिए नीट यूजी 2025 की काउंसलिंग प्रक्रिया का शेड्यूल गुरुवार को जारी कर दिया गया। मेडिकल एजुकेशन एंड ट्रेनिंग निदेशालय की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार, राज्य कोटे की 85फीसदी (13,244) सीटों पर दाखिले के लिए पहले चरण का ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन 18 जुलाई की दोपहर 2 बजे से शुरू होगा। रजिस्ट्रेशन 28 जुलाई सुबह 11 बजे तक किया जा सकेगा। इस बार काउंसलिंग की प्रक्रिया पूरी तरह डिजिटल प्लेटफॉर्म पर आधारित होगी, जिसमें अभ्यर्थियों को खुद ही अपनी योग्यता का मूल्यांकन कर रजिस्ट्रेशन करना होगा। रजिस्ट्रेशन फीस और सिक्योरिटी डिपॉजिट जमा करने की अंतिम तारीख भी 28 जुलाई की दोपहर 2 बजे तक तय की गई है।प्रदेश में 44 सरकारी मेडिकल कॉलेज और मेडिकल यूनिवर्सिटी में कुल 5,250 सीटें हैं। इसमें राज्य कोटे की 4,443 सीटों पर 18 जुलाई से काउंसलिंग शुरू हो रही है। जबकि 766 आल इंडिया और सेंट्रल पूल कोटे की 21 सीटों पर काउंसलिंग 30 जुलाई से नीट के माध्यम से होगी। 36 प्राइवेट मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस की 6600 सीटों पर भी काउंसलिंग 18 जुलाई से शुरू होगी। किंग जार्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी लखनऊ के डेंटल डिपार्टमेंट की 70 सीटों में राज्य कोटे की 51 सीटों पर भी काउंसलिंग 18 जुलाई से शुरू हो रही है। इसमें 9 सीटें आल इंडिया कोटे की और 10 सीटें सेंट्रल पूल कोटे की हैं। जबकि प्राइवेट क्षेत्र के डेंटल कॉलेजों की 2,150 सीटों की काउंसलिंग 18 जुलाई से शुरू हो रही है।सरकारी मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस के 4443 और ँअ की 51 सीटों पर दाखिला लेने वालों के डॉक्यूमेंट चेक करने के लिए 20 सेंटर बनाए गए हैं। इसमें केजीएमयू लखनऊ, लोहिया संस्थान, जीएसवीएम कानपुर,ऐसे मेडिकल कॉलेज आगरा, बीआरडी गोरखपुर, एमएलएन प्रयागराज, एमएलबी झांसी, एलएलआरएम मेरठ, आयुर्विज्ञान विवि इटावा, ग्रेटर नोएडा का नाम शामिल है। इसके साथ ही आजमगढ़, कन्नौज, शाहजहांपुर, बांदा, बदायूं, जालौन, अंबेडकर नगर, फिरोजाबाद, अयोध्या, फतेहपुर के मेडिकल कॉलेज में डॉक्यूमेंट चेक होंगे।निजी क्षेत्र के मेडिकल और डेंटल कॉलेजों में प्रवेश लेने वाले छात्रों की काउंसलिंग प्रक्रिया और डॉक्यूमेंट चेक करने के लिए 10 सेंटर बनाए गए हैं। हर सेंटर पर अलग-अलग निजी क्षेत्र के मेडिकल व डेंटल कॉलेज के छात्रों के डॉक्यूमेंट चेक होंगे। इन सेंटरों में केजीएमयू लखनऊ, राममनोहर लोहिया संस्थान, जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज कानपुर, ऐसे मेडिकल कॉलेज आगरा, एलएलआरएम मेडिकल कॉलेज मेरठ, एमएलएन मेडिकल कॉलेज प्रयागराज, बीआरडी मेडिकल कॉलेज गोरखपुर, राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान ग्रेटर नोएडा, बरेली इंटरनेशनल विवि, तीर्थांकर महावीर मेडिकल कॉलेज मुरादाबाद शामिल हैं। नीट यूजी 2025 की परीक्षा में सफल अभ्यर्थी ही काउंसलिंग में शामिल हो सकते हैं। प्रदेश के सरकारी मेडिकल और डेंटल कॉलेज में प्रवेश के लिए अभ्यर्थी को यूपी का मूल निवासी होना जरूरी है।ऐसे अभ्यर्थी जो हाईस्कूल और इंटर की परीक्षाएं यूपी से पास किए हों, उनके लिए निवासी प्रमाण पत्र आवश्यक नहीं है। पर ऐसे अभ्यर्थी, जो हाईस्कूल या इंटर में कोई एक या दोनों यूपी से बाहर पास किए हों, लेकिन यूपी के मूल निवासी हो। ऐसे अभ्यर्थी को यूपी शासन द्वारा जारी निवासी प्रमाण पत्र पेश करना अनिवार्य होगा।हालांकि निजी क्षेत्र के मेडिकल व डेंटल कॉलेजों में यूपी का मूल निवासी होना आवश्यक नहीं होगा। देश के किसी भी प्रदेश के अभ्यर्थी काउंसलिंग में शामिल हो सकते हैं।छह पाइंट में जानिए कहां कितनी फीस लगेगी? काउंसलिंग के लिए रजिस्ट्रेशन फीस 2 हजार रुपए। सरकारी मेडिकल व डेंटल कॉलेजों में काउंसलिंग के लिए जमानत राशि 30 हजार रुपए। निजी मेडिकल कॉलेजों में काउंसलिंग के लिए जमानत राशि 2 लाख रुपए। निजी डेंटल कॉलेजों में काउंसलिंग के लिए जमानत राशि 1 लाख रुपए। राजकीय व निजी दोनों क्षेत्र के मेडिकल व डेंटल कॉलेजों की सीटों पर काउंसलिंग की जमानत राशि 2 लाख रुपए। राजकीय व निजी दोनों क्षेत्र के डेंटल कॉलेजों की सीटों पर काउंसलिंग की जमानत राशि 1 लाख रुपए। इन दस्तावेजों का सत्यापन कराना होगा आवंटन पत्र की कॉपी।

नीट यूजी-2025 का प्रवेश पत्र व स्कोर कार्ड। हाईस्कूल व इंटरमीडिएट की मार्कशीट व प्रमाण पत्र। सामान्य निवासी प्रमाण पत्र यदि लागू हो तो। आरक्षण संबंधी प्रमाण पत्र। पहचान प्रमाण पत्र जैसे आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड व पासपोर्ट। प्रवेश के समय मूल अभिलेख और स्वप्रमाणित छाया प्रतियों को जमा करना अनिवार्य होगा।10 लाख का अनिवार्य शासकीय सेवा बॉन्ड भरना होगा। सरकारी मेडिकल व बीडीएस कॉलेजों में प्रवेश पाने वाले छात्रों से अनिवार्य शासकीय सेवा से संबंधित बॉन्ड भराया जाएगा। ये बॉन्ड दो वर्ष की अवधि के लिए होगा। इस बॉन्ड की धनराशि 10 लाख तय की गई। मतलब उन्हें महानगरों को छोड़कर अन्य जिलों में स्थापित राजकीय मेडिकल कॉलेजों में नॉन पीजी, जेआर के रूप में और चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अधीन पीएचसी केंद्र में संविदा चिकित्सा अधिकारी के रूप में सेवा देनी होगी।

दूध कारोबारी के दो 13 और 18 साल के बेटों पर हमला,एक की हालत गंभीर

प्रयागराज। नैनी कोतवाली क्षेत्र के माधवपुर पट्टी में दूध कारोबारी के दो बेटों पर हमला हुआ। घटना खरकौनी इलाके में हुई। पीड़ित अमन यादव (18) और अनुज यादव (13) अपने पिता अजय कुमार यादव के दूध व्यवसाय में मदद करते हैं। बृहस्पतिवार दोपहर को दोनों भाई गंजिया की तरफ गाय की तलाश में जा रहे थे। गंजिया चौराहे के पास आधा दर्जन से अधिक युवकों ने उन पर हमला कर दिया। हमलावरों ने लाठी, डंडे, फावड़े और पत्थरों से दोनों भाइयों को पीटा। पिता अजय यादव पहले अपने दोनों बेटों को जेल रोड पुलिस चौकी ले गए। वहां से कोई मदद न मिलने पर उन्होंने बच्चों को एसआरएन अस्पताल में भर्ती कराया। अमन की स्थिति गंभीर बताई जा रही है। पीड़ित परिवार ने आधा दर्जन लोगों के खिलाफ नामजद शिकायत दर्ज कराई है। इंस्पेक्टर नैनी बृज किशोर गौतम के अनुसार यह बच्चों के बीच विवाद का मामला है। पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नैनी में शिक्षक के घर चोरी,30 लाख के जेवरात और नकदी ले गए,लखनऊ गया था परिवार

प्रयागराज। नैनी के त्रिवेणी नगर मुक्ता विहार मोहल्ले में बीते मंगलवार को चोरों ने बंद मकान का ताला तोड़कर शिक्षक के घर से 30 हजार नकदी और करीब 30 लाख के जेवरात उठा ले गए। घटना की जानकारी होने पर घर वाले वापस लौटे और नैनी पुलिस को घटना की जानकारी दी। जिसके बाद मामले में पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल के मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू के दी है। नैनी त्रिवेणी नगर मोहल्ले में रहने वाले अरुण श्रीवास्तव शिक्षक है। उनकी पत्नी शिवानी श्रीवास्तव भी करछना में शिक्षक है। अरुण श्रीवास्तव के मुताबिक उनकी पत्नी की तबीयत खराब होने के कारण वह लखनऊ पत्नी का इलाज कराने के लिए गए हुए थे। उनके घर में ताला लगा हुआ था। घर में कोई भी नहीं था। बीते मंगलवार को चोरों ने मकान का मुख्य दरवाजा तोड़कर अंदर घुसे और पूरे घर को खंगाला। मकान के अंदर कमरे में रखे अलमारी में 30 हजार नकदी और सोने का हार, चेन, पायल, अंगूठी समेत करीब 30 लाख से अधिक के जेवरात उठा ले गए। सीटीवी फुटेज खंगाल रही है पुलिस पड़ोसियों ने जब उन्हें मकान का ताला टूटने की सूचना मिली तो वह वापस लौटे। घर के अंदर देखा तो सारे गहने और नकदी गायब थे। घटना की सूचना उन्होंने नैनी पुलिस को सूचना के दी । जिसके बाद पुलिस ने मामले में जांच पड़ताल करते हुए मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस आस पास लगे सीसीटीवी कैमरे को भी खंगाल रही है।

बिहार के शेखपुरा से हैकर्स ने किया साइबर फ्रॉड,यूपी कैबिनेट मंत्री की पत्नी के व्हाट्सएप से मांगे पैसे

प्रयागराज। प्रयागराज की पूर्व महापौर अभिलाषा गुप्ता के व्हाट्सएप अकाउंट को हैक कर साइबर अपराधियों ने उनके परिचितों से पैसे मांगे। साइबर थाना पुलिस ने जांच में आरोपियों के दोनों मोबाइल नंबरों को ट्रेस कर लिया है। जांच में पता चला है कि ये नंबर बिहार के शेखपुरा जिले के आसपास सक्रिय हैं। हैकर्स ने अभिलाषा गुप्ता के व्हाट्सएप से उनके परिचितों और शुभचिंतकों को पैसे भेजने के लिए मैसेज किए। कुछ लोगों ने जब अभिलाषा गुप्ता से इसकी पुष्टि की तो मामला सामने आया। इसके बाद पूर्व महापौर ने साइबर थाने में एफआईआर दर्ज कराई। पुलिस ने टेक्निकल सेल की मदद से हैकर्स के नंबरों की लोकेशन ट्रेस की। पुलिस का कहना है कि आरोपियों की पहचान कर ली गई है। जल्द ही उनकी गिरफ्तारी की जाएगी।

चित्रकूट के कैदी की नैनी जेल में मौत

प्रयागराज। नैनी सेंट्रल जेल में बंद 55 वर्षीय रामकेश की बृहस्पतिवार को मौत हो गई। चित्रकूट जिले के रैपुरा थाना क्षेत्र के भवरी गांव निवासी रामकेश हत्या के मामले में पिछले 13 वर्षों से सजा काट रहा था। बृहस्पतिवार को रामकेश की तबीयत अचानक बिगड़ गई। उसे पहले जेल अस्पताल ले जाया गया। फिर स्वरूप रानी नेहरू अस्पताल रेफर किया गया। वहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक की बेटी उर्मिला ने पोस्टमार्टम हाउस में बताया कि मंगलवार को ही उनके पिता से फोन पर बात हुई थी। उन्होंने सिर दर्द की शिकायत की थी। उर्मिला ने बताया कि उनके पिता की रिहाई मात्र आठ महीने में होनी थी। जेल प्रशासन के अनुसार मौत का कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट से स्पष्ट होगा। पुलिस और जेल प्रशासन ने नियमानुसार कार्रवाई करते हुए शव का पोस्टमार्टम कराया। शव परिजनों को सौंप दिया गया है। मामले की सूचना जिला प्रशासन को भी दी गई है।

रील बनाते समय किशोर गंगा में बहा,10 मिनट तक छटपटाता रहा, लोग वीडियो बनाते रहे

प्रयागराज। प्रयागराज में खतरे की रील बना रहा किशोर गंगा नदी में बह गया। 12वीं का छात्र दोस्तों के साथ गंगा नदी में नहाने गया था। गहरे पानी में जाकर रील बना रहा था। तभ अचानक डूबने लगा। करीब 10 मिनट तक बचाने के लिए चिल्लाता रहा। नदी में बचाने के लिए छटपटाता रहा। फिर तेज धार में बह गया। इस दौरान नदी किनारे खड़े लोग उसका वीडियो बनाते रहे, नदी के उफान को देखते हुए किसी ने भी किशोर को बचाने की हिम्मत नहीं की। दोस्तों की सूचना पर 30 मिनट बाद गोताखोर पहुंचे और तलाश शुरू की। देर शाम तक किशोर की तलाश की, लेकिन कुछ पता नहीं चला।घटना गुरुवार शाम झूंसी स्थित छतनाग सोहम आश्रम घाट की है। किशोर 12वीं में पढ़ता था। खतरों से भरी रील बनाने का शौकीन था। सूचना मिलने के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।झूंसी के कोहना गांव निवासी अल्कैफ (17) चार भाई-बहनों में तीसरे नंबर का था। वह पास के ही स्कूल में 12वीं में पढ़ता था। गुरुवार शाम 5 बजे वह अपने दो दोस्तों के साथ गंगा में छतनाग सोहम आश्रम घाट पर नहाने आया था। वह पानी के बीच खड़ा होकर रील बना रहा था। उसके दोस्त भी पास में ही नहा रहे थे। रील बनाते-बनाते अल्कैफ गहराई में चला गया।नदी में नहाते समय अचानक उसका पैर फिसल गया, जिससे तेज बहाव में वह फंस गया। वह बचाओ- बचाओ चिल्लाने लगा। लेकिन बहाव तेज होने के कारण घाट किनारे खड़े लोगों ने उसे बचाने की हिम्मत नहीं की। कुछ लोग उसके डूबने का वीडियो बनाते रहे। अल्कैफ के दोस्तों ने घाट पर मौजूद पुलिस को सूचना दी। साथ ही घर वालों को भी बताया। घटना की सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे। पुलिस ने गोताखोरों की मदद से किशोर की तलाश शुरू की। बहाव अधिक तेज होने के कारण उसका पता नहीं चल सका।झूंसी पुलिस चौकी इंचार्ज दीपक जायसवाल ने गोताखोरों की टीम के साथ खोज अभियान शुरू किया। देर रात तक किशोर का कोई पता नहीं चल सका था। सुबह से फिर से गोताखोर किशोर की तलाश में जुटे हैं। अभी तक उसका कोई पता नहीं चल सका है।पुलिस का कहना है कि अल्कैफ अक्सर रील बनाता था। उसका शौक खतरों से भरी रील बनाना था। जिसकी वजह से ही वह गंगा की गहराई में जाकर रील बना रहा था। तभी वह तेज बहाव में वह बह गया। पुलिस ने बताया कि वर्तमान में गंगा का जलस्तर खतरे के निशान के करीब है। लोगों से सोशल मीडिया कंटेंट के लिए खतरनाक स्टंट न करने और सावधानी बरतने की अपील की है।

डॉ. हेमंत समेत कई अधीक्षक जांच के घेरे में,प्रयागराज में चल रहा गलत तरीके से एचआरए व टीए-डीए लेने का मामला, डिप्टी सीएमओ जांच घेरे में

प्रयागराज। स्वास्थ्य विभाग में गलत तरीके से एचआरए और टीए-डीए लेने वाले एसीएमओ व तत्कालीन अधीक्षक डॉ. हेमंत सिंह जांच दायरे में हैं। सिर्फ डॉ. हेमंत ही नहीं बल्कि और भी अधीक्षक इस तरह की वित्तीय अनियमितता में शामिल हैं। हालांकि डॉ. हेमंत सिंह की शिकायत शासन-प्रशासन में हुई तो उनके खिलाफ जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मांदड़ ने जांच बैठा दी। इसके लिए तीन सदस्यीय टीम भी बना दी है जिसमें एडीएम सिटी सत्यम मिश्रा, सीटीओ प्रत्युष द्विवेदी और सीएमओ डॉ. एके तिवारी शामिल हैं। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एके तिवारी ने बताया कि जिलाधिकारी के निर्देश पर डॉ. हेमंत सिंह के खिलाफ जांच कमेटी बनी है। हम भी उसमें सदस्य हैं, जांच जल्द ही शुरू होगी। वहीं, इस संबंध में डिप्टी सीएमओ डॉ. हेमंत सिंह ने कुछ भी बोलने से इन्कार किया। उन्होंने कहा, जांच कमेटी जांच करेगी, हमारे बारे में चाका के लोगों से फीडबैक लिया जाना चाहिए। डॉ. हेमंत सिंह के पहले भी इसी तरह की वित्तीय अनियमिता की बात आई थी, जिसमें शासन से एक्शन भी हुआ था। वर्ष 2018 में सैदाबाद में डॉ. उदय प्रताप कुशवाहा अधीक्षक थे। उन्होंने एक ही दिन और एक ही टाइम में मेडिको लीगल किया था और सेम उसी टाइमिंग में उन्होंने टीए-डीए का भी बजट ले लिया था। मामला हाईलाइट हुआ। जांच कमेटी गठित हुई थी जिसमें डॉ. उदय प्रताप कुशवाहा दोषी भी पाए गए थे। इसके बाद उन्होंने खुद कोषागार में जाकर लिया हुआ बजट जमा कर दिया। इसके बाद उन्हें शासन स्तर से हटा कर फतेहपुर जनपद भेज दिया था। 5 वर्ष अब वह फिर प्रयाागराज के मांडा में तैनात हैं। डॉ. हेमंत सिंह 12-13 वर्षों से प्रयागराज में ही तैनात हैं। इसके पहले वह चाका सीएचसी पर वर्षों तक अधीक्षक रहे। संघ की पैरवी के बाद वह प्रयागराज के सीएमओ आफिस में बतौर डिप्टी सीएमओ बन गए। एक भाजपा नेता ने मुख्यमंत्री से शिकायत की। जिसमें कहा गया कि डॉ. हेमंत सिंह गैर संचारी बीमारी सेल व राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के नोडल हैं। हर बिल पर कमीशन मांगते हैं। शिकायत भी यह मांग की गई है डॉ. हेमंत सिंह से संबंधित बिल वाउचर की जांच करा ली जाए तो सब स्पष्ट हो जाएगा। वहीं, एक वरिष्ठ अधिवक्ता ने भी उच्चाधिकारियों से शिकायत की थी। जिसमें अधिवक्ता ने कहा था, डॉ. हेमंत सिंह चाका में अधीक्षक थे और एचआरए लेते रहे। ऐसा नहीं है कि डॉ. हेमंत सिंह के खिलाफ यह पहली बार जांच कमेटी हुई है। इसके पहले भी तत्कालीन मुख्य विकास अधिकारी गौरव कुमार ने इस मामले को गंभीरता से लिया था और उन्होंने जांच कमेटी भी गठित कर सीएमओ से जांच करने के आदेश दिया था। इसमें विभिन्न योजनाओं में वित्तीय अनियमितता किए जाने का मामला भी था। लेकिन विभागीय स्तर पर कोई जांच ही नहीं हो पाई थी। सीएमओ की ओर से कुछ नहीं नहीं किया गया। इस पर सीडीओ ने नाराजगी जाहिर करते हुए सीएमओ को दोबारा पत्र लिखकर जांच न करने का कारण भी पूछा था।

इलाहाबाद विश्वविद्यालय में स्नातक प्रवेश का बेहतरीन प्रदर्शन,दो दिन में 21 हजार रजिस्ट्रेशन, 7 हजार ने जमा की फीस

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय में स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है। पहले दो दिनों में ही 21,135 छात्रों ने ऑनलाइन पंजीकरण किया है। इनमें से 7,242 छात्रों ने पंजीकरण शुल्क जमा कर आवेदन सब्मिट कर दिया है।विश्वविद्यालय के 17 स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए पंजीकरण जारी है। प्रवेश प्रकोष्ठ के निदेशक प्रो. जे.के. पति के अनुसार, हर घंटे पंजीकरण की संख्या बढ़ रही है। प्रवेश प्रक्रिया दो चरणों में होगी। वर्तमान में प्रथम चरण चल रहा है। इसमें छात्र पंजीकरण और आवेदन फॉर्म भर रहे हैं। द्वितीय चरण 26 जुलाई के बाद शुरू होगा। इस चरण में छात्र अपने इच्छित पाठ्यक्रम का चयन कर सकेंगे।सभी प्रवेश प्रक्रियाएं पूरी तरह ऑनलाइन हो रही हैं। इससे छात्रों को घर बैठे फॉर्म भरने में सुविधा हो रही है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने छात्रों को समय से पंजीकरण और फॉर्म जमा करने की सलाह दी है। प्रवेश से जुड़ी सभी जानकारी विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर अपडेट की जा रही है। छात्रों को सलाह दी गई है कि वे पोर्टल पर नियमित रूप से जानकारी देखते रहें।

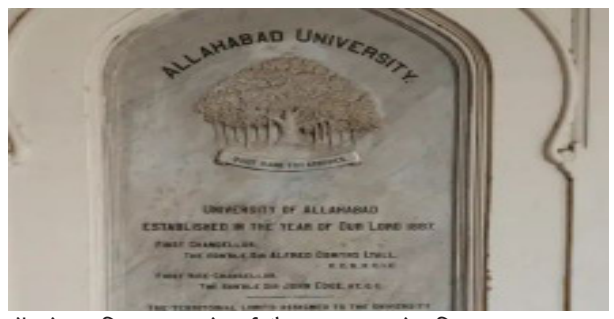

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे भूमि की पूर्व रजिस्ट्री जो मौजा रंगपुरा परगना व तहसील- सोरांव प्रयागराज स्थित आराजी संख्या 363/ख के जुज भाग क्षेत्रफल 63.2 वर्गमीटर से संबंधित है और श्रीमती सूर्यकली पत्नी रामचन्द्र के नाम थी वास्तव में कहीं खो गई है। उक्त रजिस्ट्रा मेरे द्वारा बेची/बंधक नहीं की गई है। उक्त के सम्बन्ध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन के 14 दिन के अन्दर नीचे लिखे पते पर आपत्ति दर्ज करायें।

श्रीमती श्वेता साहू, पत्नी धनन्जय कुमार
प्रद्युम्न श्रीवास्तव (एडवोकेट)
मो.- 9450596647

NOTICE

It is to inform that previous sale deed of my plot which belongs to Mauza Rangpura, Pargana wa Tehsil-Soraon Prayagraj "Arazi no. 363 kha Area 63.2 sq meter and in the name of Suryakali W/o Ram Chandra have lost by me. I have not sell/mortgage the same. If anyone having objection registered it address below within 14 days from the publication.

Smt. Shweta Sahu W/o Dhananjay Kumar
C/O - Pradumn Srivastava
Mob-945059664

त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन 2026 के अन्तर्गत निर्वाचक नामावली के वृहद पुनरीक्षण के लिए बैठक संपन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन 2026 निर्वाचक नामावली के वृहद पुनरीक्षण के लिए बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में हुई। बैठक की अध्यक्षता मुख्य विकास अधिकारी अर्पित उपाध्याय ने की। सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी विनायक शुक्ला ने मा0 राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा दिए गए निर्देशों की विस्तार से जानकारी दी। सहायक निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के दायित्व, कर्मचारियों, बूथ लेवल के कर्मचारी व पर्यवेक्षक की नियुक्ति आदि की भी जानकारी दी गयी। अपर जिलाधिकारी (प्र) सिद्धार्थ ने निर्देश दिया की तहसील और ब्लॉक स्तर पर कर्मचारियों की नियुक्त कर उनकी बैठक करा ली जाए। सभी उपजिलाधिकारी पंचायत चुनाव की गंभीरता को देखते हुए लगातार इस पर नजर बनाए रखेंगे। जिला सूचना विज्ञान अधिकारी ब्रजेश तिवारी ने बीएलओ मोबाइल ऐप के संचालन की विस्तृत जानकारी बैठक में दी। बैठक में अपर जिलाधिकारी (वि/रा) अमृता सिंह,ज्वाइंट मजिस्ट्रेट प्रफुल्ल शर्मा, सिटी मजिस्ट्रेट राम अवतार, सभी उप जिलाधिकारी,तहसीलदार, सभी खण्ड विकास अधिकारी, सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) सहित संबंधित विभाग के अधिकारी व कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

अंतरराष्ट्रीय युवा विकास सम्मेलन में सामाजिक कार्यकर्ता सावित्री चौधरी को मिला अंतरराष्ट्रीय सम्मान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। नोएडा हरियाणा के ऐलनाबाद में आयोजित अंतरराष्ट्रीय युवा विकास सम्मेलन जुलाई में देश-विदेश से आए युवाओं और समाजसेवियों की उपस्थिति में ग्रेटर नोएडा वेस्ट की सामाजिक कार्यकर्ता सावित्री चौधरी को उनके उत्कृष्ट सामाजिक योगदान के लिए अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। सावित्री चौधरी वर्षों से समाज सेवा में सक्रिय हैं और नेकी का डब्बा फाउंडेशन, इरादा फाउंडेशन ट्रस्ट, बचपन की यादें, दिल्ली नींव फोर्सेज तथा मातृशक्ति विश्व हिंदू महासंघ भारत जैसे संगठनों से जुड़कर जनसेवा का कार्य कर रही हैं। शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य और जरूरतमंदों की सहायता के लिए उनका समर्पण प्रशंसनीय है। सम्मेलन का आयोजन दिव्या युवा मंच के तत्वावधान में हुआ, जिसके संस्थापक सुभाष चौहान हैं। कार्यक्रम का उद्घाटन पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल ने किया। इस अवसर पर सावित्री जी ने अपने अनुभव साझा करते हुए युवाओं को सामाजिक सरोकारों से जुड़ने का संदेश दिया। यह सम्मान न केवल सावित्री जी की प्रतिबद्धता का प्रतीक है, बल्कि समाज सेवा के क्षेत्र में युवाओं को प्रेरणा भी प्रदान करता है।

कांग्रेस के नेताओं ने दी राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी के जन्मदिन पर बधाई

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। नोएडा उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी बागपत के कोऑर्डिनेटर सतेन्द्र शर्मा के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी के वरिष्ट नेता राज्यसभा सांसद मजदूर किसान की आवाज प्रमोद तिवारी का जन्मदिन उनके दिल्ली आवास पर बड़ी धूमधाम से मनाया उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य व नोएडा कांग्रेस नेता यतेन्द्र शर्मा ने बताया हमारे आदर्श प्रमोद तिवारी जी का जन्मदिन के अवसर पर उनके दिल्ली आवास पर माननीय प्रमोद तिवारी के जन्मदिन पर उनको पटका पहनाकर व पगड़ी बांधकर,गुलदस्ता लेकर जन्मदिन पर बधाई व शुभकामनाएं दी उनके दीर्घायु की कामना की राज्यसभा सांसद माननीय प्रमोद तिवारी जी ने सभी नेताओं का धन्यवाद किया इस मौके पर अल्पसंख्यक कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव हरियाणा के प्रभारी लियाकत चौधरी,बागपत के कोऑर्डिनेटर सतेन्द्र शर्मा,उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य नोएडा कांग्रेस नेता यतेन्द्र शर्मा,नोएडा,महानगर के महासचिव दयाशंकर पांडये,नोएडा महानगर कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष विक्रम चौधरी सहित कांग्रेस जन मौजूद रहे।

ओरिएंटल कप 2025 ने तीसरे सीज़न की घोषणा की,दिल्ली के स्कूल फुटबॉल इकोसिस्ट्म को दी नई ताक़त

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। उभरता हुआ स्कूल फुटबॉल टूर्नामेंट ओरिएंटल कप, जिसकी स्थापना खुद एक छात्र-खिलाड़ी फरीद बक्शी ने की थी, ने आज अपने तीसरे सीज़न की आधिकारिक घोषणा की। यह घोषणा एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान की गई। टूर्नामेंट का आयोजन 21 जुलाई से 29 जुलाई तक दिल्ली के प्रतिष्ठित डॉ. अंबेडकर स्टेडियम में होगा, जिसमें दिल्ली के विभिन्न स्कूलों की 36 टीमें हिस्सा लेंगी लड़कों की श्रेणी में 24 और लड़कियों की श्रेणी में 12 टीमें। टूर्नामेंट का उद्देश्य स्कूल स्तर पर समावेशी और संगठित फुटबॉल को बढ़ावा देना है। 2025 संस्करण तीन चरणों में आयोजित किया जाएगा क्वालीफायर राउंड, लीग चरण और फिर फ़ाइनल मुक़ाबले। टूर्नामेंट को टाइटल स्पॉन्सर ओरिएंटल स्ट्रक्चरल इंजीनियर्स का समर्थन प्राप्त है, वहीं निविया स्पोर्टस फुटबॉल पार्टनर और ओशन बेवरेजेस हाइड्रेशन पार्टनर के रूप में जुड़े हैं। ओरिएंटल कप धीरे-धीरे दिल्ली के स्कूल खेल कैलेंडर में एक अहम आयोजन के रूप में उभर रहा है। ओरिएंटल स्ट्रक्चरल इंजीनियर्स प्रा. लि. के मार्केटिंग कार्यकारी उपाध्यक्ष, गिष्णु कार्तिक श्रीधरन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'हम न केवल बुनियादी ढांचा बल्कि मजबूत समुदाय भी बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। ओरिएंटल कप को समर्थन देना हमारे लिए गर्व की बात है। हमें विश्वास है कि खेल जिम्मेदार और आत्म?विश्वासी नागरिकों के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, और यह देखकर खुशी होती है कि दिल्ली के युवा फुटबॉलर इस मंच का भरपूर लाभ उठा रहे हैं।' पिछले दो सीज़न सफलता पूर्वक आयोजित हो चुके हैं। वर्ष 2023 में एयर फ़ोर्स स्कूल, सुब्रोतो पार्क और 2024 में एपेक्स स्कूल ने लड़कों की ट्रॉफी अपने नाम की, जबकि लड़कियों की श्रेणी में संस्कृति स्कूल ने दोनों बार खिताब जीता है और अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। कार्यक्रम में बोलते हुए सह-संस्थापक फरीद बक्शी ने टूर्नामेंट की व्यापक दृष्टि पर प्रकाश डाला, 'ओरिएंटल कप सिर्फ़ प्रतियोगिता नहीं है। यह एक ऐसा मंच है जहाँ दिल्ली के स्कूल एथलीट खेलते हैं, सीखते हैं, और फुटबॉल के माध्यम से एक समुदाय का हिस्सा बनते हैं। हमें नई टीमों का स्वागत करने और इस विरासत को आगे बढ़ाने की खुशी है, जो हमने दो साल पहले शुरू की थी।' प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए दिल्ली सॉकर एसोसिएशन के उपाध्यक्ष रिज़वान- उल-हक़ ने इस टूर्नामेंट के बढ़ते प्रभाव की सराहना करते हुए कहा, 'दिल्ली सॉकर एसोसिएशन श्री फ़रीद बक्शी द्वारा तीन साल पहले शुरू किए गए इस स्कूल स्त्रीय फुटबॉल टूर्नामेंट की पहल की सराहना करता है। इसकी शुरुआत से अब तक, इस टूर्नामेंट ने हर वर्ष उल्लेखनीय प्रगति दिखाई है और यह दिल्ली के युवाओं के फुटबॉल विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। इस प्रकार की पहलें युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा और कौशल दिखाने के लिए एक मूल्यवान मंच प्रदान करती हैं।' आयोजकों ने दिल्ली के सभी छात्रों, कोचों और फुटबॉल प्रेमियों से आग्रह किया है कि वो टूर्नामेंट को समर्थन दें, अपनी स्कूल टीमों का उत्साहवर्धन करें, और इस बढ़ते आंदोलन का हिस्सा बनें जिसका उद्देश्य खेल भावना और प्रतिभा को बढ़ावा देना है।

आयकर विधेयक 2025 में सांसद अनुराग शर्मा के सुझाव को मिली अहम जगह

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) झाँसी। नई दिल्ली में संसद की चयन समिति ने आयकर विधेयक 2025 पर अपनी रिपोर्ट को सर्वसम्मति से मंजूरी दे दी है। यह रिपोर्ट आगामी मानसून सत्र के पहले दिन, सोमवार को संसद में प्रस्तुत की जाएगी। इस ऐतिहासिक प्रक्रिया में झांसी-ललितपुर लोकसभा क्षेत्र के लोकप्रिय सांसद एवं चयन समिति के सदस्य अनुराग शर्मा की भूमिका विशेष रूप से सराहनीय रही, जिन्होंने करदाताओं के हितों को ध्यान में रखते हुए अनेक महत्वपूर्ण सुझाव समिति के समक्ष रखे। सांसद अनुराग शर्मा ने कहा कि 'यह नया विधेयक कर प्रणाली को न केवल सरल बनाएगा, बल्कि तकनीकी प्रगति के अनुरूप अपडेट भी करेगा। डिजिटल माध्यमों से जांच की प्रक्रिया जरूरी है, लेकिन इसके साथ ही नागरिकों की निजता, पारदर्शिता और जवाब देही को सुनिश्चित करना भी उतना ही आवश्यक है।' चयन समिति के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ भाजपा सांसद बैजयंत पांडा ने समिति की बैठक के पश्चात कहा 'यह विधेयक ऐतिहासिक बदलाव लेकर आ रहा है, जो आयकर अधिनियम 1961 की जगह लेगा। समिति के सदस्यों ने पूरे विधेयक पर बारीकी से विचार किया और करीब 285 तकनीकी सुझाव पेश किए, जिनमें से अधिकांश को वित्त मंत्रालय ने स्वीकार किया है। हमारा उद्देश्य एक ऐसा कानून बनाना है जो नागरिकों के लिए स्पष्ट, तकनीकी रूप से समावेशी और भविष्य के लिए सक्षम हो।' समिति ने उस प्रावधान को भी यथावत रखा है जिसमें आयकर अधिकारी तलाशी या जब्ती की कार्रवाई के दौरान किसी भी 'कंप्यूटर सिस्टम या वर्चुअल डिजिटल स्पेस' तक पहुंच प्राप्त कर सकते हैं। इस प्रावधान को लेकर समिति में गंभीर चर्चा हुई। कई सदस्यों ने चिंता जताई कि इससे निजता के अधिकार का हनन हो सकता है और निजी डेटा के दुरुपयोग की संभावना भी बढ़ सकती है। इस पर वित्त मंत्रालय ने समिति को स्पष्ट किया कि इलेक्ट्रॉनिक सबूत जैसे वाट्सएप संदेश, ईमेल और डिजिटल लेन देन के रिकॉर्ड, कई बार जांच में निर्णायक भूमिका निभाते हैं। यदि करदाता स्वेच्छा से ये सूचनाएं साझा नहीं करते, तो निष्पक्ष जांच कठिन हो जाती है। मंत्रालय ने यह भी स्पष्ट किया कि कोई अतिरिक्त शक्ति नहीं दी गई है, बल्कि पहले से मौजूद प्रावधानों को तकनीकी रूप में स्पष्ट किया गया है। सरकार का लक्ष्य इस विधेयक को संसद से पारित कर 1 अप्रैल 2026 से लागू करना है, जिससे आयकर अधिनियम 1961 को पूरी तरह से प्रतिस्थापित किया जा सके। वर्तमान कानून में अब तक 65 बार संशोधन हो चुके हैं और करीब 4,000 बदलाव किए जा चुके हैं, जिससे यह जटिल हो गया है।

शिक्षा विभाग का एक और घोटाला उजागर-मामला व्योहारी का है

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) मध्य प्रदेश। शहडोल शिक्षा विभाग का एक और घोटाला उजागर-मामला व्योहारी का,अरविन्द और फूल सिंह मारपाची का धमाल,दर्ज

होगी एफआईआर या मिलेगा पुरूस्कार मामला डीईओ कार्यालय का,बिशेष सुचना - इस समाचार में लगाये गए बिल एआई जनरेटेड नहीं है बल्कि आरटीआई जनरेटेड है. शहडोल , जिला शिक्षा अधिकारी शहडोल जिले में रमसा योजना में सिविल कार्यों हेतु आए पैसों को दीमक की तरह चाट रहे, धन भक्षी प्रभारी डीईओ मारपाची के साथ संस्था के प्राचार्य की कारगुजारियों पर जितनी चर्चा हो कम है। लोग कहते है फूल सिंह मारपाची डीईओ एवं अरविंद पांडेय एपीसी आरएमएसए की जोड़ी जब से है तबसे सिर्फ भ्रस्टाचार ही हो रहा है। विगत 5 वर्षों में कई करोड़ का घोटाला हो चुका है।ताजा ताजा पेंट घोटाला आपने सुना ही होगा अब छोटा मामला 2022 में आयुक्त लोक शिक्षण संचनालय द्वारा उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय व्योहारी के लिए स्थापना एवं संचालन के लिए 272916/की राशि प्रदाय की गई थी। पूरी राशि का बंदरबाट कर फूल सिंह डकार गए एवं तत्कालीन प्राचार्य को दबाव देकर सभी बिल में हस्ताक्षर कराकर ट्रेजरी से आदेश क्र लेखा/2022/4866 दिनांक 29.12.2022 द्वारा पूरी राशि निकाल लिए न नोटशीट न फ़ाइल, चर्चा है कि अरविंद पांडेय एपीसी आरएमएसए ही कार्यालय चलाते है,लेकिन अपने हस्ताक्षर नही करते फूल सिंह मारपाची ही सब फ़र्ज़ी बिल पर हस्ताक्षर करते है, हालाकि हम इसकी पुष्टि नही करते? अब आते है मामले पर जिसके सारे प्रमाण संलग्न है एवं अपराध भी प्रमाणित है -उत्कृष्ट उ.मा.विद्यालय व्योहारी में

कार्यालय से ही फ़र्ज़ी बिल बनाये गए विष्णु प्रसाद पटेल के नाम से बिल न. 1220, 1260, 1270, 1280,1310,1316 जिनकी कुल राशि 91215.00 होती है। यह बात अलग है कि मारपाची को जोड़ना भी नही आता उसने जोड़ा 92215.00 एवं इतने का ही भुगतान किया, खरीद क्या दिखाई 9000 इलाहाबादी चिमनी ईंटा, 7 घन मीटर 20 एमएम गिट्टी, 20 घनमीटर रेत, 20 घन मीटर मुरूम, सामग्री विद्यालय नही पहुची , काम नही हुआ बिल निकल गया?

अच्छी सोच के साथ शहर का विकास में सहभागी बने व्यापारी, अतिक्रमण एवं सड़कों का जाम शहर की बड़ी समस्याः श्रीकांत चतुर्वेदी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) मैहर। मैहर नगर के विकास और सौंदर्यकरण एवं चल रहे डेवलपमेंट कार्यों को लेकर के मैहर विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी जी आज होटल सिद्धार्थ इन में व्यापारी संघ के सभी पदाधिकारी एवं व्यापारियों के साथ संयुक्त बैठक की इस बैठक में उपस्थित व्यापारी जनों से उनकी राय पर विचार विमर्श किया गया इसके साथ ही मैहर विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी ने अपनी ऊंची सोच के साथ नगर को सौंदर्यीकरण और डेवलप करने के बाद को लेकर विस्तार से चर्चा की जिस पर मैहर विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी ने कहा कि जब हम सड़कों से गुजरते हैं तो सड़कों पर लगे ठेले और लावारिस खड़े वाहन जाम के झाम का कारण बनता जा रहा है अब हमारा मैहर जिला बन गया है पहले यह तहसील था और अब प्रतिदिन आवा गमन और मार्केट में व्यापार बढ़ रहा है लेकिन अतिक्रमण और सड़कों का जाम शहर की सुंदरीकरण पर ग्रहण लगा रहा है स्वच्छता केवल नाम के लिए रह गई है इसके साथ ही नगर में चल रहे सीवर लाइन प्रोजेक्ट सड़कों का निर्माण कार्य तेजी से किया जा रहा है जिसके चलते नगर में काफी कुछ लोगों को समस्या भी हो रही है लेकिन देखा जाए तो निर्माण कार्य पूरा होते हुए शहर की सुंदरता और चौड़ी सड़कों से लोगों को

राहत भी मिलेगी इतना ही नहीं नगर के मुख्य चौराहों पर सड़कों पर से अतिक्रमण हटाना अति आवश्यक है लेकिन उन व्यापारियों के लिए हमने चौपाटी और विस्थापित जैसी व्यवस्था पहले से तैयार कर ली गई है लेकिन कुछ लोगों द्वारा व्यापारियों को बहका कर उकसाया जा रहा है जिससे लोग चौपाटी पर नहीं जाना चाह रहे हैं और सड़कों पर ही दुकान लगाने की हट कर रहे हैं जो शहर और शहर वासियों के लिए उचित नहीं है इसीलिए सभी को अच्छे मन से एक जुट होकर नगर की सुंदरता और स्वच्छता बनाने के लिए अच्छे मन से सहयोग करना चाहिए श्रीकांत चतुर्वेदी ने कहा कि अतिक्रमण के मामले को लेकर के हमारे मैहर से ही कुछ लोग माननीय सतना सांसद गणेश सिंह को गुमराह करने का काम करते हैं लेकिन देखा जाए तो यह लोग केवल अपने हित की बात करने के लिए सतना सांसद गणेश सिंह जी के कान भरने का काम कर रहे हैं लेकिन देखा जाए तो हमने जो लक्ष्य मैहर जिले को डेवलप करने का लिया है उसे हर हाल में पूरा करेंगे हमने कम से कम समय पर आज मैहर जिले को विस्तृत विस्तार से बढ़ाने का काम कर लिया है आज हमारे यहां जिले के लगभग सभी मुख्यालय खुल चुके हैं और उसके साथ ही नगर वासियों को उसका लाभ भी मिल रहा है जल्द ही कलेक्ट्रेट भवन और अन्य विभाग अधिकारियों के भवन निर्माण के साथ तेजी से नगर के विकास की शुरुआत होगी इतना ही नहीं मां शारदा देवी मंदिर दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं को मां शारदा लोक के माध्यम से भव्य दर्शन और एक सुंदर धाम का दर्शन करने का लाभ भी मिलेगा मां शारदा लोक बन जाने के बाद से ही यहां आने वाले श्रद्धालुओं की आवागमन में ईजाफा होगा जिससे नगर का व्यापार और व्यवसाय भी लगभग 40फीसदी और बढ़ जाएगा जिसका सीधा लाभ यही के फूटपाती व्यापारी और बड़े दुकानदार व्यापारियों को होगा लेकिन इन सब चीजों को विस्तृत करने के लिए एक बार हम सबको अच्छे मन से नगर के विकास में अपना सहयोग देना पड़ेगा श्री चतुर्वेदी ने कहा कि आज जब हम एक साथ मिलजुल कर मैहर जिले को चौधरी कारण में सहयोग प्रदान करेंगे तो मेरा वादा है कि सतना से भी आगे मैहर जिले का नाम होगा और प्रदेश में अपनी एक अलग पहचान बनाएगा हमारे मैहर जिले में पर्याप्त जगह है जहां पर सारे विभागों के अधिकारी और कार्यालय को खोलना जाएगे साथ ही व्यापारियों के लिए भी सुसज्जित बाजार और स्थान चिन्हित किया गया है। इसके साथ ही व्यापारियों ने भी अपने बाजार में ठेला व्यापारी और फूटपाती दुकानदारों के अतिक्रमण के मामले को लेकर मैहर विधायक से अतिक्रमण हटाने की बात कही है और जल्दी अतिक्रमण हटाकर फुटपाथ ठेला व्यवसायियों को चौपाटी एवं फूटपाती व्यावसायिक स्थलों पर स्थापित करने का काम किया जाएगा इस अवसर पर अशोक चौबे नितिन ताम्रकार सतविंदर सिंह संतोष सोनी रामचंद सोनी एवं समस्त स्थानीय व्यापारी व्यवसाय व सभी सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

जीएल बजाज में पीजीडीएम प्रथम वर्ष के छात्रों हेतु 'कैम्पस टू प्लेसमेंट' पर विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा स्थित जीएल बजाज इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च में पीजीडीएम प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के ओरिएंटेशन कार्यक्रम के अंतर्गत एक प्रेरणादायक विशेषज्ञ सत्र का आयोजन किया गया। इस सत्र की मुख्य वक्ता रहीं सुश्री हीना धमीजा, एचआर हेड, रिलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड, जिन्होंने 'कैम्पस टू प्लेसमेंट' विषय पर छात्रों का मार्गदर्शन किया। उन्होंने अपने गहन कॉर्पोरेट अनुभवों के आधार पर यह बताया कि कैसे विद्यार्थी शिक्षा से करियर की ओर सफलतापूर्वक बढ़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि केवल विषय ज्ञान पर्याप्त नहीं है आज के प्रतिस्पर्धी वातावरण में संवाद कौशल, अनुकूलनशीलता और टीमवर्क जैसे गुण अत्यंत आवश्यक हैं। सुश्री धमीजा ने यह भी बताया कि कॉर्पोरेट जगत में अनुशासन, सकारात्मक दृष्टिकोण और संस्थागत संस्कृति के अनुरूप कार्य करने की क्षमता अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। सत्र के अंत में एक संवादात्मक प्रश्नोत्तर सत्र भी आयोजित हुआ, जिसमें छात्रों ने प्रमाणपत्र पाठ्यक्रमों की महत्ता पर प्रश्न किए। सुश्री धमीजा ने उन्हें वित्त, डिजिटल मार्केटिंग, एनालिटिक्स और एचआर जैसे क्षेत्रों में इंडस्ट्री-सर्टिफाइड कोर्सेज़ करने की सलाह दी।इस अवसर पर संस्थान की निदेशक डॉ. सपना राकेश ने कहा, 'हमारा उद्देश्य छात्रों को शैक्षणिक ही नहीं, व्यावसायिक रूप से भी सक्षम बनाना है। ऐसे सत्र उनके दृष्टिकोण को व्यापक बनाते हैं। हम सुश्री हीना धमीजा का आभार व्यक्त करते हैं।' जी.एल.बजाज एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस के उपाध्यक्ष श्री पंकज अग्रवाल जी ने कहा, 'संस्थान हमेशा उद्योग और शिक्षा के बीच की खाई को पाटने के लिए प्रतिबद्ध है। छात्रों को इस प्रकार के लाइव अनुभव देना हमारे विज़न का अभिन्न हिस्सा है।' इस सफल आयोजन के फैकल्टी कोऑर्डिनेटर डॉ. भावना भारद्वाज और डॉ. मनु प्रिया रहीं, जिनके कुशल संयोजन में यह सत्र संपन्न हुआ। कार्यक्रम के अंत में सीआरसी प्रमुख सुश्री ऋतु टंडन ने सभी प्रतिभागियों और अतिथि वक्ता का धन्यवाद ज्ञापित किया।

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना के क्रियान्वयन हेतु जिलाधिकारी ने बैंकर्स के साथ की बैठक,योजना के क्रियान्वयन में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होगी क्षम्य

जिला उद्योग केंद्र एवं संबंधित विभाग योजना में अधिक से अधिक आवेदन करने की करें करवाई : डीएम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट कार्यालय कक्ष में बैंकर्स एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने अवगत कराया कि शासन स्तर से इस योजना के अंतर्गत जिले का लक्ष्य बढ़ा दिया गया है। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि बढ़े हुए लक्ष्य के अनुरूप कार्यवाही सुनिश्चित की जाए और समयबद्ध ढंग से पात्र लाभार्थियों को योजना का लाभ उपलब्ध कराया जाए। जिलाधिकारी ने बैंक प्रतिनिधियों से कहा कि योजना के अंतर्गत प्राप्त सभी आवेदनों का शीघ्र निस्तारण करते हुए ऋण स्वीकृति की प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि वे बैंकर्स के साथ बेहतर समन्वय बनाते हुए लाभार्थियों की सूची तैयार करें और स्वीकृतियों की प्रक्रिया को गति दें। उन्होंने यह भी कहा कि यह योजना प्रदेश के युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने की एक महत्वपूर्ण कड़ी है, अतः इसके क्रियान्वयन में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। शासन द्वारा निर्धारित लक्ष्य को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण किया जाना आवश्यक है।जिलाधिकारी ने उपायुक्त उद्योग एवं बैंकर्स प्रतिनिधियों से कहा कि योजना में निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप आवेदन करने हेतु कैंप का आयोजन करते हुए अधिक से अधिक युवाओं के इस योजना में आवेदन करायें एवं बैंक तथा संबंधित विभागों के अधिकारीगण आपसी समन्वय स्थापित करते हुए अधिक से अधिक आवेदनों को स्वीकृत करते हुए पात्र अभ्यर्थियों को ऋण वितरण करने की कार्रवाई सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने उपायुक्त उद्योग को निर्देशित किया कि जो बैंकर्स बैठक में उपस्थित नहीं हुए उन सभी प्रतिनिधियों को लेकर अलग से जूम ऐप माध्यम से बैठक करायी जायें।बैठक में उपायुक्त उद्योग अनिल कुमार, एलडीएम, बैंक प्रतिनिधि तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

एक दर्जन गाओ में चला पौध रोपण अभियानःसंदीप मिश्रा,पेड़ हैं तो प्राण हैं के संयोजक ने शुरू किया मुहिम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। सदर विधानसभा 401 वरिष्ठ अधिवक्ता सुधीष पाण्डेय के स्मृति में पेड़ लगाया गया व बूथ को डिएपी दिलवाने का आग्रह किया। वही श्री मिश्रा ने कहा

में पेड़ हैं तो प्राण हैं के संयोजक संदीप मिश्रा ने बताया कि विधानसभा के बूथ संख्या एक से लिया गया संकल्प कि सदर विधानसभा के हर बूथ पर पेड़ लगाकर लोगों को पेड़ हैं तो प्राण हैं के अभियान के तहत जागरुक किया जायेगा। उसी क्रम में गुरुवार को विधानसभा के मरकरी बूथ पर डुमरिया बूथ नेवारी व बूथ चन्द्रपुरवा पर पेड़ लगाया गया व हर बूथ पर विधानसभा के अन्नदाता भाईयों ने बताया कि खेती बारी का सीजन शुरू हो गया है और हम लोगों को डिएपी दिलवाईये इसी क्रम में किसान हित को देखते हुए युवा समाज सेवी संदीप मिश्र ने जिलाधिकारी से फोन पर वार्ता कर जल्द से जल्द किसानो कि जिले के लगभग सभी साधन सरकारी समिति पर खाद आई हुई है संपर्क कर किसान भाई सरलता पूर्वक उर्वरक उपलब्ध करें। इस मौके पर आकाश चौहान सत्रुधन बिन्द विजय चौहान धीरज कनौजिया चन्दर जैसवाल पृथ्वी पासवान बरमतिया प्रजापति बालगोविन्द बिन् साथ रहे।

ऊम्भा कांड के छठी बरसी पर भी प्रशासन ने ग्रामीणों को घटनास्थल पर जाने से रोका-राम राज

11 आदिवासियों की शहादत पर ग्रामीणों ने किया उनको याद,विवादित जमीन का अभी तक नहीं हो पाया है निस्तारण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। घोरावल विधानसभा के ऊम्भा गांव में आज के 6 साल पूर्व जाने लगे तब उपजिलाधिकारी घोरावल के साथ पुलिस प्रशासन ने रास्ते में सभी को रोक दिया है और यह कब तक होगा इस पर अगर जिला प्रशासन अपना रवैया स्पष्ट नहीं कर रही है तो या पूरी

हुई नरसंहार की घटना जिसमें , अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी घटना को संज्ञान में लेते हुए सर्वप्रथम आने को तैयार हुई ,जिसमे उनकी गिरफ्तारी कर उन्हें चुनार में कैद किया गया और यह घटना राष्ट्रीय पटल पर भी चली ।उसकी बरसी के मौके पर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रामराज सिंह गौड़ के अध्यक्षता में ग्रामीण/आदिवासियों द्वारा मृतक आदिवासियों को श्रद्धांजलि हेतु कार्यक्रम जो हर वर्ष किया जाता है उसी के तहत गांव में सभी लोग इकट्ठा हुए ,लेकिन हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी पुलिस प्रशासन /उप जिलाधिकारी द्वारा घटनास्थल पर जाने वाले रास्ते की बेरिकेटिंग कर व प्रशासन को जगह-जगह खड़ा किया गया था । श्रद्धांजलि स्थल के पास में भी भारी मात्रा में पुलिस बल तैनात था ,जब जिला अध्यक्ष रामराज सिंह गोड़ के नेतृत्व में लोग घटनास्थल पर श्रद्धांजलि देने हेतु और वहीं पर ज्ञापन लिया ,जिला अध्यक्ष रामराज सिंह गौड़ ने कहा कि पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी केवल आश्वासन ही मिलेगा क्योंकि जहां पिछले वर्ष जमीन के मामले पर उपजिलाधिकारी ने आश्वासन दिया था कि निस्तारण हो जाएगा, बिजली की समस्या व नेटवर्क की समस्या पर उन्होंने अपनी बात कही थी लेकिन आज तक उस पर काम नहीं हो पाया है , वर्तमान सरकार द्वारा केवल आस्वासन पर कार्य किया जा रहा है यह सरकार गरीब /आदिवासियों की विरोधी है ।कार्यक्रम में उपस्थित उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य आशुतोष कुमार दुबे (आशु) ने कहा कि कि जहां एक और 5उ नेटवर्क की बात होती है वहां सोनभद्र जैसा जिला जो उत्तर प्रदेश को भारी मात्रा में राजस्व देता है वहां ऊम्भा जैसे जगह पर जहाँ नरसंहार कांड के बाद चौकी का निर्माण किया गया ,आज तक अगर नेटवर्क सुविधा नहीं है तो उसका जिम्मेदार कौन तरीके से संदेहात्मक है ,वास्तव में दलित, आदिवासियों ,पिछड़ों ,व्यापारयों,किसानों, आम जनमानस के अगर कोई आवाज है तो केवल कांग्रेस है यह कहना कत्तई गलत नहीं होगा ।कार्यक्रम में उपस्थित ब्लॉक अध्यक्ष लल्लू राम पांडेय ने भी कहा कि यह घोरावल की घटना छोटी-मोटी घटना नहीं है लेकिन उनकी जो व्यवस्थाएं नहीं हो पा रही हैं यह इन गरीब आदिवासियों के साथ बहुत गलत हो रहा है ।कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित रहने वालों मे एनएसयूआई की जिला अध्यक्ष अंशु गुप्ता ,सोशल आउटरीच डिपार्टमेंट के जिला अध्यक्ष सुशील राव ,नंदलाल गौड़, बाबुन्दर गोड़ ,अनीता देवी, अतवारी ,शांति गोड़,पुष्पा देवी, लाल देई , नागेंद्र गौड़ ,रामकुमार गोड़,रामपाल सिंह गोड़,युवा नेता राजन पांडेय, रोहित भारती, रामपति गोड़,संतलाल गोड़, बसंत लाल गोड़, बाबुन्दर गोड़ , अनिल कुमार गोड़, इंद्र कुमार गोड़ ,राम सिंह गोड़ ,रविंदर गोड़ के साथ सैकड़ो की संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

महिला सुरक्षा व सशक्तिकरण हेतु मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत जनपदीय पुलिस द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं को किया गया जागरूक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। उत्तर प्रदेश सरकार

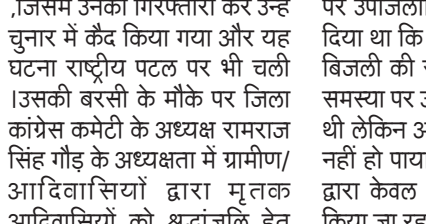

द्वारा संचालित 'मिशन शक्ति फेज-5.0' के तहत महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान व स्वावलंबन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से दिनांक 18 जुलाई 2025 को पुलिस अधीक्षक सोनभद्र श्री अशोक कुमार मीणा के निर्देशन में जनपद के सभी थानों पर गठित मिशन शक्ति टीमों एवं एंटी रोमियो स्क्वॉड द्वारा व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान के अंतर्गत महिला पुलिसकर्मियों तथा मिशन शक्ति टीमों ने अपने-अपने थाना क्षेत्रों के प्रमुख बाजारों, कस्बों, शिक्षण संस्थानों, चौराहों, धार्मिक स्थलों एवं अन्य भीड़-भाड़ वाले सार्वजनिक स्थलों पर जाकर महिलाओं व बालिकाओं को उनके अधिकारों, कल्याणकारी योजनाओं और सुरक्षा संसाधनों के प्रति जागरूक किया।प्रमुख बिंदु- महिला सशक्तिकरण से जुड़ी प्रमुख योजनाओं की जानकारी दी गईः- मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, राष्ट्रीय पोषण मिशन, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना,बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना,प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत योजना। महिला सुरक्षा हेतु हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई एवं पंपलेट वितरित किए गएः- वीमेन पावर लाइन - 1090, महिला हेल्पलाइन - 181, पुलिस आपात सेवा - 112, सीएम हेल्पलाइन - 1076, स्वास्थ्य सेवा - 102, एम्बुलेंस - 108, साइबर हेल्पलाइन - 1930. सहभागिता एवं संवादः- अभियान के दौरान महिला पुलिसकर्मियों ने आमजन विशेषकर युवतियों एवं महिलाओं से सीधा संवाद स्थापित कर उन्हें यह संदेश दिया कि किसी भी प्रकार की असुविधा या उत्पीड़न की स्थिति में वे निःसंकोच पुलिस से संपर्क करें। उपस्थित नागरिकों ने पुलिस की इस पहल की सराहना की और ऐसे कार्यक्रमों को नियमित रूप से आयोजित किए जाने की मांग भी की। जनपद पुलिस की प्रतिबद्धताः- जनपद सोनभद्र पुलिस द्वारा यह जागरूकता अभियान मिशन शक्ति के तहत निरंतर जारी रहेगा, ताकि समाज में महिला सुरक्षा को लेकर सकारात्मक वातावरण एवं जनसहभागिता को और अधिक सशक्त बनाया जा सके।

स्कूलों को बंद किए जाने के विरुद्ध माकपा का विरोध,माकपा जिला मंत्री के नेतृत्व में मुख्यमंत्री नामित ज्ञापन बीएसए प्रतिनिधि को सौंपा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र । नन्दलाल आर्य जिला दूषित वातावरण में दूर जाकर शिक्षा ग्रहण करना अत्यधिक विरोधी नीतियों के तरफ़ खींचना चाहा है। जनपद सोनभद्र में भी लगभग

मंत्री सीपीआईएम माकपा ने कहा कि उत्तर प्रदेश में पांच हजार से ज्यादा प्राथमिक विद्यालयों का विलय जो वास्तव में विद्यालयों की बंदी है,को भारत की कम्युनिस्ट पार्टी पार्टी (मार्क्सवादी) माकपा, एक जन विरोधी कदम मानती है । इससे उन विद्यालयों में शिक्षा प्राप्त कर रहे छात्र-छात्राएं शिक्षा से वंचित होंगे,छोटे-छोटे बच्चे बच्चियों को नजदीकीय विद्यालय जो एक किमी से तीन किमी के अंदर हो, शिक्षा प्राप्त करने का अधिकार है। बंदी के बाद यह दूरी तो बढ़ेगी ही, इसके साथ असुरक्षा भी बढ़ जाएगी। खास कर बच्चियों को , आज के खतरनाक हो सकता है। आने जाने का खर्चा तो बढ़ेगा ही, संरक्षकों को उन पर अपना कीमती समय जाया करना अनिवार्य हो जाएगा। सरकार के इस कदम से आम जनता में भारी आक्रोश है। सरकार को मर्जर के सापेक्ष उनकी शिक्षा में गुणात्मक सुधार हेतु कदम उठाने थे। वैज्ञानिक पाठ्यक्रमों को समाहित किया जाना था पर ऐसा हुआ नहीं। हमारी पार्टी भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) माकपा ने गुरुवार को संपूर्ण उत्तर प्रदेश में धरना प्रदर्शन कर ज्ञापन के माध्यम से योगी की सरकार का ध्यान उनके जन विरोधी और शिक्षा 84 स्कूलों को बंद करने का सूची तैयार कर उसमें लगभग 65 - 66 विद्यालयों को बंद कर मर्ज किया जा चुका है जिससे बच्चों और अभिभावकों के सामने समस्या खड़ा किया जा चुका है। आगे और तैयारी है । ऐसा सिलसिला पूरे प्रदेश में चल रहा है ऐसी स्थिति में सरकार अपने जनविरोधी नीतियों को वापस कर सभी मर्ज किए गए विद्यालयों को पुनः स्थास्थित नहीं किया गया तो पार्टी आने वाले दिनों में प्रदेश के अंदर बड़ा आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी। प्रतिनिधि मण्डल में नन्दलाल आर्य जिला मंत्री सीपीआईएम माकपा, पुरुषोत्तम मंत्री परिषद सदस्य, हनुमान प्रसाद और माथुर प्रसाद मौजूद रहे।

विस्तारित वार्डों में नपा अध्यक्ष ने किया इलेक्ट्रिक लाइट वितरण,40 , 40 इलेक्ट्रिक लाइट 15 वार्डों में लगाए जाएंगे

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। नगर पालिका क्षेत्र के आवश्यकता अनुसार इलेक्ट्रिक लाइट लगवाने का काम करेंगे अथवा

विस्तारित क्षेत्र के जुड़े हुए वार्डों में 40 ,40 इलेक्ट्रिक लाइट वितरण कार्यक्रम गुरुवार को नगर पालिका अध्यक्ष रूबी प्रसाद एव ईओ मुकेश कुमार चौधरी के नेतृत्व में विस्तारित सभासदों में किया गया।नपा अध्यक्ष रूबी प्रसाद ने बताया कि विस्तारित क्षेत्र नगर पालिका के लगभग 15 वार्ड जुड़े हैं जिनमें रोशनी प्रकाश के लिए समुचित व्यवस्था हो पाए जिसको ध्यान में रखते हुए नगर पालिका द्वारा 40-40 इलेक्ट्रिक लाइट 15 सभासदों में वितरित किया गया वहीं विस्तारित क्षेत्र के आम जनता से संबंधित सभासद मुलाकात कर नगर पालिका पर संबंधित नगर पालिका क्षेत्र के जनता द्वारा चिन्हित स्थान कर सूचित किया जाएगा तो नगर पालिका प्रशासन के कर्मचारियों द्वारा तत्काल वहां पर इलेक्ट्रिक लाइट लगवाई जाएगी जिससे कि किसी प्रकार से गली मोहल्ला या वार्ड अंधेरे में ना रहे हैं. इस दौरान जेई राजकुमार व सभासदगण राकेश कुमार,मनोज चौबे, ओमप्रकाश,गायत्री ,अनवर अली,अशोक कुमार,चंद प्रकाश दुबे,भैया लाल,हीरावती,सितारा तथा नगर पालिका कर्मचारी अजीत सिंह ,विमलेश कुमार,राजीव कुमार ,संत सोनी आदि लोग मौजूद रहे।

पुलिस अधीक्षक सोनभद्र ने रिजर्व पुलिस लाईन चुर्क में शुक्रवार परेड की ली सलामी, तत्पश्चात किया निरीक्षण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। परेड में सम्मिलित सभी

जेटीसी आरक्षियों को शारीरिक व मानसिक रूप से फिट रहने के लिए लगवाई गयी दौड़ एवं अनुशासन व एकरूपता बनाए रखने के लिए दिए गए सुझाव,यू0पी0-112 व थानों से आये वाहनों की गहनता से की गयी चेकिंग अशोक कुमार मीणा पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा परेड ग्राउण्ड पुलिस लाइन चुर्क में शुक्रवार साप्ताहिक परेड की सलामी ली गयी तथा परेड का निरीक्षण किया गया । इस दौरान पुलिस बल के शारीरिक व मानसिक रूप से फिट रहने के लिए समस्त जेटीसी आरक्षियों व पुलिस अधिकारी/कर्मचारीगण से दौड़ लगवायी गयी एवं अनुशासन व एकरूपता बनाए रखने के लिए दिया गया सुझाव । इसी क्रम में महोदय द्वारा यूपी 112 पीआरवी में मौजूद दंगा नियंत्रण उपकरणों, फर्स्ट ऐड किट आदि विभिन्न उपकरणों का निरीक्षण करके उपकरणों की नियमित साफ-सफाई व समुचित देखरेख व कुशल संचालन हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। तथा महोदय द्वारा जेटीसी मेस, पुलिस बैरक, शौचालय, कम्युटर कक्ष, आरटीसी स्कूल इत्यादि का जायजा लिया गया और सम्बंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए व पुलिस लाइन परिसर का निरीक्षण कर साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने हेतु सम्बंधित को दिशा-निर्देश दिए।

जनता दर्शन में आए फरियादियों की एसपी ने सुनी समस्याएं,शिकायतों के त्वरित व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु सम्बन्धित को दिए निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। प्रतिदिन की भांति पुलिस कार्यालय आने की आवश्यकता न पड़े तथा उनकी

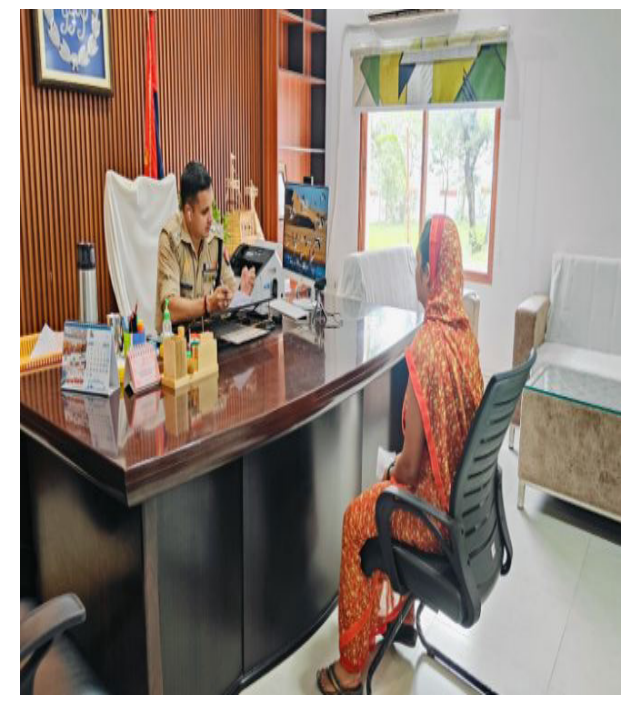

गुरुवार को पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा द्वारा पुलिस कार्यालय में आयोजित जनता दर्शन में फरियादियों की समस्याओं एवं शिकायतों को सुना गया। जनसुनवाई के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा प्रत्येक प्रकरण को गंभीरता से संज्ञान में लेते हुए संबंधित अधिकारियों को प्राप्त शिकायतों के शीघ्र, गुणवत्तापूर्ण एवं निष्पक्ष निस्तारण हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। पुलिस अधीक्षक ने सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया कि जनसुनवाई व महिला हेल्पडेस्क को अधिक प्रभावशाली और संवेदनशील बनाया जाए, ताकि आमजन को बार-बार समस्याओं का समाधान स्थानीय स्तर पर ही हो सके। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जिन शिकायतों का निस्तारण थाना स्तर पर संभव है, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से निष्पादित किया जाए। इसी क्रम में जनपद के समस्त राजपत्रित अधिकारीगण एवं थाना प्रभारियों द्वारा भी अपने-अपने कार्यालयों/थानों पर जनसुनवाई करते हुए आमजन से प्राप्त शिकायतों का त्वरित व प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित किया जा रहा है, जिससे पुलिस व जनता के मध्य विश्वास और सहयोग की भावना और अधिक सुदृढ़ हो सके।

अंजली कुशवाहा अपनी जनता पार्टी महिला मोर्चा का प्रदेश महासचिव मनोनीत

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। अपनी जनता पार्टी, उत्तर वार्ड न. 5, नजदीक जामा मस्जिद, तुर्रा, पिपरी, जनपद सोनभद्र, उत्तर

प्रदेश इकाई केन्द्रीय कार्यलय शिविर 8/371 विपुल खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-10 स्वामी प्रसाद मौर्य राष्ट्रीय अध्यक्ष/पूर्व कैबिनेट मंत्री, कोरी सुभाष चन्द्र लहरी प्रदेश अध्यक्ष, उ.प्र. इकाई पत्रांक एजेपी/एन59/25 अपनी जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी प्रसाद मौर्य के निर्देशक्रम में अंजनी कुशवाहा पत्नी मनोज सिंह राणा, निवासी वार्ड न. 5, नजदीक जामा मस्जिद, तुर्रा, पिपरी, जनपद सोनभद्र। (कोरी सुभाष चन्द्र लहरी) प्रतिलिपि 1. निजी सचिव, राष्ट्रीय अध्यक्ष अपनी जनता पार्टी 2. समस्त मंडल प्रभारी अपनी जनता पार्टी, उ0प्र0 3. समस्त जिलाध्यक्ष अपनी जनता पार्टी, उ0प्र0 को दिया गया। अंजनी कुशवाहा जनपद सोनभद्र, उत्तर प्रदेश को महिला मोर्चा का प्रदेश महासचिव मनोनीत किए जाने पर जनपद वासियों में खुशी कि लहर एक दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई देने वालों का ताता लगा है।

जन्मदिवस को राष्ट्र या पर्यावरणीय सेवा से जोड़ें, जिससे यह दिन जीवन भर प्रेरणा भर दे। प्रदीप पांडे

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) शहीद स्मारक के पास सौंदर्यीकरण इकाई के वरिष्ठ संरक्षक महेंद्र अग्रवाल

रायबरेली। जीवन तब श्रेष्ठ बनता है, जब वह राष्ट्र और प्रकृति को समर्पित हो। इस संदेश के साथ मातृभूमि सेवा मिशन के संयोजक प्रदीप पांडेय ने अपने जन्मदिवस को ' एक पेड़ मां के नाम ' अभियान से जोड़ते हुए राणा बेनी माधव बख्श सिंह पार्क में पौधारोपण किया। उन्होंने न केवल पौधा रोपित किया, बल्कि उसके संरक्षण की जिम्मेदारी भी स्वयं ली। प्रदीप पांडेय ने आह्वान किया कि यदि हर नागरिक एक पेड़ माता-पिता के नाम लगाए और उसका संरक्षण करे, तो राष्ट्र में हरियाली और स्वच्छता की क्रांति संभव है। बताते चले कि दो वर्ष में के लिए प्रदीप पांडेय ने 50 से अधिक पौधे रोपित कर उन्हें वृक्ष का रूप प्रदान कर चुके हैं। इससे उन्होंने संदेश दिया कि हर जन्मदिवस को राष्ट्र या पर्यावरणीय सेवा से जोड़ें, जिससे यह दिन जीवन भर प्रेरणा दे। कार्यक्रम की शुरुआत भारत माता वंदन, दीप प्रज्वलन और योगाभ्यास से हुई। योग साधिका पूजा मौर्या ने उन्हें पौधा भेंट कर दीर्घायु की कामना की। रामानुज मिश्रा ने भी अपने जन्मदिवस पर पौधारोपण कर पर्यावरण सेवा को अपनाया।उन्होंने साधकों को हनुमान चालीसा, जूस के पैकेट भेंट किए।इस मौके पर उनकी पुत्री गौरी मिश्रा ने सहभागिता की। ने प्रदीप पांडेय और रामानुज मिश्रा को बुके, प्रतीक चिन्ह व अंगवस्त्रम भेंट किया। इस अभियान में इकाई के मंडलाध्यक्ष भगवतानंद, योगगुरु जिलाध्यक्ष बृजमोहन ने प्रदीप पांडेय और रामानुज मिश्र को श्रीमद भगवत गीता भेंट किया। इस मौके पर वरिष्ठ संरक्षक अजय मिश्रा, योग प्रशिक्षिका सोनम गुप्ता ने भी पुष्प गुच्छ और प्रतीक चिन्ह देकर स्वागत किया। इसके अलावा साधकों में मोहिनी, स्नेहा, अनूप शर्मा, अतुल पांडेय,गीता, माया, पूनम सिंह, राकेश यादव, कल्लू अग्रहरि, राज अग्रहरि, प्रकाश, संदीप, अनूप, दिनेश पांडेय सहित उपस्थित रहे।

लॉर्ड्स टेस्ट- 8 बार गेंदें बदली गईःटेस्ट क्रिकेट में गेंद कब बदली जाती है, क्या हैं बॉल बदलने के नियम; 10 सवालों में जानिए?

नयी दिल्ली। भारत के इंग्लैंड दौरे पर बार-बार अंपायर्स का बॉल चेंज चर्चा में रहा। लॉर्ड्स टेस्ट में भी बार-बार गेंद बदलना पड़ा। क्योंकि पुरानी गेंदें जल्दी खराब हो रही थीं। लॉर्ड्स टेस्ट की पहली पारी में तो भारतीय टीम द्वारा 80 ओवर के बाद ली गई नई गेंद 10 ओवर बाद ही खराब हो गई थी। वहीं, इसके बदले दी गई दूसरी गेंद को भी 8 ओवर बाद दोबारा बदलना पड़ा। इंग्लैंड की 112.3 ओवर की पारी में कुल पांच बार गेंदें बदली गई थीं। भारतीय कप्तान शुभमन गिल, उप कप्तान ऋषभ पंत और मोहम्मद सिराज जैसे खिलाड़ी रिप्लेसमेंट बॉल से नाराज दिखे। क्या आप जानते हैं कि टेस्ट क्रिकेट में बॉल बदलने के नियम क्या हैं। टेस्ट में बॉल किन-किन परिस्थितियों में बदली जा सकती है और बॉल को कैसे जांचते हैं...जैसे सवालों के जवाब हमने पूर्व बीसीसीआई पैनल अंपायर राजीव रिसोड़कर से जाने। राजीव एक टेस्ट मैच में फोर्थ अंपायर रह चुके हैं। इतना ही नहीं, वे 3 विमेंस वनडे मैच में अंपायरिंग कर चुके हैं। राजीव ने 200 से ज्यादा डोमेस्टिक मैचों में अंपायरिंग की है।सवाल-1: टेस्ट क्रिकेट में बॉल किन-किन परिस्थितियों में बदली जा सकती है? टेस्ट क्रिकेट में 4 परिस्थितियों में गेंद को बदला जा सकता है। गुम जाएः अगर किसी शॉट से बॉल गुम जाए। बॉल स्टेडियम के बाहर चली जाती है। खराब होः खराब होने पर गेंद को बदला जा सकता है। जैसे- गेंद की सीम कट जाए, सिलाई खुल जाए या फिर लेदर जाए। शेप बदल जाएः यदि बॉल का डीशेफ हो गई है, तो इसे बदला जा सकता है। फिर चाहे बॉल का साइज बढ़ा हो या फिर छोड़ा। बॉल टैम्परिंगः अगर फील्ड अंपायर को लगता है कि गेंद के साथ छेड़छोड़ की गई है, तो अंपायर बॉल को बदल सकता है। सवाल-2: अंपायर बॉल की क्वालिटी कैसे जांचते हैं? फील्ड अंपायर मैच के दौरान बॉल को बार-बार चेक करते रहते हैं। वे ओवर पूरा होने, विकेट गिरने और बॉल बाउंड्री के बाहर जाने के बाद गेंद को चेक करते हैं। बैटिंग या बॉलिंग टीम के अनुरोध या फिर अंपायर खुद से बॉल को जांच सकते हैं। गेंद के आकार (शेप) का पता लगाने के गेज टेस्ट किया जाता है। इस टेस्ट में गेंद को रिंग से गुजारा जाता है। गेज में 2 रिंग होती हैं। दोनों के साइज आईसीसी के मापदंड के अनुसार होते हैं। एक का साइज बड़ा और दूसरे का छोटा होता है। अगर गेंद एक रिंग से गुजरती है, लेकिन दूसरी से नहीं, तो वह गेज टेस्ट में पास मानी जाती है। वहीं, इसके उलट गेंद दोनों रिंग से गुजर जाती है, तो इसे गेज टेस्ट में फेल माना जाता है, क्योंकि गेंद का आकार तय मानक से बड़ा और छोटा नहीं हो सकता है। सवाल-3: टेस्ट क्रिकेट में बॉल बदलने के नियम क्या हैं? टेस्ट क्रिकेट में पारी की शुरुआत नई गेंद से होती है। 80 ओवर का खेल होने के बाद गेंदबाजी टीम का कप्तान नई बॉल की मांग कर सकता है। हर पारी के बाद नई गेंद यूज होगी। सवाल-4: रिप्लेसमेंट बॉल कहां से आती है, इनका रखरखाव कैसे होता है, बॉल लाइब्रेरी क्या है? रिप्लेसमेंट बॉल 'बॉल लाइब्रेरी' से लाई जाती है, जो फोर्थ अंपायर के पास रहती है। इसमें फोर्थ अंपायर पुरानी बॉल को रखती है। जो पिछले टेस्ट मैचों में उपयोग में लाई जा चुकी हैं। साथ ही होस्ट एसोसिएशन भी पुरानी बॉल देते हैं। बॉल की कमी होने पर फोर्थ अंपायर दोनों टीमों से प्रैक्टिस बॉल भी मांग सकते हैं। बॉल को लाइब्रेरी में शामिल करने से पहले चौथा अंपायर हर गेंद को एक विशेष उपकरण (गोलाई नापने वाली रिंग) से जांचता है। लाइब्रेरी में कितनी बॉल रखी जान है, यह चौथा अंपायर जरूरत के हिसाब से तय करता है। उदाहरण के लिए इंग्लैंड दौरे पर बॉल ज्यादा खराब हो रही है, तो वहां लाइब्रेरी पर रखी गई बॉल की संख्या ज्यादा होगी। अगर बॉल कम खराब हो रही है, तो संख्या कम होगी। भारत, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया में आमतौर पर 20 तक विकल्प रखे जाते हैं, लेकिन कुछ देशों में 6-12 ही होते हैं। सवाल-5: क्या पहले जैसी रिप्लेसमेंट गेंद मिलना मुमकिन है? बिलकुल नहीं, एकदम वैसी ही गेंद मिलना संभव नहीं होता। अंपायर कोशिश करते हैं कि जो गेंद बदली जा रही है, उसी जैसी रिप्लेसमेंट गेंद मिले। यह ज्यादा पुरानी भी हो सकती है और कुछ नई भी। एक 60 ओवर पुरानी गेंद किसी सूखी पिच पर 30 ओवर पुरानी गेंद का विकल्प बन सकती है। लॉर्ड्स टेस्ट के दूसरे दिन भारतीय टीम के साथ यही हुआ था, जब टीम इंडिया ने इंग्लिश पारी के कुछ ही ओवर के बाद गेंद बदलने की मांग की दी। नई बॉल गेज टेस्ट में फेल हो गई और भारत को पुरानी बॉल मिल गई। कप्तान गिल और सिराज इसी बात से नाखुश थे। जैसे लॉर्ड्स टेस्ट के दूसरे दिन सुबह गेंद डी-शेप हो गई थी। लेकिन, स्विंग कर रही थी। अगर भारत खुद बदलाव की मांग न करता, तो गेंद नहीं बदलती।सवाल-6: रिप्लेसमेंट बॉल का चयन कौन करता है? यह अधिकार फील्ड अंपायर्स का होता है। फील्ड अंपायर बैटर्स और गेंदबाजी टीम के कप्तान और गेंदबाज की मौजूदगी में रिप्लेसमेंट बॉल का चयन करता है। सवाल-7 : क्या अंपायर गेंद को खुद बदल सकते हैं? हां, अगर अंपायर खुद गेंद को बदल सकता है। वह समय-समय पर बॉल को जांचता भी रहता है। अगर फील्ड अंपायर को लगता है कि बॉल खराब हो गई या फिर इसके साथ छेड़छोड़ हुई है तो अंपायर गेंद चेंज कर सकता है। इसमें गेंदबाज या कप्तान की सहमति जरूरी नहीं है। हालांकि यह बहुत कम होता है। सवाल-8: गेंदबाजी टीम किन परिस्थितियों में गेंद बदलने की मांग कर सकते हैं? गेंदबाजी टीम बॉल खराब होने और डी-शेप होने की स्थिति में फील्ड अंपायर से बॉल बदलने की मांग कर सकता है। प्लेयर्स के कहने पर अंपायर बॉल की क्वालिटी जांचता है और फैसला लेता है कि बॉल बदली है या नहीं।

सवाल-9: किसी मैच में उपयोग की गई बॉल का क्या करते हैं? मैच समाप्त होने के बाद यूज की गई बॉल को अन्य मैचों की रिप्लेसमेंट बॉल के रूप में यूज करते हैं। सवाल-10 : क्या किसी देश में किसी खास ब्रांड की गेंद यूज करने का नियम है या फिर विजटिंग टीम अपनी पसंदी की बॉल यूज कर सकती है? बॉल के इस्तेमाल को लेकर आईसीसी के कोई खास दिशा-निर्देश नहीं हैं। सभी देश अपनी कंडीशन के लिहाज से बॉल का इस्तेमाल करते हैं। भारत में एसजी, इंग्लैंड और वेस्टइंडीज में ड्यूक, जबकि अन्य देशों में कूकाबुरा बॉल का इस्तेमाल किया जाता है। किसी देश में किस ब्रांड का इस्तेमाल किया जाना है। यह उस देश का क्रिकेट बोर्ड तय करता है। इस पर विजटिंग टीम सवाल नहीं कर सकती है।

सुबह के समय गले में रहती खराश,बारिश में बढ़ती समस्या सुबह उठकर करें ये पांच काम, बरतें 10 जरूरी सावधानियां

नयी दिल्ली। मानसून में बारिश के साथ ठंडक और राहत आती है। भीनी खुशबू और पानी की फुहारें तन-मन को ताजगी से भर देती हैं। हालांकि, इस मौसम की बड़ी समस्या ये है कि राहत के साथ इन्फेक्शन भी बढ़ते हैं। लगातार नमी में फंगस और बैक्टीरिया तेजी से पनपते हैं। इसमें सबसे कॉमन गले में इन्फेक्शन है। किसी को जुकाम हो या नहीं, मानसून में सुबह सोकर उठने पर गले में खराश सी लगती है। इसके कारण सुबह कुछ भी खाना-पीना अजीब सा लगता है। गले में हल्का दर्द भी महसूस होता है। जर्नल ऑफ क्लिनिकल एंड डायग्नोस्टिक रिसर्च के मुताबिक, मानसून में गले में इन्फेक्शन के मामले बढ़ जाते हैं। इसलिए 'जरूरत की खबर' में हम मानसून में होने वाली गले की खराश के बारे में जानेंगे। साथ ही जानेंगे कि- गले की खराश दूर करने के घरेलू उपाय- कब गले की खराश चिंता की बात हो सकती है? मानसून में बढ़ती है गले में खराश- मानसून में लगभग हर किसी को गले में खराश की समस्या होती है, जिसमें गले में दर्द, जलन या खरखराहट महसूस होती है। सुबह सोकर उठने पर यह समस्या बढ़ जाती है, जब हम कुछ निगलते हैं तो ये तकलीफ और ज्यादा बढ़ जाती है। यूं तो गले में खराश साल के किसी भी मौसम में हो सकती है, लेकिन बारिश के मौसम में ये समस्या ज्यादा देखने को मिलती है। इसका सबसे बड़ा कारण ये है कि बारिश के कारण हवा में बढ़ती नमी और संक्रमण फैलाने वाले कणों की मात्रा का बढ़ जाती है। ये हैं गले में खराश के मुख्य कारण- बारिश का मौसम अपने साथ कई बीमारियां लेकर आता है। इनमें सबसे कॉमन औ फ्रक्वेंट समस्या गले में खराश है। इसके पीछे 5 मुख्य कारण ये हैं- 1. वायरल इन्फेक्शनः मानसून के दौरान सर्दी-जुकाम और फ्लू जैसे वायरल संक्रमण बहुत तेजी से फैलते हैं। ये गले में दर्द या जलन की सबसे बड़ी वजह बनते हैं। 2. बैक्टीरियल इन्फेक्शनः बारिश में नमी बढ़ जाती है, जिससे स्ट्रेप्टोकोकस पाइोजीनस नामक बैक्टीरिया पनपता है। यही बैक्टीरिया स्ट्रेप थ्रोट (गले में तीव्र इन्फेक्शन) का कारण बनता है। 3. एलर्जीः नमी के चलते हवा में मौजूद धूल-मिट्टी और पोलेन यानी पराग कण से एलर्जी की समस्या बढ़ जाती है। इससे पोस्ट-नेजल ड्रिप होता है यानी नाक से बलगम गले में जाता है, जिससे गले में जलन होती है। 4. गंदगीः बारिश का पानी हवा में मौजूद धूल और गंदगी को नीचे गिराता है। इससे कई बार गले में इरिटेशन या खराश महसूस होती है। 5. फंगल इन्फेक्शनः नमी भरे मौसम में फंगस तेजी से फैलते हैं। कमजोर इम्यूनिटी वाले लोगों में इससे गले का संक्रमण हो सकता है। गले में इन्फेक्शन के क्या लक्षण हैं? गले में इन्फेक्शन होने पर व्यक्ति को गले में जलन, चुभन या दर्द महसूस होता है। निगलते समय परेशानी या दर्द बढ़ सकता है। कई बार आवाज भारी या बैठी हुई लगती है। गले की समस्या को पूरी तरह टालना शायद मुश्किल हो, लेकिन कुछ सावधानियों से इसे काफी हद तक रोका जा सकता है. अगर आपको या घर में किसी को मानसून में सुबह उठने पर गले में खराश महसूस हो रही है तो घबराने की जरूरत नहीं है। कुछ आसान घरेलू उपाय हैं, जिससे राहत मिल सकती है। 1. गरम पानी में नमक डालकर गरारे करें यह सबसे आसान और असरदार तरीका है। एक गिलास गरम पानी में एक चम्मच नमक मिलाएं और 2-3 बार गरारे करें। इससे गले की सूजन और जलन में राहत मिलती है। 2. शहद और गरम पानी- एक चम्मच शहद को गरम पानी या हर्बल चाय में मिलाकर पिएं। शहद में ऐसे प्राकृतिक गुण होते हैं, जो गले के संक्रमण से लड़ने में मदद करते हैं और गले को आराम देते हैं।3. पानी ज्यादा पिएं- अगर गले में कोई इन्फेक्शन है या सूजन है तो गला सूखने पर ये समस्या अधिक महसूस होती है। इसलिए कुछ-कुछ देर में गुनगुना पानी पीते रहे। पानी पीने से मन ऊब रहा है तो हर्बल चाय या सूप भी पी सकते हैं। इससे गला नम रहेगा और जलन कम महसूस होगी। 4. भाप लें- मानसून में सुबह गले में खराश होने पर गरम पानी की भाप लेने से राहत मिलती है। अगर जुकाम भी है तो बंद नाक में भी आराम मिलता है। भाप लेने से पहले बर्तन को गर्म आंच से जरूर उतार लें। 5. गले को आराम दें- सुबह उठकर बहुत बोलने से बचें। तेज बोलने या गले पर जोर डालने से दर्द बढ़ सकता है। अगर गले में खराश है या दर्द हो रहा है तो गले को आराम दें, ताकि जल्दी राहत मिल सके। गले की खराश से बचा सकती हैं ये अच्छी आदतें- बारिश के मौसम में सेहत का ख्याल रखना बहुत जरूरी है, कुछ अच्छी आदतें गले की सूजन और दर्द से बचा सकती हैं। अगर आप अपनी लाइफस्टाइल में ये आदतें शामिल करें तो गले की खराश जैसी कई बीमारियों से बच सकते हैं। सुबह उठते ही ठंडे ड्रिंक्स पीने से बचें। खाली पेट ठंडी चीजें लेना गले के लिए नुकसानदायक हो सकता है। गुनगुने पानी में नमक डालकर गरारे करें। इससे रातभर गले में जमा बैक्टीरिया साफ हो जाते हैं और गले को राहत मिलती है। एक गिलास गुनगुने पानी में एक चम्मच शहद और थोड़ा नींबू का रस डालकर पिएं। ये गले को आराम देता है और इम्यूनिटी भी बढ़ाता है। इसके बाद 5-10 मिनट तक भाप लें। अगर हो सके तो भाप में यूकेलिप्टस ऑयल की कुछ बूंदें डालें - इससे सांस की नली और गला दोनों को राहत मिलती है। नाश्ता कभी न छोड़ें। सुबह के खाने में हल्दी वाला दूध, शहद और विटामिन ए से भरपूर फल जरूर शामिल करें। ये आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाते हैं। चाय या कॉफी बहुत गर्म न पिएं। ज्यादा गरम ड्रिंक्स गले की परत को नुकसान पहुंचा सकते हैं, इसलिए इन्हें हल्के टेम्प्रेचर पर पिएं। पूरा दिन थोड़ा-थोड़ा पानी पीते रहें। कमरे के तापमान वाला पानी गले को नम रखता है और आराम भी देता है। अगर सुबह बाहर निकलना पड़े तो जरूरी सावधानी बरतें। भीड़ भाड़ वाली जगहों पर फेस मास्क पहनें और आंखों की देखभाल के लिए साफ टिशू साथ रखें। हाथ धोना कभी न भूलें, मानसून में हाथ की साफ-सफाई बेहद जरूरी है ताकि इन्फेक्शन से बचा जा सके।

इंग्लैंड दौरे पर गए अर्शदीप इंजर्ड,अब तक टेस्ट डेब्यू नहीं कर पाए हैं; लंदन में चौथे टेस्ट के लिए प्रैक्टिस कर रही थी टीम

नयी दिल्ली। टीम इंडिया से अब तक टेस्ट डेब्यू नहीं कर सके लेफ्ट आर्म पेसर अर्शदीप सिंह लंदन में प्रैक्टिस के दौरान इंजर्ड हो गए। असिस्टेंट कोच रायन टेन डोश्चेट ने एक न्यूज एजेंसी से कहा, बॉलिंग के दौरान उनके हाथ में चोट लग गई। इसके बाद वे प्रैक्टिस सेशन में हिस्सा नहीं ले सके। टीम इंडिया ने लंदन के द लॉर्ड्स स्टेडियम में 14 जुलाई को एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी का तीसरा टेस्ट इंग्लैंड के खिलाफ गंवा दिया था। टीम ने 2 दिन रेस्ट के बाद प्रैक्टिस शुरू की थी, जिसमें अर्शदीप इंजर्ड हो गए। बॉलिंग के दौरान चोट लगी अर्शदीप सिंह गुरुवार को चौथे टेस्ट के लिए प्रैक्टिस कर रहे थे। बॉलिंग के दौरान वे गेंद रोकने की कोशिश में खुद को इंजर्ड कर बैठे। टेन डोश्चेट ने बताया कि बॉलिंग के दौरान अर्शदीप के हाथ में कट लग गया। ये कट कितना गहरा है, यह जांच के बाद ही पता चलेगा। अगर उन्हें हाथ में टांके लगाने की जरूरत पड़ी तो उनका प्रैक्टिस करना भी मुश्किल हो जाएगा। भारत के लिए वनडे और टी-20 डेब्यू कर चुके अर्शदीप सिंह को अब तक एक भी टेस्ट खेलने का मौका नहीं मिला। वे इंग्लैंड गई 19 सदस्यीस स्क्वॉड का हिस्सा हैं। टीम इंडिया ने सीरीज के 3 टेस्ट में जसप्रीत बुमराह, आकाशदीप, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, शार्दूल ठाकुर के रूप में 5 पेसर और नीतीश कुमार रेड्डी के रूप में एक पेस बॉलिंग ऑलराउंडर को मौका दिया। हालांकि, अर्शदीप को मौका नहीं मिल पाया। स्क्वॉड में 7 पेसर हैं, जिनमें से 6 को मौका मिल चुका है यानी प्राथमिकता में अर्शदीप आखिरी नंबर पर हैं। अगर टीम इंडिया मैनचेस्टर टेस्ट में बदलाव करने के बारे में सोचे तो अर्शदीप को जरूर डेब्यू का मौका मिल सकता है। हालांकि, टीम इंडिया ने प्लेइंग-11 में ज्यादा से ज्यादा 3 ही पेसर्स को मौका दिया है। जिस रेस में बुमराह, सिराज और आकाशदीप बेहतरीन प्रदर्शन कर बेहद आगे हैं। तीनों के नाम सीरीज में 10 प्लस विकेट हैं। ऐसे में फिट होने पर भी अर्शदीप को मौका मिलना मुश्किल ही है। भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज का चौथा मुकाबला 23 जुलाई से मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड स्टेडियम में खेला जाएगा। दोनों टीमें रविवार को मैनचेस्टर पहुंचेंगी। उससे पहले टीमें लंदन के बेकनहम में ही प्रैक्टिस कर रही हैं। लंदन के द लॉर्ड्स स्टेडियम में तीसरा टेस्ट खेला गया था। जिसे इंग्लैंड ने 22 रन से जीतकर सीरीज में 2-1 की बढ़त बना ली। भारत ने दूसरा टेस्ट जीता था। टीम इंडिया चौथा टेस्ट जीतकर सीरीज में 2-2 से बराबरी करना चाहेगी।

मैनचेस्टर टेस्ट से पहले भारतीय टीम ने प्रैक्टिस शुरू कीःगंभीर-जडेजा मस्ती करते दिखे, 23 जुलाई से खेला जाएगा चौथा मुकाबला

नयी दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज का चौथा मैच 23 जुलाई से मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड स्टेडियम में खेला जाएगा। मैच से पहले टीम इंडिया ने प्रैक्टिस शुरू कर दी है। टीम गुरुवार को बेकेनहैम के काउंटी ग्राउंड में प्रैक्टिस करती दिखी।रिपोर्ट के मुताबिक, टीम इंडिया ने केंट काउंटी क्रिकेट ग्राउंड पर 17 जुलाई को प्रैक्टिस की। 18 जुलाई को टीम ब्रेक लेगी जबकि 19 जुलाई को टीम इंडिया को मैनचेस्टर के लिए ट्रैवल करना है। इसके बाद की प्रैक्टिस भारतीय टीम 20 जुलाई से ओल्ड ट्रैफर्ड स्टेडियम में ही करेगी।इंग्लैंड 2-1 से आगे दोनों टीमों के बीच पहले टेस्ट मैच में इंग्लैंड ने 5 विकेट से जीत दर्ज की थी जबकि दूसरे टेस्ट को इंडिया ने जीता था। तीसरे टेस्ट में इंग्लैंड ने भारत को हराया। 5 मैच की टेस्ट सीरीज में इंग्लैंड 2-1 से आगे है।ऋषभ पंत फिट लॉर्ड्स टेस्ट के पहले इनिंग में विकेटकीपिंग करते समय ऋषभ पंत को उंगली में चोट लग गई थी, जिसके बाद वह आगे के मैच में कीपिंग नहीं कर पाए। उनकी जगह ध्रुव जुरेल ने विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभाली। हालांकि, कप्तान शुभमन गिल ने भी तीसरे टेस्ट के बाद पंत की फिटनेस को लेकर अपडेट देते हुए कहा कि ऋषभ स्कैन के लिए गए थे। कोई बड़ी चोट नहीं है, इसलिए वह मैनचेस्टर टेस्ट के लिए उपलब्ध रहेंगे।

प्रतीका रावल और इंग्लैंड टीम पर आईसीसी ने लगाया जुर्माना,रावल पर मैच फीस का 10फीसदी और इंग्लिश टीम पर 5फीसदी फाइन

नयी दिल्ली। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने भारतीय विमेंस टीम की ओपनर प्रतीका रावल पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना के साथ ही एक डिमेरिट पॉइंट भी दिया है। जबकि इंग्लैंड टीम स्लो ओवर रेट के लिए मैच फीस का 5 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। रावल पर यह जुर्माना बुधवार को साउथम्पटन में इंग्लैंड के खिलाफ खेले गए पहले वनडे मैच के दौरान आईसीसी आचार संहिता के उल्लंघन के लिए लगा। उन्हें आईसीसी के अनुच्छेद 2.12 का दोषी पाया गया है। यह नियम खिलाड़ी, सपोर्ट स्टाफ, अंपायर, मैच रेफरी या दर्शक के साथ अनुचित व्यवहार से संबंधित है। इसके बाद की प्रैक्टिस भारतीय टीम 20 जुलाई से ओल्ड ट्रैफर्ड स्टेडियम में ही करेगी।इंग्लैंड 2-1 से आगे दोनों टीमों के बीच पहले टेस्ट मैच में इंग्लैंड ने 5 विकेट से जीत दर्ज की थी जबकि दूसरे टेस्ट को इंडिया ने जीता था। तीसरे टेस्ट में इंग्लैंड ने भारत को हराया। 5 मैच की टेस्ट सीरीज में इंग्लैंड 2-1 से आगे है।ऋषभ पंत फिट लॉर्ड्स टेस्ट के पहले इनिंग में विकेटकीपिंग करते समय ऋषभ पंत को उंगली में चोट लग गई थी, जिसके बाद वह आगे के मैच में कीपिंग नहीं कर पाए। उनकी जगह ध्रुव जुरेल ने विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभाली। हालांकि, कप्तान शुभमन गिल ने भी तीसरे टेस्ट के बाद पंत की फिटनेस को लेकर अपडेट देते हुए कहा कि ऋषभ स्कैन के लिए गए थे। कोई बड़ी चोट नहीं है, इसलिए वह मैनचेस्टर टेस्ट के लिए उपलब्ध रहेंगे।

रावल पर दो अलग-अलग घटनाओं के कारण यह कार्रवाई हुई। 18वें ओवर में रन लेते समय उन्होंने गेंदबाज लॉरेन फाइलर के साथ अनावश्यक शारीरिक संपर्क किया। इसके बाद, अगले ओवर में आउट होने के बाद पवेलियन लौटते समय उन्होंने गेंदबाज सोफी एक्लेस्टोन के साथ भी ऐसा ही अनुचित संपर्क किया।वहीं, इंग्लैंड महिला टीम पर धीमी ओवर-रेट के लिए 5 प्रतिशत मैच फीस का जुर्माना लगाया गया इंग्लैंड की टीम निर्धारित समय में एक ओवर पीछे थी। आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के अनुसार, निर्धारित समय में प्रत्येक ओवर की कमी के लिए खिलाड़ियों पर 5 प्रतिशत मैच फीस का जुर्माना लगता है। रावल और इंग्लैंड की कप्तान नैट साइवर-ब्रंट ने अपनी गलती स्वीकार कर ली और आईसीसी इंटरनेशनल पैनल ऑफ मैच रेफरी की सदस्य सारा बार्टलेट की ओर से प्रस्तावित सजा को मंजूर कर लिया। इसलिए, औपचारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी। आईसीसी कोड ऑफ कंडक्ट के मुताबिक, लेवल-1 और लेवल-2 के उल्लंघन पर 1 से 2 डिमेरिट पॉइंट्स के साथ शून्य से 50 फीसदी मैच फीस लगती है।

लेवल-3 के उल्लंघन करने पर 6 टेस्ट और 12 वनडे का सस्पेंशन मिलता है। रावल पर 1 डिमेरिट पॉइंट का जुर्माना लगाया गया है। वहीं, अगर कोई खिलाड़ी 24 महीने में चार या ज्यादा डिमेरिट पॉइंट जमा करता है, तो वे सस्पेंशन पॉइंट में बदल जाते हैं, जिसके बाद खिलाड़ी पर एक टेस्ट या दो वनडे या दो टी-20 मैचों का बैन लग सकता है। डिमेरिट पॉइंट 24 महीने तक रिकॉर्ड में रहते हैं, इसके बाद वे हटा दिए जाते हैं।

नागरिकता पर सभी दलों को स्वस्थ बहस की जरूरत है

बिहार में वोटर लिस्ट पर हंगामे के बाद चंद्रबाबू नायडू ने आंध्र प्रदेश और दूसरे राज्यों में चुनावों से काफी पहले वैज्ञानिक तरीके से सत्यापन प्रक्रिया पूरी करने की मांग की है। दूसरी ओर हिमंत बिस्वा सरमा ने एनआरसी का राग छेड़कर संवैधानिक मामले में सियासी पेचीदगी बढ़ा दी है। पश्चिम में नागरिकता के कठोर नियम हैं, लेकिन भारत में नागरिकता का मसला संसदीय विफलता, सत्ता की सियासत और प्रशासनिक भ्रष्टाचार की बलि चढ़ रहा है। नागरिकता से जुड़े 6 बिंदुओं पर सभी दलों को स्वस्थ बहस की जरूरत है। 1. एनआरसी : 1951 की जनगणना के अनुसार पहला राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) बना, लेकिन उसके बाद अपडेट नहीं हो पाया। नागरिकता कानून के अनुसार 2003 में एनआरसी के संशोधनों को लागू करने की मुहिम 2019 में सुप्रीम कोर्ट के ठंडे बस्ते में चली गई। असम समझौते को लागू करने के लिए नागरिकता कानून में जोड़ी गई धारा 6-ए को सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने पिछले साल वैध करार दिया। बिहार में वोटर लिस्ट का सत्यापन चुनावों के पहले कराने पर सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को नसीहत तो दी है, पर नागरिकता से जुड़े अनेक लम्बित मामलों की सुनवाई और फैसले के लिए सुप्रीम कोर्ट में कई सालों से संविधान पीठ का गठन ही नहीं हुआ है।2. एनपीआर : जनसंख्या का कानून 1948 में बना, लेकिन राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर (एनपीआर) के लिए 2003 में जाकर नियम बने। उसके अनुसार भारत के सभी सामान्य निवासियों के लिए एनपीआर में रजिस्ट्रेशन जरूरी है। 2010 में पहला एनपीआर तैयार होने के पांच साल बाद उसे अपडेट किया गया था। लेकिन आधार कार्ड की तरह एनपीआर में विवरण होना नागरिकता का आधिकारिक सबूत नहीं है। 3. सीएए : नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) को दिसम्बर 2019 में मंजूरी मिली। उसके अनुसार पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश से गैर-मुस्लिम धार्मिक अल्पसंख्यक शरणार्थियों को भारत की नागरिकता मिल सकती है। उस कानून के अनुसार शरणार्थियों को नागरिकता लेने के लिए भारत में निवास के प्रमाण के तौर पर 20 तरह के दस्तावेजों में से एक और पड़ोसी देश के निवास के प्रमाण के तौर पर 9 में से एक दस्तावेज को देने की जरूरत है। सीएए और रोहिंग्या शरणार्थियों जैसे मामले सुप्रीम कोर्ट में सालों से लम्बित हैं। इसलिए वोटर लिस्ट में पहचान के बावजूद विदेशी लोगों के ?खिलाफ निर्वासन की कार्रवाई के लिए गृह मंत्रालय को एक्शन लेना होगा। 4. आधार : सुप्रीम कोर्ट ने अगस्त 2015 में कहा था कि आधार कार्ड के जरूरी नहीं होने के बारे में भारत सरकार बड़े पैमाने पर मीडिया में प्रचार करे। लेकिन कोर्ट के अनेक आदेशों और अंतिम फैसले को धता बताकर सरकार ने पिछले दरवाजे से आधार को जरूरी बना दिया। अभी बिहार में आधार को मान्यता देने की मांग करने वाली पार्टियां वोटर कार्ड को आधार से लिंक करने का विरोध कर रही हैं। दो साल पहले सुप्रीम कोर्ट में दिए शपथ-पत्र के अनुसार फार्म-6 बी के लिए आधार जरूरी नहीं है। इसके बावजूद चुनाव आयोग ने 66.23 करोड़ वोटरों का आधार क्रमांक एकत्रित कर लिया है। लंबी नींद से जागने के बाद सरकार ने सख्ती बढ़ाई है। लेकिन जांच के बगैर निजी एजेंसियों द्वारा जारी करोड़ों आधार अब सरकार के साथ चुनाव आयोग के गले की हड्डी बन गए हैं। 5. नागरिकता : सुप्रीम कोर्ट के पुराने फैसले के अनुसार वोटर लिस्ट की आड़ में चुनाव आयोग नागरिकता की पड़ताल नहीं कर सकता। एनआरसी और नागरिकता का मामला केंद्र सरकार के गृह मंत्रालय के अधीन आता है। लेकिन अनुच्छेद-326 के अनुसार 18 से ऊपर के नागरिकों का नाम वोटर लिस्ट में शामिल करने के बारे में चुनाव आयोग को संविधान से संपूर्ण अधिकार हासिल हैं। इसीलिए आधार और ड्राइविंग लाइसेंस के लिए मंजूरी के बावजूद फर्जीवाड़े वाले राशन कार्ड की मान्यता मुश्किल है। 6. वोटर लिस्ट : बिहार में 1फीसदी वोटों के फेरबदल से सरकार का गणित बदल गया था। इसलिए भ्रष्ट तरीके से वोटर लिस्ट में गलत नाम शामिल करवाना या सही वोटरों का नाम हटाना, दोनों गलत हैं। राज्य सरकारों के स्थानीय प्रशासन की मनमर्जी और भ्रष्टाचार को सख्ती से नियंत्रित करके आयोग अपनी साख बढ़ा सकता है। स्वतंत्र, पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से वोटर लिस्ट का शुद्धिकरण आयोग की संवैधानिक जिम्मेदारी है। राज्य सरकारों के स्थानीय प्रशासन की मनमर्जी और भ्रष्टाचार को सख्ती से नियंत्रित करके आयोग अपनी साख बढ़ा सकता है। स्वतंत्र, पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से वोटर लिस्ट का शुद्धिकरण आयोग की संवैधानिक जिम्मेदारी है। (ये लेखक के अपने विचार हैं विराग गुप्ता)

मानसून सत्र में सवालों से बचने की कोई सूरत नहीं

संसद का मानसून सत्र अगले सप्ताह शुरू हो रहा है। इसकी तारीखों का ऐलान 45 दिन पहले ही हो गया था, जबकि अमूमन यह 18 से 20 दिन पहले होता है। समय से इतना पहले तारीखों की घोषणा का कारण स्पष्ट है। सरकार संसद के विशेष सत्र से बचना चाहती है और लोकसभा व राज्यसभा में ऐसी चर्चा को टालना चाहती है, जिसमें उसे पहलगाम, पुंछ, राजौरी पर तीखे सवालों का जवाब देना पड़ेगा। दिसंबर 2023 के बाद से ही सरकार विपक्ष द्वारा प्रस्तावित एक भी चर्चा को अनुमति देने से बचती रही है। ऐसे में 21 दिन के आगामी सत्र से हम क्या अपेक्षा करें? इस सत्र में संसद के दोनों सदनों में 21-21 घंटों के प्रश्नोत्तर सत्र होंगे और सवालों से बचने की कोई सूरत नहीं है। दोनों सदनों में प्रतिदिन एक घंटे का प्रश्नकाल मंत्रियों की जवाबदेही तय करेगा। उन्हें उत्तर देना ही होंगे, फिर चाहे वे तारांकित सवालों के मौखिक जवाब हों या अतारांकित के लिखित जवाब। संसद में हर दिन औसतन नौ सवालों के जवाब मौखिक दिए जाते हैं, जबकि 400 से अधिक के लिखित उत्तर प्राप्त होते हैं। चूंकि बीते डेढ़ वर्षों से महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा के नोटिसों को सरकार ने स्वीकार से हमारे संसदीय लोकतंत्र के तहत सरकार को जवाबदेह ठहराया जा सकता है। यहां 2025 के बजट सत्र में पूछे गए कुछ प्रश्न प्रस्तुत किए जा रहे हैं, जिनमें से प्रत्येक में सरकार द्वारा दिया गया जवाब एक कहानी बयान करता है। 1. अटल पेंशन : मल्लिकार्जुन खरगे के सवाल के जवाब में खुलासा हुआ कि योजना की शुरुआत से अब तक 1.11 करोड़ खाते बंद हो चुके हैं। 1 अक्टूबर 2022 से नियमों में संशोधन कर आयकरदाताओं को योजना के लिए अपात्र कर दिया गया। 2. पीएम इंटर्नशिप योजना : टीएमसी के प्रकाश चिक बराइक के सवाल से खुलासा हुआ कि योजना के पहले चरण में विज्ञापित 1.27 लाख अवसरों में से महज 28 हजार 141 आवेदकों ने इंटर्नशिप स्वीकारी। 3. उड़ान योजना : प्रियंका चतुर्वेदी (शिवसेना-उद्धव ठाकरे) के सवाल के जवाब में बताया गया कि योजना के तहत 619 रूट संचालित किए गए थे, जिनमें से 48फीसदी नॉन-ऑपरेशनल हैं। 114 मार्ग तो योजना के तीन साल पूरे होने से पहले ही बंद कर दिए गए थे। 4. समग्र शिक्षा अभियान : डॉ. जॉन ब्रिटस (माकपा) का सवाल स्कूली शिक्षा के लिए एकीकृत योजना पर था। जवाब में बताया गया कि तमिलनाडु के लिए 2152 करोड़, बंगाल के लिए 1745 करोड़ और केरल के लिए 329 करोड़ रुपए स्वीकृत हुए थे। लेकिन इनमें से किसी राज्य को धनराशि जारी नहीं की गई। 5. केंद्रीय विद्यालयों में रिक्त पद : रामजीलाल सुमन (सपा) के सवाल पर सरकार ने बताया कि दिसंबर 2024 तक केंद्रीय विद्यालय संगठन में 8977 पद रिक्त थे। इनमें 7414 पद (83फीसदी) शैक्षणिक थे। 6. साइबर हमले : संजीव अरोरा (आप) के सवाल के जवाब में सरकार ने बताया कि 2020 से 2024 के बीच देश में साइबर सुरक्षा संबंधी 75.86 लाख से अधिक घटनाएं हुईं। 2020 की तुलना में ये 76फीसदी की वृद्धि थी। वहीं नीरज डांगी (कांग्रेस) के सवाल पर सरकार ने बताया 2022 से 2023 के बीच डिजिटल भुगतान में धोखाधड़ी के मामले 334फीसदी बढ़े हैं। 2022 के 277 करोड़ रुपए से बढ़कर 2023 में धोखाधड़ी 1457 करोड़ रुपए की हो गई। 7. पीएम-कुसुम : यह योजना किसानों को ऊर्जा और जल सुरक्षा प्रदान करने के लिए शुरू की गई थी। बजरंग मनोहर सोनवणे (राकांपा-शरद पवार) के सवाल से पता चला कि 10 हजार मेगावॉट रिन्यूएबल ऊर्जा आधारित बिजली संयंत्रों के स्वीकृत लक्ष्य की तुलना में 431 मेगावॉट के संयंत्र ही स्थापित हो पाए हैं। 8. कर्ज माफी : अमरा राम (माकपा) ने अधिसूचित वाणिज्यिक बैंकों द्वारा कर्ज माफी पर सवाल पूछा। पता चला कि 2014 से 2023 के बीच 16 लाख करोड़ रुपए से अधिक के ऋण माफ किए गए हैं। इनमें से 57फीसदी बड़े उद्योगों और सेवाओं के हैं। वहीं इस स्तम्भकार ने सरकार से किसानों पर बढ़ते कर्ज पर सवाल किया। सरकारी डेटा से खुलासा हुआ कि हर कृषक-परिवार पर औसतन बकाया ऋण राशि 74 हजार रुपए थी। कर्ज का उच्चतम स्तर आंध्रप्रदेश में 2.45 लाख रुपए है। इसके बाद केरल में 2.42 लाख रुपए, पंजाब में 2.03 लाख रुपए, हरियाणा में 1.83 लाख रुपए और तेलंगाना में 1.52 लाख रुपए है।बीते डेढ़ वर्षों से महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा के नोटिसों को सरकार ने स्वीकार नहीं किया है। ऐसे में प्रश्नकाल ही इकलौता ऐसा उपकरण रह जाता है, जिससे संसदीय लोकतंत्र के तहत सरकार को जवाबदेह ठहराया जा सकता है।(डेरेक ओ ब्रायन ये लेखक के अपने विचार हैं। इस लेख के सहायक-शोधकर्ता आयुष्मान डे और धीमंत जैन हैं)

क्यों हमारा कम्युनिकेशन फेल होकर विवाद तक पहुंच जाता है?

'वाइन के लिए मैं भुगतान क्यों करूं?' फुटपाथ पर बने एक रेस्तरां में बहस में तब्दील हो चुकी बातचीत के एक वाक्य ने मेरा और कइयों का ध्यान खींचा। मैं और मेरा परिवार, टीवी सीरीज 'फ्रेंड्स' में अक्सर दिखाई जाने वाली उस 'एल-शेप' की इमारत के नीचे इंतजार कर रहे थे, जहां फ्रेंड्स के किरदारों के अपार्टमेंट हैं। इसके ग्राउंड फ्लोर पर मशहूर 'द लिटिल आउल' मेडिटेरेनियन रेस्तरां है, जिसने एक तरफ के पूरे फुटपाथ को घेर रखा है। न्यूयॉर्क के ग्रीनविच विलेज इलाके के बीच 90 बेडफोर्ड स्ट्रीट पर ये रेस्तरां है। यहां ऐसे कई रेस्तरां हैं, पर इस गली में ये पर्यटकों-स्थानीय लोगों में सर्वाधिक पसंद किया जाने वाला-महंगा रेस्तरां है। यहां तक कि जो लोग खाना नहीं खा रहे होते हैं वो अपनी बारी का इंतजार करते वक्त इमारत के आगे खड़े होकर सेल्फी लेते हैं। इसी वजह से उस ग्राहक व वेटर की बहस सुनी जा सकती थी। बहस की कहानी कुछ इस तरह है। उस अकेले ग्राहक ने भारी-भरकम वन मील मंगवाया। 'स्टीक' नामक इस फूड को दुनिया के उस हिस्से में अक्सर खाते हैं। कई लोगों ने इस डिश को लकड़ी की प्लेट में देखा होगा, जिसमें से धुआं निकलता है और 'तड़के' जैसी आवाज आती है। खासतौर पर इस डिश में काम आने वाली लकड़ी की प्लेट प्राकृतिक, देहाती और कभी-कभी बेहद शानदार लुक देती है, जिससे इसकी प्रस्तुति और बेहतर हो जाती है। इस डिश के साथ समस्या ये है कि कुछ लोग इसके अंदर मीट को पूरी तरह भुना हुआ पसंद करते हैं। और कुछ को ये लाल रंग का पसंद होता है, यानी कम भुना या तला हुआ। इस ग्राहक के टेबल पर लाई डिश अधिक भुनी थी। इसलिए उसने इसे लेने से मना कर दिया। ऑर्डर लेने वाले वेटर ने शेफ की गलती स्वीकार की, डिश को रसोई में भेजा और उनसे दूसरी डिश बनाने के लिए कहा। जाहिर है कि ग्राहक नाराज था। रेस्तरां का कैप्टन इस तीखी बहस को देख रहा था तो उसने वेटर से कोड वर्ड में कहा 'पीपीएनएल'।(पॉसिबल प्रॉब्लम, नीड्स लव) रेस्तरां की भाषा में इसका अर्थ है कि 'दिक्कत आ सकती है, प्यार से मामला संभालें।' मतलब यह हुआ कि 'ग्राहक परेशान या भूखा है और गुस्सा भी हो सकता है। इसलिए स्थिति बिगड़ने से पहले जाओ और उसे शांत करो।' वेटर ने जाकर पूछा कि 'सर, जब तक आप डिश के दोबारा तैयार होने का इंतजार कर रहे हो, मैं आपके लिए क्या परोस सकता हूं?' ग्राहक ने कहा 'वाइन' और उसे वही परोस दी गई। यहां आखिरी लाइन में पेंच है। वेटर की बात सुनकर ग्राहक ने सोचा कि रेस्तरां उसे मुफ्त में वाइन की पेशकश कर रहा है, क्योंकि यह उनकी गलती है कि उसे दोगुने समय इंतजार करना पड़ा। इधर, वेटर को लगा कि ग्राहक सहयोग कर रहा है और नई चीज ऑर्डर कर रहा है। इसीलिए रेस्तरां ने कॉम्प्लिमेंट्री डेजर्ट भेजा और बाद में जो बिल भेजा गया, उसमें वाइन का पैसा भी जोड़ दिया गया था। इसी बात पर विवाद शुरू हुआ, जिसने मेरी तरह वहां से गुजरने वालों का ध्यान खींचा। संचार (कम्युनिकेशन) तभी सफल होता है जब ग्रहणकर्ता यानी परसीवर उसे समझता है। याद रखें, मैं प्राप्तकर्ता यानी रिसीवर नहीं कह रहा हूं। मैं परसीवर कह रहा हूं। क्यों? क्योंकि रिसीवर अक्सर संदेश को अपनी बुद्धि और समझ के आधार पर परसीव करता है, जिसे संदेशवाहक के सुर, शब्दों का चुनाव और चेहरे के भावों द्वारा अनजाने में ही नियंत्रित या प्रेरित किया जा सकता है। इसका संदेशवाहक की बुद्धि से कोई लेना-देना नहीं है। यहां संचार की सफलता का रहस्य है। किसी भी संचार के लिए वैज्ञानिक फॉर्मूला कुछ इस प्रकार होता है... मैसेंजर-मैसेज-मोड और परसीवर। यदि परसीवर ने संचार के उद्देश्य और निहितार्थ को नहीं समझा, तो कोई भी संचार कभी पूरा नहीं हो सकता। फंडा यह है कि यदि आप किसी को कोई सूचना भेजना चाहते हैं तो अपनी सूचना का अभ्यास नीचे से ऊपर की ओर करिए। कल्पना करना शुरू कीजिए कि प्राप्त करने वाला इसे सुनने के बाद कैसे ग्रहण करेगा। फिर माध्यम चुनिए, फिर संदेश बनाएं और तब संदेशवाहक का चयन करें। देखिए, यह कैसे आपके संचार में जादू कर देगा।एन. रघुरामन

भारत-पाक संघर्ष का असर हमारे पड़ोसियों पर भी पड़ा है

भारत-पाक संघर्ष के बीच दक्षिण एशिया के देश भी अपनी पोजिशन में बदलाव ला रहे हैं। जब सभी का ध्यान सेनाओं की तैनाती, वायु शक्ति प्रदर्शन और नौसैनिक दावों पर था, तब रणनीतिक प्रभाव का परीक्षण सीमा पर नहीं, पड़ोसी देशों की प्रतिक्रिया में हो रहा था। ये और बात है कि भारत ने अपने पड़ोसियों की तुलना में बड़ी ताकतों और भू-राजनीतिक मैदान के बड़े खिलाड़ियों को अधिक महत्व दिया है। लेकिन हमें पड़ोसियों पर भी ध्यान देना होगा। श्रीलंका से बांग्लादेश तक और नेपाल से मालदीव तक भारत-पाक संघर्ष के प्रभाव अलग-अलग रहे हैं। इनमें से कोई भी देश संघर्ष में सीधा भागीदार नहीं था, लेकिन सभी ऐसा रुख अपना रहे थे, जिसमें उनकी कमजोरियां और महत्वकांक्षाएं दोनों ही झलकती हों। भारत और चीन के बीच संतुलन बनाने का लंबा अनुभव रखने वाला श्रीलंका भारत-पाक टकराव को लेकर सार्वजनिक बयानबाजी से बचता दिखा। हालांकि परदे के पीछे उसे समुद्री जंग को लेकर चिंता थी। भारतीय युद्धपोतों की दक्षिणी हिंद महासागर में सक्रियता के चलते वह खुद की रणनीतिक स्थिति का फिर से आकलन कर रहा था। जहां वह हम्बनटोटा और कोलंबो बंदरगाहों में चीनी निवेश को नहीं गंवाना चाहता, वहीं वह भारत के सुरक्षा कवच में भी बने रहना चाहता है। श्रीलंका भूल नहीं सकता कि कुछ वक्त पहले जब उसकी आर्थिक स्थिति बहुत बुरी थी तो भारत ने उसे 4 अरब डॉलर की सहायता दी थी। लेकिन नेपाल कूटनीतिक रास्ते पर चलना जारी रखे हुए है। भारत के साथ 2020 के सीमा विवाद की यादें अभी ताजा हैं। भारतीय सैन्य ताकत की मजबूती को लेकर नेपाल की जनता सावधान है। या यों कहें कि संशय में है। हालांकि दोनों देशों के बीच सैन्य और खुफिया जानकारियों को लेकर सहयोग चुपचाप जारी है। नेपाल की उत्तरी सीमा पर चीन की मौजूदगी बढ़ रही है। ये खबरें भी हैं कि इस क्षेत्र में भारत विरोधी तत्व आने-जाने के रास्ते तलाश रहे हैं। भूटान एक अपवाद है। वह भारत का सबसे विश्वसनीय क्षेत्रीय साझेदार बना हुआ है। खासतौर पर पूर्वी हिमालयी क्षेत्र में वह भारतीय सेनाओं के साथ अपना समन्वय बढ़ा रहा है। ?डोकलाम में जहां पहले भारत-चीन के बीच विवाद हुआ था, उस पर भी निगरानी रखी जा रही है। भूटान का रुख इस समझ पर आधारित है कि उसकी सुरक्षा भारत से जुड़ी है। ऐसे क्षेत्र में जहां साझेदारियां तेजी से बदल रही हों, थिम्पु की स्थिरता दुर्लभ है। बांग्लादेश का मामला इनमें सबसे जटिल है। आर्थिक रूप से भारत से जुड़े बांग्लादेश ने पूरे घटनाक्रम पर एक सधी हुई चुप्पी साध रखी है। देखें तो बांग्लादेश में स्थितियां राजनीतिक रूप से संवेदनशील हैं। पाकिस्तान से ऐतिहासिक संबंध रखने वाले इस्लामी समूह इस टकराव का उपयोग पाकिस्तान के पक्ष में धारणा बनाने के लिए कर रहे हैं।ऐसे में बांग्लादेश के लिए बहुत कुछ दांव पर है और हालात भी उसके लिए ब?हुत संगीन हैं। वहां की सेना में मौजूद धर्मनिरपेक्ष तत्व भारत के समर्थन में है, लेकिन आईएसआई वहां अपनी जड़ें जमाने की कोशिश रही है। मालदीव ने कुछ समय के लिए चीन-समर्थक रुख अपनाने के बाद अब भारत के साथ घनिष्ठ संबंधों को पुनर्जीवित किया है। हिंद महासागर क्षेत्र, विशेष रूप से मालदीव और मॉरीशस के आसपास भारतीय समुद्री गतिविधियों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। म्यांमार आंतरिक उथल-पुथल के दौर से गुजर रहा है, लेकिन वह भारत की रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा है। भारत का पूर्वोत्तर-जो विद्रोही गतिविधियों के प्रति संवेदनशील है- म्यांमार से लंबी सीमा साझा करता है। हाल के हफ्तों में भारत-म्यांमार सीमा पर सैनिकों की आवाजाही और हवाई निगरानी कथित तौर पर बढ़ गई है, और अपुष्ट रिपोर्टों के अनुसार पाकिस्तान इस अस्थिर गलियारे के जरिए छद्म तत्वों को सक्रिय कर सकता है। हालांकि हमारे किसी भी पड़ोसी मुल्क ने खुले तौर पर किसी पक्ष के साथ गठबंधन नहीं किया, फिर भी वे अपनी स्थिति का पुनर्मूल्यांकन कर रहे हैं। उपमहाद्वीप के छोटे देश अब क्षेत्रीय संकटों में निष्क्रिय दर्शक नहीं बने रह सकते। (ये लेखक के अपने विचार हैं) लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन।

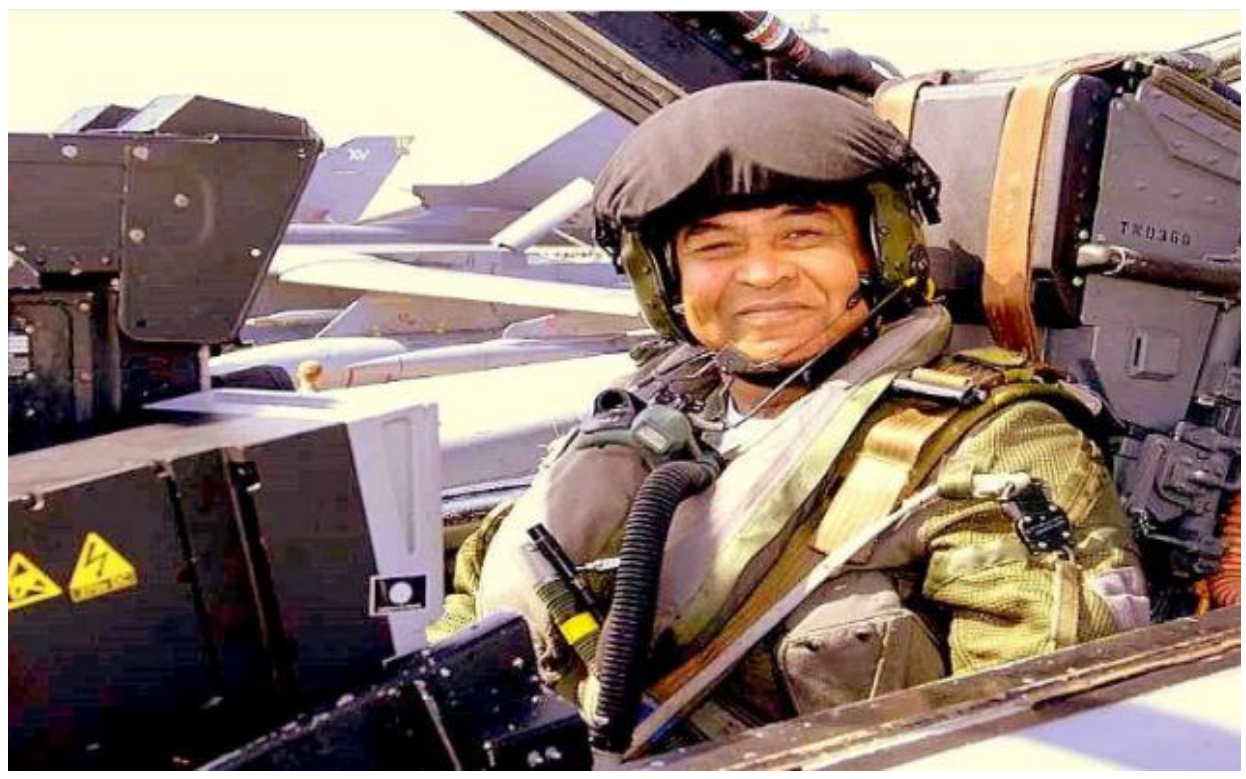

शिकागो में ट्रम्प की नीतियों के खिलाफ बड़ा विरोध-प्रदर्शन,हजारों लोगों सड़कों पर उतरे, ट्रम्प को तनाशाह बताते हुए मार्च निकाला

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की विवादास्पद पॉलिसियों के खिलाफ गुरुवार को बड़े पैमाने पर विरोध

प्रदर्शन किए जा रहे हैं। अप्रवासियों को डिपोर्ट करने और गरीबों के लिए मेडिकेड सुविधाओं में कटौती के विरोध में 1600 से ज्यादा जगहों पर प्रदर्शन आयोजित हो रहे हैं। इन प्रदर्शनों को 'गुड ट्रबल लिव्स ऑन' नेशनल डे ऑफ एक्शन नाम दिया गया है, जो दिवंगत सांसद और ह्यूमन राइट एक्टिविस्ट जॉन लुइस को समर्पित है। आयोजकों ने लोगों से प्रदर्शनों को शांतिपूर्ण रखने की अपील की है। शिकागो इन विरोध-प्रदर्शन का मुख्य सेंटर रहेगा। दोपहर में शहर के डाउनटाउन में प्रदर्शनकारी एकत्र होंगे। शिकागो में आयोजित रैली में एक कैंडल मार्च निकाला जाएगा।पब्लिक सिटिजन ग्रुप की को-प्रेसिडेंट लिसा गिल्बर्ट ने मंगलवार को कहा- हम अपने देश के इतिहास के सबसे डरावने दौर से गुजर रहे हैं। हमें सरकार में बढ़ती तानाशाही रवैये और कानून के उल्लंघन का सामना करना पड़ रहा है, जो हमारी लोकतांत्रिक आजादी और अधिकारों को चुनौती दे रहा है। पब्लिक सिटिजन ग्रुप एक नॉन प्रॉफिट ऑर्गेनाइजेशन (एनजीओ) है, जो बड़े कॉर्पोरेट घराने के खिलाफ काम करता है। ये प्रदर्शन खास तौर पर अटलांटा, सेंट लुइस, ओकलैंड (कैलिफोर्निया) और एनापोलिस (मैरीलैंड) में होने की प्लानिंग है।जॉन लुइस का 2020 में 80 साल की उम्र में कैंसर की वजह से निधन हो गया था। वे ह्यूमन राइट आंदोलन के 'बिग सिक्स' नेताओं में से एक थे, जिसकी लीडरशिप मार्टिन लूथर किंग जूनियर कर रहे थे। लुइस ने 1965 में 'ब्लडी संडे' मार्च निकाला था, जिसमें वोटिंग अधिकारों के लिए 600 लोग अलबामा के एडमंड पेट्टस ब्रिज पर मार्च कर रहे थे। इस दौरान पुलिस ने उन पर हमला कर दिया। इस दौरान लुइस की खोपड़ी टूट गई थी। इस घटना ने वोटिंग राइट्स एक्ट 1965 को पारित करने में अहम भूमिका निभाई थी।ट्रम्प सरकार ने लॉस एंजिलिस में 6-7 जून को सरकार ने अवैध अप्रवासियों के खिलाफ एक अभियान चलाया गया था। इस दौरान दक्षिणी कैलिफोर्निया में मारिजुआना फार्मों पर छापेमारी के दौरान एक मजदूर की मौत हो गई थी। इसके बाद 8 जून को लॉस एंजिलिस में हजारों लोग सड़कों पर उतरे थे। 14 जून को 'नो किंग्स' प्रदर्शनों में लाखों लोगों ने ट्रम्प को तानाशाह बताते हुए उनकी आलोचना की थी।

महाराष्ट्र विधानसभा मारपीट मामले में एफआईआर, 2 गिरफ्तार:लॉबी में बीजेपी और शरद पवार गुट के विधायक समर्थकों में हाथापाई हुई थी

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा में बीजेपी और एनसीपी (शरद पवार) विधायकों के समर्थकों के बीच मारपीट मामले में शुक्रवार को

एफआईआर दर्ज हुई है। इस मामले में मुंबई पुलिस ने अब तक 2 लोगों को गिरफ्तार किया है। दरअसल, गुरुवार को महाराष्ट्र विधानसभा की लॉबी में भाजपा विधायक गोपीचंद पडलकर और एनसीपी (एसपी) विधायक जितेंद्र आव्हाड के समर्थक भिड़ गए थे। मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। इसमें दोनों विधायकों के समर्थक आपस में गाली-गलौज और हाथापाई करते दिखे। इसके विरोध में शरद गुट के समर्थकों ने गुरुवार रात मरीन ड्राइव पुलिस स्टेशन के बाहर प्रदर्शन किया था। मारपीट की वजह सामने नहीं आई है। इस पर एनसीपी (एसपी) विधायक रोहित पवार ने शुक्रवार को कहा- चार लोगों ने कल महाराष्ट्र विधानसभा के बाहर नेता जितेंद्र आव्हाड पर हमला करने का प्लान बनाया था। हमें व्हाट्सएप और नए 'आका' के कार्यकर्ताओं से धमकी मिली थी। नया 'आका' दूर से इशारा देता है, और ये चार गुंडे वहां गुंडागर्दी करते हैं।घटना के बाद दोनों विधायकों के बयान एनसीपी (एसपी) विधायक जितेंद्र आव्हाड- 'पूरा महाराष्ट्र जानता है कि हमलावर कौन था। हमसे बार-बार सबूत मांगे जा रहे हैं, जबकि पूरे देश ने देखा है कि हमला किसने किया। गुंडों को विधानसभा में घुसने दिया जा रहा है, जिससे विधायकों की सुरक्षा को खतरा है। मुझे गालियां दी गईं, जान से मारने की धमकी दी गई। कुत्ता, सुअर जैसे अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया गया। क्या विधानसभा में ऐसा ही होने की उम्मीद थी। अगर विधायक विधानसभा में सुरक्षित नहीं हैं, तो हम विधायक क्यों बने रहें।' बीजेपी विधायक गोपीचंद पडलकर - विधानसभा में जो कुछ हुआ उससे मैं सचमुच दुखी हूं। यह एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। मैं खेद व्यक्त करता हूं और माफी मांगता हूं। 'सत्र के दौरान विधायक, उनके सहायक और सरकारी अधिकारी ही रहेंगे' विधानसभा परिसर में हुई मारपीट मामले में विधानसभा की ओर से नाराजगी जाहिर की गई है। महाराष्ट्र विधानसभा के अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने कहा- केवल विधायक, उनके सहायक और सरकारी अधिकारी ही सत्र के दौरान विधान भवन में रह सकेंगे। साथ ही इस मामले में विधायिका नैतिकता समिति गठन को लेकर एक हफ्ते में फैसला लिया जाएगा। उद्धव बोले-गुंडे विधानसभा पहुंच गए,सीएम को जिम्मेदारी लेनी चाहिए शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने घटना को लेकर सरकार की आलोचना करते हुए कहा- 'अगर गुंडे विधानसभा पहुंच गए हैं, तो राज्य के गृह मंत्री और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को इसकी जिम्मेदारी लेनी चाहिए। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। विधानसभा में इस तरह का आचरण उचित नहीं है।

मोदी बंगाल में बोले- घुसपैठियों के खिलाफ कार्रवाई होगी:भाजपा किसी भी साजिश को कामयाब नहीं होने देगी, ये मोदी की गारंटी है

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर में कहा- बंगाल में टीएमसी ने अपने स्वार्थ के लिए घुसपैठ को बढ़ावा दिया। इसके

लिए इकोसिस्टम बनाया जा रहा है। ये राज्य-देश और बांग्ला संस्कृति के लिए खतरा है।उन्होंने आगे कहा- टीएमसी ने घुसपैठियों के पक्ष में नई मुहिम शुरू की। मैं साफ कहता हूं- जो भारत का नागरिक नहीं है और घुसपैठ करके आया है, उसपर संविधान के तहत कार्रवाई होकर रहेगी। बंगाल के खिलाफ साजिश को भाजपा कामयाब नहीं होने देगी, ये मोदी की गारंटी है। पीएम मोदी ने दुर्गापुर में 5000 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाली परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। इसमें ऑयल, गैस, बिजली, सड़क और रेल से जुड़ी कई अन्य विकास परियोजनाएं शामिल हैं। दुर्गापुर बंगाल के पश्चिम वर्धमान जिले का शहर है। राज्य में अगले साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। 2025 में मोदी की यह दूसरी पश्चिम बंगाल यात्रा है। इससे पहले उन्होंने 29 और 30 मई को अलिपुरद्वार और कूच विहार में परियोजनाओं का शिलान्यास किया था।मुर्शिदाबाद घटना में पुलिस ने कुछ न किया: बंगाल में मुर्शिदाबाद जैसी घटना हुई है। हत्या हो जाती हो और पुलिस ने कुछ भी नहीं किया। यहां राज्य सरकार जान और दुकान की रक्षा नहीं कर सकती, तो निवेशकों को भी चिंता होती है। बंगाल के अस्पताल सुरक्षित नहीं: आज बंगाल के अस्पताल भी सुरक्षित नहीं है, जब डॉक्टर बेटी के साथ अत्याचार हुआ तो टीएमसी सरकार अपराधी को बचाने में लगी रही। देश इससे खड़ी: टीएमसी सरकार बंगाल के विकास के आगे दीवार बनकर खड़ी है। जिस दिन टीएमसी की दीवार गिरी, तब बंगाल विकास की गति पकड़ लेगा। टीएमसी की सरकार जाएगी, तभी असली परिवर्तन आएगा। हम बंगाल में अवसर मांग रहे हैं।बंगाल की नीति भ्रष्टाचारियों ने बनाई: पश्चिम बंगाल की नीति भी भ्रष्टाचारियों के लिए बनाई जाती है। युवाओं की शिक्षा और कौशल के साथ जो कुछ यहां हो रहा है वह चिंता बढ़ाने वाला है। युवाओं की शिक्षा और कौशल के साथ जो कुछ यहां हो रहा है वह चिंता बढ़ाने वाला है। टीएमसी सरकार बंगाल के विकास के आगे खड़ी: टीएमसी सरकार बंगाल के विकास के आगे दीवार बनकर खड़ी है। जिस दिन टीएमसी की दीवार गिरी, तब बंगाल विकास की गति पकड़ लेगा। टीएमसी की सरकार जाएगी, तभी असली परिवर्तन आएगा। विकसित भारत में बंगाल की बड़ी भूमिका होने वाली है। हम बंगाल में अवसर मांग रहे हैं।बंगाल के उद्योगपतियों ने देश के इंडस्ट्रीज की नींव रखी: पश्चिम बंगाल की धरती प्रेरणाओं से भरी पड़ी है, यह देश के पहले उद्योग मंत्री श्यामा प्रसाद की भूमि है। उन्होंने देश के इंडस्ट्रीज की नींव रखी। ये बिधान चंद्र राय जैसे उद्योग पति की नगरी है। इस भूमि पर सर विरेंद्र मुखर्जी हुए, जिनके वीजन से भारत को स्टील उद्योग की नींव मिली ऐसे लोगों ने ही बंगाल को आगे बढ़ाया है। बंगाल में सबसे ज्यादा वंदे भारत ट्रेनें चल रहीं: बंगाल में रेल कनेक्टिविटी सुधारने के लिए बहुत काम हुआ है। यह देश के उन राज्यों में से एक है जहां सबसे ज्यादा वंदे भारत ट्रेनें चल रही हैं। कोलकाता मेट्रो का विस्तार हो रहा। रेलवे स्टेशनों को मॉडर्न बनाया जा रहा है। आज बंगाल को दो नए रेलवे ओवरब्रिज भी मिले हैं।पीएम मोदी इन 5 प्रोजेक्ट्स की शुरुआत की- बीपीसीएल सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन परियोजना, लागत- रु1,950?करोड़ प्रधानमंत्री पश्चिम बंगाल के बांकुरा और पुरुलिया जिले में लगभग 1,950 करोड़ रुपए की लागत वाली भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड की शहरी गैस वितरण परियोजना की आधारशिला रखेंगे। यह परियोजना के तहत घरों, व्यवसायिक प्रतिष्ठानों और इंडस्ट्रीयल कस्टमर्स को पीएनजी और सीएनजी कनेक्शन मुहैया कराई जाएगी। इससे क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे। दुर्गापुर-कोलकाता नेचुरल गैस पाइपलाइन, लागत - रु1,190?करोड़ प्रधानमंत्री दुर्गापुर-हल्दिया नेचुरल गैस पाइपलाइन के दुर्गापुर से कोलकाता खंड (132 किलोमीटर) की शुरुआत करेंगे। इसे जगदीशपुर-हल्दिया और बोकारो-धामरा पाइपलाइन के एक हिस्से के रूप में बिछाया गया है। इस प्रोजेक्ट को प्रधानमंत्री ऊर्जा गंगा परियोजना के नाम से भी जाना जाता है। 1,190 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाला दुर्गापुर से कोलकाता खंड पश्चिम बंगाल के पूर्व वर्धमान, हुगली और नादिया जिलों से होकर गुजर रहा है। दुर्गापुर स्टील और रघुनाथपुर थर्मल पावर स्टेशन में एफजीडी सिस्टम, लागत- रु 1,457?करोड़ प्रधानमंत्री दुर्गापुर स्टील थर्मल पावर स्टेशन और दामोदर घाटी निगम के रघुनाथपुर थर्मल पावर स्टेशन की 1,457 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाली फ्लू-गैस डिसल्फराइजेशन यूनिट भी राष्ट्र को समर्पित करेंगे। इससे वायु प्रदूषण में कमी आएगी। पुरुलिया-कोटशिला रेल लाइन का दोहरीकरण, लागत- रु390?करोड़ बंगाल में रेलवे के जरिए औद्योगिक कनेक्टिविटी में सुधार को बढ़ावा देते हुए, प्रधानमंत्री मोदी पुरुलिया में 390 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से 36 किलोमीटर लंबी पुरुलिया-कोटशिला रेल लाइन के दोहरीकरण प्रोजेक्ट को भी हरी झंडी दिखाएंगे। इससे जमशेदपुर, बोकारो और धनबाद के उद्योगों का रांची और कोलकाता के साथ रेल संपर्क में सुधार होगा। माल गाड़ियों की डायरेक्ट आवाजाही होगी, जिससे समय भी बचेगा। तोपसी और पांडबेश्वर में दो रोड ओवर ब्रिज का उद्घाटन, लागत- ?380?करोड़ प्रधानमंत्री मोदी पश्चिम वर्धमान के तोपसी और पांडबेश्वर में सेतु भारतम कार्यक्रम के तहत बनाए 380 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से बने दो रोड ओवर ब्रिज का उद्घाटन करेंगे। इससे कनेक्टिविटी में सुधार होगा और रेलवे क्रॉसिंग पर दुर्घटनाओं को रोकने में भी मदद मिलेगी। दुर्गापुर में छह साल बाद पीएम मोदी की रैली बंगाल के पश्चिम वर्धमान जिले के दुर्गापुर में पीएम मोदी की 6 साल बाद यह दूसरी रैली है। इससे पहले वे 2 फरवरी 2019 को पहली बार दुर्गापुर गए थे। इस दिन पीएम मोदी ने पश्चिम बंगाल में भाजपा के लोकसभा चुनाव प्रचार का आगाज किया। उन्होंने दुर्गापुर के नेहरू स्टेडियम में एक बड़ी जनसभा को भी संबोधित किया था।

निमिषा प्रिया सजा मामला:केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट में कहा- हम चाहते हैं महिला सुरक्षित लौटे; याचिकाकर्ता की मांग- यमन जाने दें

नयी दिल्ली। यमन में मौत की सजा का सामना कर रही केरल की नर्स निमिषा प्रिया को लेकर सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को सुनवाई हुई। केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि, वे चाहते हैं कि महिला सुरक्षित वापस आए। सरकार हर संभव मदद कर रही है।जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच में सरकार की तरफ से अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी पेश हुए। उन्होंने कहा- निमिषा को बचाने का प्रयास किया जा रहा है। उधर याचिकाकर्ता संगठन 'सेव निमिषा प्रिया इंटरनेशनल एक्शन काउंसिल' ने कोर्ट से अपील की है। उन्हें निमिषा को बचाने के लिए यमन जाने दिया जाए। इस पर कोर्ट ने कहा, आप केंद्र से संपर्क करें। हम इस पर कुछ नहीं कहेंगे। अगली सुनवाई 14 अगस्त को होगी। इससे पहले 14 जुलाई को हुई सुनवाई में कोर्ट ने कहा था कि मामला बहुत संवेदनशील है। अगर भारतीय नर्स यमन में जान गंवाती है तो यह दुखद होगा।निमिषा को 16 जुलाई को मौत की सजा दी जानी थी। जिसे फिलहाल टाल दिया गया है। वे 2017 से यमन की जेल में बंद हैं। उन पर यमन के नागरिक तलाल अब्दो महदी को दवा की ओवरडोज देकर हत्या करने का आरोप है।2008 में केरल के पलक्कड़ की रहने वाली 19 साल की निमिषा प्रिया नौकरी के लिए यमन पहुंचीं। राजधानी सना में एक सरकारी अस्पताल में उन्हें नर्स की नौकरी मिल गई। 2011 में निमिषा शादी के लिए भारत वापस आईं। उन्होंने कोच्चि के रहने वाले टॉमी थॉमस से शादी की और दोनों यमन आ गए। यहां थॉमस को इलेक्ट्रीशियन के असिस्टेंट की जॉब मिल गई, लेकिन सैलरी बहुत कम

थी। 2012 में निमिषा ने बेटी मिशाल को जन्म दिया, लेकिन में यमन गुजारा करना मुश्किल होने लगा। 2014 में थॉमस बेटी के साथ कोच्चि लौट गए, जहां वे ई-रिक्शा चलाने लगे। जबकि निमिषा ने कम सैलरी वाली जॉब छोड़कर क्लिनिक खोलने का फैसला किया, लेकिन यमन के कानून के मुताबिक निमिषा को एक लोकल पार्टनर की जरूरत थी। इस दौरान निमिषा की मुलाकात कपड़े की दुकान चलाने वाले महदी से हुई। महदी की पत्नी की डिलीवरी निमिषा ने ही कराई थी।जनवरी 2015 में निमिषा बेटी मिशाल से मिलने भारत आईं। महदी भी उनके साथ भारत आया।इस दौरान महदी ने निमिषा की शादी की एक तस्वीर चुरा ली। बाद में महदी ने इस तस्वीर में छेड़छाड़ कर निमिषा का पति होने का दावा किया।क्लिनिक शुरू करने के लिए निमिषा ने परिवार वालों और दोस्तों से करीब 50 लाख रुपए जुटाए और यमन पहुंचकर क्लिनिक शुरू कर लिया। निमिषा ने पति और बेटी को यमन बुलाने के लिए कागजी काम शुरू किया, लेकिन मार्च में वहां गृहयुद्ध छिड़ गया और वे लोग यमन नहीं आ पाए।यमन में गृह युद्ध की वजह से भारत ने अपने नागरिकों को वहां से निकालने के लिए 'ऑपरेशन राहत' शुरू किया। यह ऑपरेशन अप्रैल-मई 2015 तक चला, जिसमें 4,600 भारतीयों और करीब एक हजार विदेशी नागरिकों को यमन से निकाला, लेकिन इनमें सिर्फ निमिषा ही भारत नहीं लौट पाईं। 2016 में महदी ने निमिषा के साथ शारीरिक उत्पीड़न करना शुरू कर दिया। उसने निमिषा के क्लिनिक का प्रॉफिट भी हड़प लिया। जब निमिषा ने इस बारे में सवाल किया तो दोनों के रिश्ते खराब हो गए। महदी निमिषा को यमन से बाहर नहीं जाने देना चाहता था, इसलिए उसने निमिषा का पासपोर्ट अपने पास रख लिया। निमिषा ने पुलिस में महदी की शिकायत भी दर्ज कराई, लेकिन पुलिस ने निमिषा को ही 6 दिनों की हिरासत में ले लिया, क्योंकि महदी ने एडिटेड फोटो दिखाकर निमिषा का पति होने का दावा किया।निमिषा काफी परेशान हो चुकीं थीं। जुलाई 2017 में महदी से पासपोर्ट लेने के लिए निमिषा ने उसे बेहोशी का इंजेक्शन दिया, लेकिन इसका असर नहीं हुआ। फिर निमिषा ने महदी को ओवरडोज दे दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, निमिषा ने महदी के शरीर के टुकड़े कर वाटर टैंक में फेंक दिए। इसके बाद पुलिस ने निमिषा को गिरफ्तार कर लिया। यमन की सुप्रीम ज्यूडिशियल काउंसिल ने निमिषा को महदी की हत्या के आरोप में मौत की सजा सुनाई। निमिषा ने यमन की सुप्रीम कोर्ट में माफी की अपील दायर की, जिसे 2023 में खारिज कर दिया। राष्ट्रपति रशद ने भी 30 दिसंबर 2024 को सजा को मंजूरी दे दी।शरिया कानून के मुताबिक, पीड़ित पक्ष को अपराधियों की सजा तय करने का हक है। हत्या के मामले में मौत की सजा है, लेकिन पीड़ित का परिवार पैसे लेकर दोषी को माफ कर सकता है। इसे 'दीया' या 'ब्लड मनी' कहा जाता है, जिसका जिक्र कुरान में भी किया गया है। निमिषा को माफी दिलाने के लिए उनकी मां ने अपनी संपत्ति बेचकर और क्राउडफंडिंग के जरिए 'ब्लड मनी जुटाने की भी कोशिश की। 2020 में निमिषा को सजा से बचाने और ब्लड मनी इकट्ठा करने के लिए 'सेव निमिषा प्रिया इंटरनेशनल एक्शन काउंसिल' बनाया गया। केरल के एक जाने-माने बिजनेसमैन ने निमिषा को बचाने के लिए 1 करोड़ रुपए देने का ऐलान किया था। विदेश मंत्रालय का कहना है कि निमिषा को बचाने के लिए हर संभव कोशिश कर रहा है, लेकिन मेहदी के परिवार ने अभी तक ब्लड मनी स्वीकार नहीं की है। निमिषा की मां यमन की राजधानी सना में डटी हुई हैं और बेटी को बचाने की कोशिश कर रही हैं।

राहुल बोले-सरकार जीजाजी को 10 साल से परेशान कर रही,ईडी ने एक दिन पहले मनी लॉन्ड्रिंग केस में रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ चार्जशीट दायर की थी

नयी दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को एक्स पर लिखा, 'सरकार पिछले दस साल से मेरे जीजाजी (रॉबर्ट वाड्रा) को परेशान कर रही है। यह

चार्जशीट उसी षडयंत्र का हिस्सा है।' उन्होंने लिखा, 'मैं रॉबर्ट, प्रियंका और उनके बच्चों के साथ हूं, क्योंकि उन्हें राजनीतिक रूप से प्रेरित बदनामी और उत्पीड़न झेलना पड़ रहा है। मुझे पता है कि वे बहादुर हैं और वे पूरी गरिमा से इसका सामना करते रहेंगे। आखिर में सच्चाई की जीत होगी।' राहुल का यह बयान उस वक्त आया है, जब एन्फोर्समेंट डायरेक्टोरेट (ईडी) ने गुरुवार को गुरुग्राम लैंड डील केस से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में रॉबर्ट के खिलाफ चार्जशीट पेश की थी। यह पहली बार है कि जब किसी जांच एजेंसी ने वाड्रा के खिलाफ किसी आपराधिक मामले में चार्जशीट दायर की है। वाड्रा के अलावा इस चार्जशीट में कई अन्य लोगों के साथ कंपनियों के नाम भी शामिल हैं। ईडी ने 16 जुलाई को 37.64 करोड़ रुपए की संपत्ति भी अटैच की थी। कांग्रेस ने गुरुवार को इसे 'डराने की कोशिश' बताया था।2008 में हुआ जमीन का सौदा फरवरी 2008 में रॉबर्ट वाड्रा की कंपनी स्काईलाइट हॉस्पिटैलिटी ने ओंकारेश्वर प्रॉपर्टीज से गुरुग्राम के शिकोहपुर गांव में 3.5 एकड़ जमीन 7.5 करोड़ रुपए में खरीदी। इस समय हरियाणा में कांग्रेस की सरकार थी और भूपेंद्र सिंह हुड्डा मुख्यमंत्री थे। जमीन खरीदने के करीब एक महीने बाद हुड्डा सरकार ने वाड्रा की कंपनी स्काईलाइट हॉस्पिटैलिटी को 2.7 एकड़ जमीन पर आवासीय परियोजना विकसित करने की परमिशन दे दी। आवासीय परियोजना का लाइसेंस मिलने के बाद जमीन के दाम बढ़ जाते हैं। इसके करीब 2 महीने बाद ही जून 2008 में स्काईलाइट ने यह जमीन 58 करोड़ में डीएलएफ को बेच दी। वाड्रा की कंपनी को करीब 4 महीने में ही 700 प्रतिशत से ज्यादा का मुनाफा होता है। 2012 में हुड्डा सरकार कॉलोनी बनाने का लाइसेंस डीएलएफ को ट्रांसफर कर दिया। आईएएस अधिकारी ने म्यूटेशन रद्द किया 2012 में हरियाणा सरकार के भूमि रजिस्ट्रेशन के तब के निदेशक अशोक खेमका ने इस सौदे में अनियमितताओं का हवाला देकर जमीन का म्यूटेशन (स्वामित्व हस्तांतरण) रद्द कर दिया। खेमका ने दावा किया कि स्काईलाइट को लाइसेंस देने की प्रक्रिया में नियमों का उल्लंघन हुआ। इसके बाद खेमका का तबादला कर दिया गया। इससे मामले में विवाद और बढ़ गया।2018 में दर्ज की गई एफआईआर साल 2018 में हरियाणा पुलिस ने रॉबर्ट वाड्रा, भूपेंद्र हुड्डा, डीएलएफ और ओंकारेश्वर प्रॉपर्टीज के खिलाफ एफआईआर दर्ज की। इन पर धोखाधड़ी, आपराधिक साजिश और भ्रष्टाचार के आरोप में आईपीसी की धारा 420, 120, 467, 468 और 471 के तहत मामला दर्ज किया गया। बाद में आईपीसी की धारा 423 के तहत नए आरोप जोड़े गए।ईडी ने एफआईआर के आधार पर जांच शुरू की ईडी ने शक जताया कि इस सौदे में मनी लॉन्ड्रिंग हुई है, क्योंकि जमीन की कीमत कुछ ही महीनों में असामान्य रूप से बढ़ गईं। इसके अलावा ओंकारेश्वर प्रॉपर्टीज के फर्जी कंपनी होने का भी शक जताया गया। जमीन की खरीद से जुड़ा चेक कभी जमा नहीं किया गया। ईडी ने 2018 में हरियाणा पुलिस की एफआईआर के आधार पर मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज किया।ईडी को संदेह, डीएलएफ को हुआ रु5 हजार करोड़ का फायदा ईडी स्काईलाइट हॉस्पिटैलिटी के वित्तीय लेनदेन, जमीन की खरीद-बिक्री और डीएलएफ के साथ सौदे की जांच कर रही है। साथ ही यह भी देखा जा रहा है कि क्या इस सौदे से हुई आय का इस्तेमाल अवैध गतिविधियों में किया गया। आरोप है कि डीएलएफ को इस सौदे में फायदा पहुंचाने के लिए हुड्डा सरकार ने नियमों का उल्लंघन किया। इसमें वजीराबाद में डीएलएफ को 350 एकड़ जमीन आवंटन का भी जिक्र है। ईडी को शक है कि इससे डीएलएफ को 5 हजार करोड़ रुपए का फायदा हुआ।

दिल्ली के 45,बेंगलुरु के 50 स्कूलों में बम की धमकी:देश की राजधानी में 5 दिन में चौथा मामला, लिखा- पेरेंट्स कटे-फटे शव देखेंगे तो खुशी होगी

नयी दिल्ली। दिल्ली और बेंगलुरु में शुक्रवार सुबह 80 से ज्यादा स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली। दिल्ली के 45 से ज्यादा स्कूलों को धमकी भरा ईमेल भेजा गया। इनमें पीतमपुरा, द्वारका, पश्चिम विहार, रोहिणी, संगम विहार, समेत दूसरे इलाकों के स्कूल शामिल हैं। सूचना मिलते ही दिल्ली पुलिस, बम निरोधक दस्ता और फायर सर्विस की टीमें स्कूल पहुंची हैं। सावधानी के तौर पर स्कूलों को तुरंत खाली करा लिया गया और तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया। इनके अलावा, दिल्ली यूनिवर्सिटी के 3 कॉलेजों को भी बम की धमकी मिली है। राजधानी दिल्ली में 5 दिन के भीतर बम धमकी का यह चौथा मामला है। इससे पहले 14 जुलाई को दो, 15 जुलाई को तीन, 16 जुलाई को करीब 10 स्कूलों और दिल्ली यूनिवर्सिटी के सेंट स्टीफन्स कॉलेज को धमकी मिली थी। वहीं बेंगलुरु के भी 50 स्कूलों को बम की धमकी दी गई है। पुलिस ने बताया कि 'दैवत्त333' नाम के यूजर ने सुबह 7.24 बजे 50 स्कूलों की ईमेल आईडी पर स्कूल के अंदर बम होने का मेल भेजा। सूचना मिलते ही पुलिस और बम निरोधक दस्ता अलग-अलग स्कूलों में जाकर जांच में जुट गया है।धमकी भरे मेल में लिखा है, 'मैं आप में से हर एक को इस दुनिया से मिटा दूंगा। मुझे खुशी होगी जब मां-बाप अपने बच्चों के कटे-फटे शव देखने के लिए स्कूल पहुंचेंगे' चिट्ठी में लिखा है कि मैं विस्फोट के बाद आत्महत्या कर लूंगा। मैं अपनी जिंदगी से नफरत करता हूं। मुझे कभी मदद नहीं मिली। साइकैट्रिस्ट, साइकोलॉजिस्ट किसी ने कभी परवाह नहीं की। आप केवल असहाय इंसानों को दवा देते हैं। यह कभी नहीं बताते कि वे दवाएं आपके अंगों को बर्बाद करती हैं। मैं इसका जीता-जागता सबूत हूं। आप सभी मेरी जैसी तकलीफ झेलने के हकदार हैं।सेंट स्टीफन्स कॉलेज को 16 जुलाई को मिले मेल में दावा किया गया था कि बम लाइब्रेरी में लगाया गया है। इसके बाद कॉलेज को तुरंत खाली कराया गया और जांच टीमों ने वहां भी तलाशी ली। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इस तरह की घटनाएं समाज में भय फैलाने के लिए की जाती हैं, लेकिन सुरक्षा एजेंसियां पूरी मुस्तैदी से काम कर रही हैं। इसके अलावा जिन स्कूलों को धमकी भरा ईमेल मिला था उनमें सेंट थॉमस स्कूल (द्वारका), वसंत वैली स्कूल (वसंत कुंज), मदर्स इंटरनेशनल स्कूल (हौज खास), रिचमंड ग्लोबल स्कूल (पश्चिम विहार) शामिल थे। इससे पहले 14 जुलाई को दो और 15 जुलाई को तीन स्कूलों को ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी।पिछले साल मई से दिसंबर तक दिल्ली में बम की 50 धमकियां मिली थीं। जांच में दिल्ली के तीन स्कूलों में बम की धमकी वहां पढ़ने वाले दो छात्रों ने ही दी थी। दोनों भाई-बहन थे। दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल ने 22 दिसंबर को इसकी जानकारी दी थी। पुलिस ने बताया था कि काउंसिलिंग के दौरान छात्रों ने माना कि उन्होंने ई-मेल के जरिए तीन स्कूलों को बम की धमकी भेजी थी। वे चाहते थे कि एग्जाम टाल दिए जाएं। उन्होंने पहले की घटनाओं से धमकी भेजने का आइडिया मिला था।

प्रियंका हुई 43 की हीरोइन बनीं तो ताने मिले,तीन बार सुसाइड की कोशिश, शाहरुख,कई को डेट किया

मुंबई। प्रियंका चोपड़ा ने अपने दम पर बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड तक अपनी एक्टिंग के बदौलत गहरी छाप छोड़ी है। ग्लोबल स्टार के तौर पर जानी भी हुआ। किसकी किस्मत कब पलट जाए कुछ कह नहीं सकते हैं।इंडस्ट्री में नई होने के बावजूद एक बार प्रियंका चोपड़ा ने निर्देशक के गलत बर्ताव की लेकर बात की थी। एक्ट्रेस ने कहा था- मुझे बहुत गहरा धक्का लगा था। जब दिल टूटा, उस वक्त 17 साल की थी। मैं सदमे में थी और ये समझने के सुबह-सुबह एक्ट्रेस के घर पर रेड डाली और शाहिद ने दरवाजा खोला। इन खबरों के आने के बाद इंडस्ट्री में खूब तहलका मच गया था। कुछ रिपोर्ट्स में कहा

जाने वाली प्रियंका आज बेहतरीन लाइफस्टाइल जी रही हैं, लेकिन इसके पीछे बहुत मेहनत, दर्द और हिम्मत की सच्ची कहानी छिपी है। मिस वर्ल्ड का खिताब जितने के बाद भी प्रियंका को बॉलीवुड में काफी रिजेक्शन का सामना करना पड़ा। कभी उनके सांवले रंग का मजाक उड़ाया गया, तो कभी काली बिल्ली और डस्की वजह से फिल्म छोड़ दी थी। इस बात का खुलासा प्रियंका चोपड़ा ने अपनी ऑटोबायोग्राफी 'अनफिनिश्ड' में की है। एक्ट्रेस ने अपनी ऑटोबायोग्राफी में बताया कि निर्देशक ने उनके साथ बुरा बर्ताव किया था, जिसके चलते उन्होंने फिल्म बीच में ही छोड़ दी थी, लेकिन तब उन्होंने किसी को कोई कारण नहीं बताया, लिए बहुत छोटी थी कि आखिर मैं कर क्या रही हूं? उस दौरान बस आपको ये पता होता है कि ये सही नहीं है। मैं उसकी मीठी-मीठी बातों में फंस गई थी। मेरी कजिन्स मुझसे हमेशा कहती थी कि तुम ऐसा कैसे कर सकती हो, वो तुम्हारे लायक नहीं है। मुझे भी लगता था कि वो सही कह रही थी।बहरहाल, न्यूज 18 में छपी गया था कि वे गोवा में सगाई करने वाले थे, लेकिन ऐसा कभी नहीं हुआ।अक्षय और प्रियंका ने एक साथ कई फिल्में कीं। दोनों की केमिस्ट्री को दर्शकों ने खूब पसंद किया। इसी के साथ दोनों के बीच नजदीकियों के खूब चर्चे रहे। अक्षय कुमार की पत्नी ट्विंकल खन्ना को जैसे ही इसकी भनक लगी तो उन्होंने अक्षय को हिदायत देते हुए,

कहा गया। एक एक्ट्रेस ने तो यहां तक कह दिया था कि वो हीरोइन बनने के लायक ही नहीं हैं। प्रियंका ने निर्देशक से तंग आकर फिल्म छोड़ी तो बॉलीवुड की पॉलिटिक्स से तंग आकर इंडस्ट्री छोड़ दी। आज प्रियंका ने बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड तक में अपने दम पर नाम और शोहरत हासिल की है।प्रियंका चोपड़ा ने पॉडकास्ट रीड द रूम में बॉलीवुड में मिले रिजेक्शन के बारे में बात की थी। प्रियंका ने बताया था- मुझे कई वजहों से रिजेक्शन का समाना करना पड़ा था। कभी मुझे कहा जाता था कि रोल के लिए फिट नहीं हूं। कभी फेवरेटिज्म की वजह से तो कभी किसी की गर्लफ्रेंड की वजह से मुझे फिल्म में कास्ट नहीं किया गया। इंडस्ट्री में एक समय ऐसा भी था जब कोई मेरे साथ काम नहीं करना चाहता था। करियर के शुरुआत में मुझे लगभग डेढ़ साल तक रिजेक्शन का सामना करना पड़ा था।इतना ही नहीं करियर के शुरुआत में प्रियंका चोपड़ा को सांवले रंग और दुबले-पतले शरीर को लेकर खूब आलोचनाओं का शिकार होना पड़ा था। प्रियंका चोपड़ा ने खुद एक इंटरव्यू के दौरान कहा था- मुझे अपने रंग के कारण बॉडी शेमिंग का सामना करना पड़ा था। मुझे काली बिल्ली और डस्की कहा जाता था। मुझे लगता था कि गोरे रंग के साथी कलाकारों की तुलना में मुझे अधिक मेहनत करनी होगी।प्रियंका चोपड़ा ने फिल्म 'किस्मत' में एक्ट्रेस स्मिता जयकार के साथ काम किया था। इस फिल्म में स्मिता ने प्रियंका की मां का किरदार निभाया था। फिल्मी मंत्रा मीडिया के साथ बातचीत में स्मिता जयकार ने बताया था- मैंने प्रियंका को पहली बार देखा तो वह बहुत ही दुबली-पतली और सांवली थीं। मैंने कहा कि हे भगवान, ये कैसे लोग हीरोइन बन जाते हैं। हालांकि बाद में मेरे जजमेंट पर पछतावा क्योंकि उस वक्त उन्हें डर था कि लोग उन पर ही उंगली उठाएंगे। एक्ट्रेस ने अपनी ऑटोबायोग्राफी में ये भी बताया कि कैसे इंडस्ट्री में कई बार हीरो के कहने पर स्क्रिप्ट बदल दी जाती थी और महिला किरदारों को हटा दिया जाता था।वेब सीरीज 'सिटाडेल' के प्रमोशन के दौरान प्रियंका चोपड़ा ने बॉलीवुड की पॉलिटिक्स के बारे में खुलकर बात की थी। एक्ट्रेस ने कहा था- मुझे फिल्म इंडस्ट्री से अलग-थलग किया गया। लोग फिल्मों में मुझे कास्ट नहीं कर रहे थे। मुझे किसी कोने में धकेला जा रहा था। मैं इस खेल में माहिर नहीं हूं और इस पॉलिटिक्स से तंग आकर मैंने बॉलीवुड छोड़ दिया। मैं एक चांस की तलाश में थी, जो मुझे अमेरिका में मिला और मैं वहीं शिफ्ट हो गई।प्रियंका चोपड़ा ने कुछ समय पहले वर्जिनटी को लेकर ऐसा कुछ कह दिया था जिससे काफी बवाल मच गया था। प्रियंका ने अपने स्टेटमेंट में कहा था- बीवी बनाने के लिए वर्जिन लड़की मत ढूंढो , ऐसी महिला की तलाश करो जिसका आचरण अच्छा हो। वर्जिनिटी तो एक ही रात में खत्म हो जाती है, लेकिन आचरण हमेशा के लिए साथ रहता है। एक्ट्रेस के इस बयान पर काफी बवाल मचा था। वायरल पोस्ट के बाद प्रियंका ने कहा था कि यह फेक है। ये मैं नहीं हूं, यह मेरा कोट और मेरी आवाज नहीं है।प्रियंका चोपड़ा ने हाल ही में अपने लव अफेयर्स और ब्रेकअप्स के बारे में बात की थी। एक्ट्रेस ने कहा था कि वह हर रिश्ते को परफेक्ट बनाने की कोशिश में लगी रहीं, लेकिन सच्चा प्यार नसीब नहीं हो सका और सभी के साथ उनका ब्रेकअप काफी खराब लेवल पर हुआ था। हालांकि प्रियंका ने अपने इस खुलासे में किसी स्टार का नाम नहीं लिया था।प्रियंका ने सिमी गरेवाल के शो 'हौन्दलें'गूएग्स उैंत' में अपने पहले रिश्ते को खबर के मुताबिक बॉलीवुड में आने के बाद प्रियंका चोपड़ा का अफेयर असीम मर्चेंट से था। तब प्रियंका करियर के शुरुआती दिनों में मॉडलिंग करती थीं। जैसे ही प्रियंका को फिल्में ऑफर होने लगी, उन्होंने असीम मर्चेंट से ब्रेकअप कर दिया।प्रियंका चोपड़ा के पूर्व मैनेजर प्रकाश जाजू ने कई ट्वीट कर यह दावा किया था कि प्रियंका चोपड़ा ने संघर्ष के दिन में दो-तीन बार खुदकुशी की कोशिश भी की थी। जाजू के मुताबिक उस दौरान प्रियंका चोपड़ा और उसके कथित ब्वॉयफ्रेंड असीम मर्चेंट में अक्सर झगड़ा होता था और कभी-कभी तो आधी रात में प्रियंका अपने दोस्त पर चिल्ला उठती थी। एक बार तो अपने दोस्त से झगड़कर प्रियंका चोपड़ा मुंबई के वसई इलाके में खुदकुशी करने चली गई थी। उस वक्त मैंने उसे समझाया था कि वह कोई ऐसा कदम नहीं उठाए। यहां तक कि प्रियंका असीम मर्चेंट की मां से काफी करीब थी। 2002 में असीम की मां की मौत के बाद तो प्रियंका चोपड़ा अपनी बिल्डिंग से नीचे कूद गई थी। सुसाइड वाली बात पर चुप्पी तोड़ते हुए प्रियंका ने कहा था कि जो आदमी मुझे परेशान करने की वजह से जेल में जा चुका हो, उसके बात पर कोई कैसे विश्वास कर सकता है।प्रियंका की लाइफ में हरमन बावेजा भी आए। प्रियंका और हरमन ने 'लव स्टोरी 2050' और 'व्हाट्स योर राशि' में काम किया था। इसी दौरान दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ी। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो दोनों 5 साल तक रिलेशनशिप में रहे और फिर दोनों का ब्रेकअप हो गया। ब्रेकअप की वजह हरमन का फ्लॉप करियर बताया जाता है।प्रियंका चोपड़ा का नाम शाहिद कपूर के साथ भी जुड़ा था। शाहिद कपूर ने प्रियंका को डेट करने की बात कबूल की थी। दोनों की साथ होने की खबरें तब सामने आईं, जब एक दिन आयकर विभाग ने प्रियंका के साथ काम करने पर ही पाबंदी लगा दी थी।शाहरुख खान के साथ भी प्रियंका चोपड़ा का नाम जुड़ा था। इस खबर ने तो इंडस्ट्री में हलचल मचा दी थी। दोनों ने फिल्म 'डॉन' में काम किया और तभी दोनों के करीब आने की खबरें छपने लगीं थीं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो उस वक्त दोनों ही एक-दूसरे के साथ इस रिश्ते में काफी सीरियस थे। दोनों के रिश्ते की खबरों पर गौरी इतनी आग बबूला हुईं कि उन्होंने शाहरुख को प्रियंका के साथ काम करने पर पाबंदी लगा दी थी।हॉलीवुड स्टार टॉप हिडलस्टन के साथ भी प्रियंका नाम जुड़ा। ये चर्चाएं तब शुरू हुईं जब एक पार्टी में एक्टर खुलकर देसी गर्ल को फ्लर्ट करते दिखे। दोनों की नजदीकियों को देख लोगों को शक हुआ कि दोनों के बीच कुछ तो है। हालांकि ये अफवाहें जल्द ही थम गईं।हॉलीवुड स्टार जेरार्ड बटलर के साथ भी प्रियंका चोपड़ा का नाम जुड़ा। बताया जाता है कि जेरार्ड प्रियंका को बहुत पसंद करते थे और उनसे शादी करना चाहते थे। 2009 में जेरार्ड जब इंडिया आए तो प्रियंका ने उनके लिए एक शानदार पार्टी भी रखी थी। इस पार्टी में जेरार्ड ने बेझिझक अपने दिल की बात प्रियंका से कही थी, लेकिन प्रियंका ने मना कर दिया था। प्रियंका ने जेरार्ड बटलर को सिर्फ अपना एक अच्छा दोस्त माना था।दो सालों तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद प्रियंका चोपड़ा और निक जोनस ने 1 दिसंबर 2018 को राजस्थान के उम्मेद भवन में हिंदू और क्रिश्चियन रीति-रिवाज से शादी कर ली थी। प्रियंका और निक की शादी साल 2018 के सबसे चर्चित वेडिंग फंक्शन में से एक था। चार साल तक अपनी मैरिड लाइफ का लुत्फ उठाने के बाद 2022 में कपल ने एक बेटी का स्वागत किया, जिसका नाम मालती मैरी चोपड़ा जोनस है। कपल सरोगेसी के जरिए पेरेंट्स बने हैं।

रूढ़िवादी मुस्लिम परिवार से थीं बॉलीवुड एक्ट्रेस जोहरा सहगल,8 साल छोटे हिंदू युवक से इलाहाबाद में कोर्ट मैरिज की थी, माहौल बिगड़ा तो लाहौर से भागना पड़ा था

मुंबई। बॉलीवुड की मशहूर अदाकारा जोहरा सहगल आज भी अपनी फिल्मों और बेमिसाल शख्सियत के लिए याद की जाती हैं, लेकिन फिल्मों में नाम कमाने से पहले भी जोहरा अपने फैसलों को लेकर चर्चा में थीं। जोहरा ने एक ऐसा फैसला लिया था जो उस दौर में न तो आम था और न ही समाज या उनके परिवार के लिए स्वीकार्य था।जोहरा ने भारत और पाकिस्तान के बंटवारे से पहले एक हिंदू युवक से शादी की थी। उनका नाम कमेश्वर सहगल था। वह उनसे उम्र में आठ साल छोटे थे। दोनों की मुलाकात उत्तराखंड के अल्मोड़ा में उदय शंकर द्वारा स्थापित डांस स्कूल में हुई थी।द इंडियन एक्सप्रेस के मुताबिक, जोहरा को कमेश्वर से पहली ही मुलाकात में प्यार हो गया। अपने 100वें जन्मदिन पर दिए एक इंटरव्यू में जोहरा ने बताया था कि 1940 में वह कमेश्वर से मिली थीं। वह इंदौर से आए हुए एक चित्रकार थे और उसी डांस स्कूल में ट्रेनिंग ले रहे थे। जोहरा ने ये भी कहा था- 'वो बहुत हैंडसम और टैलेंटेड थे। एक बर्मी झोपड़ी की पेंटिंग जो उन्होंने चावल और फंगस से बनाई थी, मुझे बहुत पसंद आई। उम्र में छोटे थे, लेकिन मेरे लिए उनके मन में भी वैसा ही भाव था।' जोहरा पहले ही एक मशहूर डांसर बन चुकी थीं। वह कई देशों की यात्रा कर चुकी थीं और भारत की जानी-मानी क्लासिकल डांसर्स में गिनी जाती थीं। इसके बाद दोनों ने करीब दो साल एक-दूसरे को जाना और फिर 1942 में शादी कर ली। यह वह समय था जब देश में भारत छोड़ो आंदोलन चल रहा था।जोहरा ने बताया था, 'हमने इलाहाबाद में कोर्ट मैरिज की थी। तब रेलवे लाइन और सड़कें बंद थीं, इसलिए हमारे साथ बस एक ही बाराती था।' बता दें कि जोहरा के लिए शादी करना आसान नहीं था क्योंकि वो एक पारंपरिक मुस्लिम परिवार से थीं और उनके पति एक हिंदू थे। उस वक्त यह बात लोगों को चौंकाने वाली लगी थी। हाल ही में हटरफ्लाई को दिए एक इंटरव्यू में जोहरा की परनातिन और एक्ट्रेस आयशा रजा मिश्रा ने बताया था, 'उन्होंने (जोहरा) शादी करने का फैसला लिया, वो भी उस व्यक्ति से जो उनसे आठ साल छोटा था, हिंदू था और खुद वो एक कंजरवेटिव मुस्लिम परिवार से थीं। सोचिए उस दौर में किसी लड़की का अपने पिता से कहना कि मुझे प्यार हो गया है और मैं शादी करना चाहती हूंष्ठ और फिर बताना कि लड़का डांसर है, उम्र में छोटा है और दूसरे धर्म से है। ये हमारे परिवार के लिए बहुत बड़ा कदम था।' शादी के बाद जोहरा और कमेश्वर ने लाहौर में एक परफॉर्मिंग आर्ट्स संस्थान खोला जिसका नाम 'जोरेश' रखा गया। बता दें कि यह एक तरह से हिंदू-मुस्लिम एकता की मिसाल थी, लेकिन कुछ ही समय में इलाके में माहौल बिगड़ने लगा। जिसके बाद जोहरा और कमेश्वर को अपने बच्चे के साथ अचानक बंबई (अब मुंबई) जाना पड़ा। वहां दोनों पृथ्वी थिएटर से जुड़ गए। यहीं से जोहरा को एक्टिंग का असली मंच मिला। 2012 में हिंदुस्तान टाइम्स को दिए एक इंटरव्यू में जोहरा ने अपने पति को लेकर कहा था, 'वो हर काम में टैलेंटेड थे, आर्टिस्ट, होम्योपैथ, डांसर और कुकष्ठ लेकिन किसी एक में मशहूर नहीं हो पाए।' कमेश्वर का निधन 1959 में हो गया था। वहीं, जोहरा ने लंबा जीवन जिया और 102 साल की उम्र में 2014 में उनका निधन हुआ। जोहरा ने आठ दशकों तक बॉलीवुड और ब्रिटिश सिनेमा में एक्टिंग की। उनकी प्रमुख फिल्मों में 'नीचा नगर', 'अफसर', 'दिल से', 'वीर-जारा', 'सावरिया', 'चीनी कम', और 'बेंड इट लाइक बेकहम' शामिल हैं। जोहरा ने टीवी शो 'द ज्वेल इन द क्राउन', 'तंदूरी नाइट्स' और 'अम्मा एंड फैमिली' में भी काम किया।

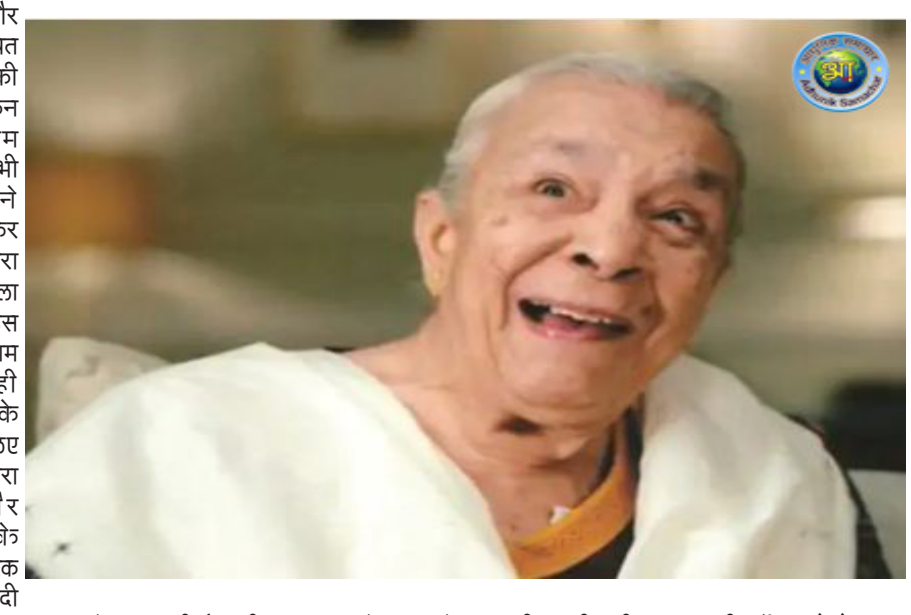

विजय देवरकोंडा की तबीयत बिगड़ी,डेंगू के कारण अस्पताल में हुए भर्ती, 20 जुलाई को हो सकते हैं डिस्चार्ज

मुंबई। साउथ एक्टर विजय देवरकोंडा को डेंगू होने के चलते देवरकोंडा को डेंगू हो गया है, जिस करण वह हॉस्पिटल में भर्ती है। एप्लिकेशन का प्रचार किया। यह कार्रवाई हैदराबाद पुलिस द्वारा दर्ज कर रहे हैं, जिससे पब्लिक गैंबलिंग एक्ट 1867 का उल्लंघन हो रहा

अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इलाज के दौरान उनके साथ उनका पूरा परिवार भी मौजूद है। उम्मीद की जा रही है कि उन्हें 20 जुलाई को डिस्चार्ज कर दिया जाएगा। दरअसल, इंस्टाग्राम हैंडल एंटरटेनमेंट एफ की एक पोस्ट में दावा किया गया है कि विजय हालांकि, विजय या उनकी टीम की ओर से अब तक इस मामले में कोई बयान सामने नहीं आया है।बता दें, ईडी ने 10 जुलाई को 29 सेलिब्रिटी के खिलाफ केस दर्ज किया था। इसमें एक्टर विजय देवरकोंडा, राणा दग्गुबाती और प्रकाश राज के नाम शामिल हैं। आरोप है कि इन्होंने अवैध बेटिंग की गई प्राथमिकी के आधार पर की गई थी। हिंदुस्तान टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, हैदराबाद के मियापुर पुलिस स्टेशन में मार्च में 32 साल के कारोबारी पीएम फनीन्द्र शर्मा की शिकायत पर एफआईआर दर्ज हुई थी। शिकायत में कहा गया था कि सेलिब्रिटीज और इन्फ्लुएंसर गैरकानूनी बेटिंग ऐप्स को प्रमोट है।विजय देवरकोंडा जल्द ही फिल्म किंगडम में नजर आएंगे। यह फिल्म 31 जुलाई में रिलीज होगी। फिल्म के टीजर में एक्टर का दमदार अवतार देखने को मिला था, जिसकी रश्मिका मंदाना ने भी काफी तारीफ की थी। विजय के अलावा फिल्म में भाग्यश्री बोरसे और सत्यदेव भी मुख्य भूमिकाओं में हैं।

सलमान के लिए फिल्म बैटल ऑफ गलवान बनी चैलेंजिंग,बोले-ऊंचाई पर शूटिंग करना आसान नहीं, बहुत मेहनत करनी पड़ती है

मुंबई। सलमान खान इन दिनों अपनी फिल्म बैटल ऑफ गलवान को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में उन्होंने फिल्म में निभाए गए किरदार के बारे में बात की और यह भी बताया कि इस रोल को निभाने के लिए शारीरिक तौर पर उन्हें किन-किन चुनौतियों का सामना करना पड़ा। पीटीआई से बातचीत के दौरान सलमान खान ने कहा, फिल्म बैटल ऑफ गलवान में मेरा किरदार फिजिकली काफी चैलेंजिंग है। हर साल, हर महीने,

हर दिन यह और भी ज्यादा मुश्किल होता जा रहा है। अब मुझे ज्यादा समय देना पड़ता है। पहले मैं यह एक या दो हफ्तों में कर लेता था, लेकिन अब मुझे दौड़ना, किक मारना, पंच करना और इस तरह की चीजें करनी पड़ती हैं। इस फिल्म की मांग ही ऐसी है।सलमान ने कहा, जब मैं फिल्म सिकंदर कर रहा था तो उसका एक्शन अलग था। वह किरदार अलग था। लेकिन बैटल ऑफ गलवान का रोल फिजिकली अलग और मुश्किल है। इसके लिए मुझे लद्दाख के ऊंचे पहाड़ों पर और ठंडे पानी में शूटिंग भी करनी है, जो एक बड़ी चुनौती है। जब मैंने इस फिल्म को साइन किया, तब मुझे लगा कि यह एक शानदार फिल्म है। लेकिन यह करना कठिन है। लद्दाख में मुझे 20 दिन काम करना है और फिर सात से आठ दिन ठंडे पानी में शूटिंग करनी है। हम इसी महीने इसकी शूटिंग करने जा रहे हैं।सलमान ने अपनी फिल्म बजरंगी भाईजान 2 को लेकर भी अपडेट दिया है।

मूवी रिव्यू- 'निकिता रॉय'

मुंबई।'निकिता रॉय' सिर्फ एक डराने वाली फिल्म नहीं, बल्कि ये उन कहानियों में से है जो सिनेमाघर से निकलने के बाद भी आपके जेहन में चलती रहती है। कुश सिन्हा के निर्देशन में बनी यह फिल्म आज सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। इस फिल्म में सोनाक्षी सिन्हा, परेश रावल, अर्जुन रामपाल और सुहैल नैयर की अहम भूमिका है। इस फिल्म की लेंथ 1 घंटा 54 मिनट है। दैनिक भास्कर ने इस फिल्म को 5 में से 3.5 स्टार की रेटिंग दी है।कहानी की शुरुआत अर्जुन रामपाल के किरदार से होती है, जो अंदर ही अंदर किसी अनजाने डर से जूझ रहा है। धीरे-धीरे स्क्रीन पर जो माहौल बनता है, वो दर्शक को अपने साथ खींच लेता है। यह हॉरर का वो रूप है जहां चीखें नहीं, सन्नाटा डराता है। फिल्म एक सामाजिक मुद्दे,अंधविश्वास को थ्रिलर के दायरे में लाकर रखती है और एक ऐसी लड़की की जद्दोजहद को दिखाती है जो झूठे बाबाओं के खिलाफ लड़ना चाहती है, लेकिन खुद ही उस चक्रव्यूह में उलझ जाती है।सोनाक्षी सिन्हा ने 'निकिता रॉय'

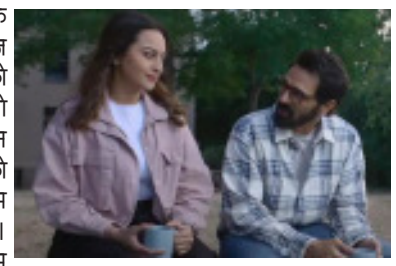

के किरदार में जो गहराई और गंभीरता दिखाई है, वो उनके करियर की सबसे मैच्योर परफॉर्मेंस में से एक है। परेश रावल का बाबा अमरदेव का किरदार आपको परेशान कर देगा। मुस्कुराहट के पीछे छुपी क्रूरता और चुप्पी में छिपा डर उन्हें फिल्म का सबसे रियल विलेन बनाता है। सुहैल नैयर और सोनाक्षी के बीच का रिश्ता फिल्म को इमोशनल थ्रेड देता है। वहीं, अर्जुन रामपाल की स्क्रीन प्रेजेंस भले ही सीमित रही हो, लेकिन उनकी मौजूदगी कहानी में ठहराव लाती है,काश उन्हें थोड़ी और स्क्रीन टाइम दी जाती।बतौर निर्देशक कुश सिन्हा का यह डेब्यू फिल्म है, लेकिन उनकी कहानी कहने की समझ काफी मैच्योर दिखती है। डर पैदा करने के लिए उन्होंने पारंपरिक हॉरर ट्रिक्स का सहारा नहीं लिया, न जोरदार बैकग्राउंड म्यूजिक, न अचानक उभरते चेहरों से सस्ते डर। बल्कि उन्होंने असली डर को माहौल, कैमरा मूवमेंट और स्क्रिप्ट के जरिये महसूस कराया है।पवन कृपलानी की लिखी स्क्रिप्ट का स्क्रीन पर ट्रांसलेशन काफी संतुलित है। कहानी में कोई अतिरिक्त नाटक नहीं, न ही मेलोड्रामा। बोगदाना ऑर्लेनोवा की सिनेमैटोग्राफी ने हर फ्रेम को गहराई दी है। धुंध, रोशनी और साये–सब कुछ मिलकर दर्शकों को फिल्म का हिस्सा बनाते हैं। एडिटिंग थोड़ी टाइट हो सकती थी, खासकर पहला हाफ कुछ जगह खिंचता है।फिल्म में गाने बेहद कम हैं और यही इसकी खासियत भी है। बैकग्राउंड स्कोर ने बिना ओवरपावर किए कहानी को संबल दिया है।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स
53/25/1 ए बेली रोड
न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र) 211002 से
मुद्रित एवं सी-41यूपी
एसआईडीसी औद्योगिक
क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।